100
प्रमुखस्वामी महाराज
शताब्दी महोत्सव

वर्ष : 3 अंक: 264 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

सोमवार, 23 मई 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

रूस ने फिनलैंड को गैस सप्लाई रोकी, फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के ऐलान के बाद की गई कार्रवाई

मास्को, एजेंसी। रूस के पड़ोसी फिनलैंड और स्वीडन के नाटो में शामिल होने के ऐलान के बाद तनाव काफी बढ़ गया है। इसके बाद एक्शन में आते हुए रूस ने फिनलैंड को तत्काल प्रभाव से गैस सप्लाई रोक दी है। रूस ने बताया फिनलैंड ने रूबल में गैस का भुगतान करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद सप्लाई बंद कर दी गई है। रूस के इस कदम में फिनलैंड में ऊर्जा संकट गहरा सकता है।

इतना ही नहीं, वैकल्पिक व्यवस्था होने तक फिनलैंड की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ सकता है। फिनलैंड अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से भारी मात्रा में गैस खरीदता है। रूसी सरकारी गैस आपूर्ति एजेंसी गजप्राम ने कहा है कि फिनलैंड ने रूबल में भुगतान करने की मांग मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पड़ोसी देश को गैस की सप्लाई रोक दी गई है। रूस का यह फैसला फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के ऐलान के बाद आया है। विदेशों से गैस खरीदने वाली फिनलैंड की सरकारी कंपनी गैसम ने कहा है कि वे पहले से ही रूसी गैस सप्लाई को बंद करने के लिए तैयार थे। उन्होंने दावा किया

कि देश में गैस की किल्लतों का प्रबंध कर लिया जाएगा और इससे आम आदमी को कोई भी तकलीफ नहीं होगी।

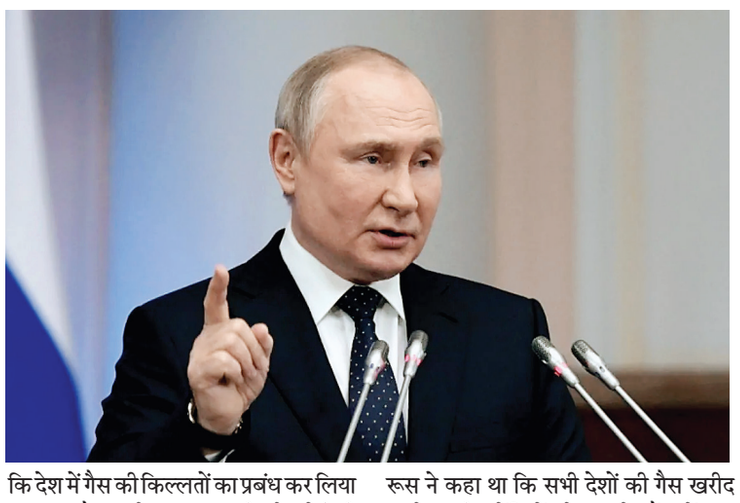

हालांकि, विशेषज्ञों की राय है कि बाहर से गैस आयात करने पर फिनलैंड पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने प्रतिबंधों को देखते हुए सभी गैर आयातक देशों से रूबल में भुगतान करने की मांग की थी। रूस ने कहा था कि सभी देशों की गैस खरीद करने वाली एजेंसियों को रूस के बैंक में एक अकाउंट खोलना होगा और उसी के जरिए रूबल में भुगतान किया जाएगा। हालांकि, यूरोपीय संघ ने रूस के इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था। जिसके बाद रूस ने पिछले महीने बुल्गारिया और पोलैंड को गैस काट दी थी।

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की मदद के लिए शनिवार को 40 अरब डॉलर की नई सहायता से जुड़े विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए। यह विधेयक अमेरिकी कांग्रेस में दोनों दलों के समर्थन से पारित हुआ था। विधेयक रूस के साथ जारी युद्ध के चलते अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे यूक्रेन के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी जाने वाली इस सहायता में से 20 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन की सैन्य मदद के लिए है।

नाटो की सदस्यता पाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे फिनलैंड और स्वीडन को अमेरिका ने खुला समर्थन दिया है। पिछले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने फिनलैंड और स्वीडन के राजनेताओं से वाइट हाउस में मुलाकात भी की थी। इन नेताओं ने नाटो पारस्परिक रक्षा समझौते और व्यापक यूरोपीय सुरक्षा चिंताओं पर त्रिपक्षीय बातचीत के लिए बैठक की। स्वीडन की प्रधानमंत्री मैग्डालेना एंडरसन और फिनलैंड के राष्ट्रपति शाऊली निनिस्टो ने बाइडेन को नाटो में शामिल होने की अपनी इच्छा के बारे में बताया था।

क्वाड शिखर वार्ता से समूह के कार्यों में हुई प्रगति की समीक्षा का अवसर मिलेगा : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि जापान में क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता से चारों देशों के नेताओं को समूह द्वारा उठाए गए कदमों में हुई प्रगति की समीक्षा करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा इस वार्ता से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों के साथ ही आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करने का भी अवसर मिलेगा।

जापान के दो दिवसीय (23-24 मई) दौरे पर रवाना होने से पहले मोदी ने एक बयान जारी कर कहा कि इस यात्रा के दौरान वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों नेता बहु-आयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने कहा हम क्षेत्रीय घटनाक्रमों और समसामयिक वैश्विक मुद्दों पर भी संवाद जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जापान के अपने समकक्ष फुमियो किशिदा के निमंत्रण पर तोक्यो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मार्च 2022 में उन्होंने 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए किशिदा की मेजबानी की थी।

मोदी ने कहा तोक्यो की मेरी यात्रा के दौरान मैं भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से हमारी बातचीत को जारी रखने की उम्मीद करता हूं। उन्होंने कहा कि जापान में वह क्वाड नेताओं की आमने-सामने की दूसरी शिखर वार्ता में भी हिस्सा लेंगे, जिससे चार क्वाड देशों के नेताओं को क्वाड के कदमों की प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रमों और आपसी हितों से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा करेंगे। क्वाड सुरक्षा संवाद में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नेता शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज पहली बार क्वाड नेताओं की शिखर वार्ता में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा मैं उनके साथ द्विपक्षीय बैठक को लेकर उत्साहित हूं, जिसमें वृहद रणनीतिक साझेदारी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बहुआयामी सहयोग और परस्पर हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी मेदिनीपुर जिले में बंगाल पुलिस में बरामद किए बम से भरे 15 ड्रम, किए गए निष्क्रिय

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य के पूर्वी मेदिनीपुर जिले स्थित बक्का के होगला वन क्षेत्र से शनिवार को मिले बमों को बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया है। ये बम पूर्वी मेदिनीपुर में पुलिस की छापेमारी के दौरान मिले थे। बम मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत यह सूचना बम निरोधक दस्ते को भेजी थी। खबरों के मुताबिक पुलिस ने बम से भरे होने के संदेह में करीब 15 ड्रम बरामद किए थे। बमों की संख्या एक हजार से अधिक बताई जा रही है। इस संबंध में पूर्वी मेदिनीपुर के पुलिस अधीक्षक अमरनाथ ने कहा कि हमें वहां बम होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद हमने सर्च अभियान चलाया और बम के ड्रम बरामद किए। इसके बाद बम निरोधक दस्ते को बुलाया और उन्हें निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने इस मामले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोगटुई नरसंहार के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस को हथियार और बम तलाशी का आदेश दिया था। इसके तहत पुलिस विभिन्न इलाकों में अभियान चला रही है। मालूम हो कि यह पहला मौका नहीं है, जब पश्चिम बंगाल से इस तरह से बम बरामद किए गए हों। इससे पहले बीरभूम जिले में पुलिस ने टीएमसी नेता भादू शेख की हत्या के आरोपी के घर के पास जमीन में दबे क्रूड बम को जब्त किया था। इसके अलावा बीरभूम जिले के रामपुरहाट के मारग्राम में 40 देसी बम मिले थे। इन बमों को 4 बाल्टियों में छिपाकर एक निमार्णाधीन घर के पिछले हिस्से में रखा गया था।

सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया

सिद्धार्थनगर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के जोगिया उदयपुर में बारातियों को लेजा रही एक गाड़ी के ट्रक से टकरा जाने से आठ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना शनिवार रात करीब एक बजे की है। जानकारी के अनुसार कुछ बाराती विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गाड़ी से लौट रहे थे, तभी जिले के जोगिया उदयपुर के ग्राम कटया में सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी गाड़ी टकरा गई और गाड़ी में सवार सात लोगों की मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि गाड़ी में चालक समेत कुल 11 लोग सवार थे। इस हादसे में सचिन पाल (16), मुकेश पाल (35), लालाराम पासवान (26), शिवसागर यादव (18), रवि पासवान (19), राम बरन (35), पिंटू गुप्ता (25) तथा चालक गौरव मौर्य (22) की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर शोक जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये अनुग्रह राशि के तौर पर देने की घोषणा की है।

देश में लागू हो यूनिफॉर्म सिविल कोड जनसंख्या नियंत्रण के लिए भी बने कानून: राज ठाकरे

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समान नागरिक संहिता जल्द से जल्द लाने और जनसंख्या नियंत्रण पर एक कानून लाने का आग्रह किया। अपनी अयोध्या यात्रा रद्द करने के बाद आयोजित पुणे में एक रैली में राज ठाकरे ने कहा कि औरंगाबाद का नाम बदलकर शंभाजीनगर किया जाना चाहिए। अपनी अयोध्या यात्रा के बारे में बात करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि उनके लिए उन लोगों ने एक जाल बिछाया, जो उनके लाउडस्पीकर के विरोध को पसंद नहीं करते थे। राज ठाकरे ने कहा, 'लेकिन मैं इस जाल में नहीं फंसा क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मेरे मनसे के कार्यकर्ता जेल जाएं। ठाकरे ने कहा, 'मैंने दो दिन पहले अपनी अयोध्या यात्रा स्थगित करने के

बारे में ट्वीट किया था। मैंने जानबूझकर बयान दिया ताकि सभी को अपनी प्रतिक्रिया देने का मौका मिल सके। जो लोग मेरी अयोध्या यात्रा के खिलाफ थे, वे मुझे फंसाने की कोशिश कर रहे थे। मैंने इस विवाद में नहीं पड़ने का फैसला किया। इसके अलावा मनसे चीफ राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश में जल्द ही समान नागिरक संहिता लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री से अनुरोध करता हूं कि जल्द से जल्द समान नागरिक संहिता लाए, जनसंख्या नियंत्रण पर भी कानून लाए और औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर कर दिया जाए। एमएनएस चीफ ने कहा, 'जब मैंने अपने कार्यकताओं को लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाने के लिए कहा तो राणा दंपत्ति (रवि और नवनीत राणा) ने कहा कि वे मातोश्री में हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। क्या मातोश्री एक मस्जिद है? बाद में शिवसैनिकों और राणा दंपत्ति के बीच क्या हुआ, सभी जानते हैं।

स्थिति में सुधार की वजह से नहीं, गर्मी की वजह से कश्मीर के पर्यटन में दिखी तेजी : आजाद

जम्मू, एजेंसी। दो दिवसीय दौरे पर जम्मू आए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पर्यटन में मौजूदा तेजी देश के बाकी हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी की वजह से है, न कि केंद्र शासित प्रदेश के हालात में सुधार की वजह से। आजाद ने परिसीमन आयोग की रिपोर्ट पर अपना रुख दोहराते हुए कहा रिपोर्ट जमीनी सच्चाई के विपरीत है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद ने आतंकवाद के खात्मे के लिए एकजुट होकर कोशिश करने की अपील की। उन्होंने सरकार से आह्वान किया कि वह समुदाय के असुरक्षित वर्ग की वास्तविक मांगों को स्वीकार करे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा सरकार को (कश्मीर में) पर्यटकों की

आमद से खुश नहीं होना चाहिए और इसे हालात में सुधार से नहीं जोड़ना चाहिए। आजाद ने कहा मैं पर्यटन में आई तेजी के लिए ऊपर वाले को श्रेय दूंगा, क्योंकि दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में तापमान बढ़ रहा है, जिसके चलते लोग कश्मीर, शिमला और अन्य ठंडे स्थानों की ओर रुख करने को प्रेरित हुए हैं। गौरतलब है कि आजाद दो दिवसीय दौरे पर जम्मू आए हैं और उन्होंने पार्टी मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वह रविवार को श्रीनगर वापस लौट गए।

पूर्वोत्तर में 8 साल में क्या हुआ, राहुल गांधी इटालियन चश्मा उतारें तब तभी दिखेगा विकास : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के गृह मंत्री अमित शाह पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं। अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को वह नामसाई जिला पहुंचे। यहां उन्होंने 1000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

और शिलान्यास किया। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अरुणाचल के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर भी कई हमले किए। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता पूछते हैं कि 8 साल में क्या हुआ? ये लोग आंखें बंद करके जाग रहे हैं। राहुल बाबा को अपना इटालियन चश्मा निकालना चाहिए और पीएम मोदी और सीएम पेमा खांडू द्वारा किए गए विकास कार्यों को देखना चाहिए।

अरुणाचल प्रदेश के दो दिन के दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को तिराप जिले में नरोत्तम नगर स्थित रामकृष्ण मिशन स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच अंतरराज्यीय सीमा विवाद इस साल सुलझ जाने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का प्रयास पूरे पूर्वोत्तर को उग्रवाद मुक्त बनाना है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से आठ साल में पूर्वोत्तर में नौ हजार उग्रवादियों ने सरेंडर किया है। केंद्रीय गृह मंत्री के साथ कानून मंत्री किरण रिजिजू भी मौजूद थे।

कर चोरी पर लगाम कसने अगले महीने होगी जीएसटी काउंसिल की बैठक, बड़े बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कुछ कारोबारियों द्वारा कर चोरी की बुरी आदत खत्म नहीं हो रही लिहाजा इस पर लगाम लगाने के लिए जीएसटी काउंसिल अगले महीने होने वाली अपनी बैठक में इस पर बड़ा फैसला ले सकता है। जीएसटी काउंसिल समरी रिटर्न और मंथली टैक्स भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में संशोधन पर विचार कर सकती है, ताकि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों की जांच की जा सके और वास्तविक सेटलमेंट में तेजी लाई जा सके। जीएसटी काउंसिल को कुछ दिनों पहले ही टैक्स भुगतान के मामलों में फर्जीवाड़े की शिकायतें मिली थी। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी है।

अधिकारियों के अनुसार यह संशोधित फॉर्म टैक्सपेयर्स को ग्रास इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), किसी महीने में दावा की गई राशि और करदाता के लेजर (खाता बही) में बचे नेट एमाउंट के संबंध में स्पष्टता प्रदान करेगा। जीएसटी मामले में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक अगले महीने होने की संभावना है। संशोधित फॉर्म फर्जी आईटीसी दावों की जांच करने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि ईमानदार करदाता समय पर आईटीसी लाभ प्राप्त करने में सक्षम हों। अधिकारी ने कहा कि जीएसटी परिषद की कानून समिति जीएसटीआर-3बी को सुव्यवस्थित करने पर विचार कर रही है, ताकि आईटीसी के खुलासे पर और स्पष्टता आए। संशोधित जीएसटीआर-3बी को परिषद की अगली बैठक में पेश किए जाने की उम्मीद है। जीएसटीआर-3बी, जो एक समरी स्टेटमेंट और मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म है, उसे करदाताओं की अलग-अलग कैटेगरी के लिए हर महीने की 20, 22 और 24 तारीख के बीच अलग-अलग तरीके से दाखिल किया जाता है। एएमआरजी एंड एशोसिएट के सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि मासिक टैक्स पेमेंट फॉर्म में बदलाव से उन टैक्सपेयर्स की पहचान करने में मदद मिलेगी, जो अपात्र टैक्स क्रेडिट का दावा कर रहे हैं। मोहन ने कहा कि नया फॉर्म बैंकों और एनबीएफसी, तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों, शराब बनाने वाले, सार्वजनिक परिवहन सेवाओं, स्वास्थ्य और शैक्षिक सेवाओं सहित वित्तीय संस्थानों द्वारा ग्रास (सकल) कर क्रेडिट की रिपोर्टिंग में बदलाव लाएगा।

दिल्ली में जल संकट गहराया, अतिरिक्त पानी देने से पीछे हटे यूपी और हिमाचल, हरियाणा भी अनिच्छुक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली पिछले कुछ समय से पानी के संकट से जूझ रही है। मौजूदा संकट की वजह वजीराबाद बैराज में घटता जलस्तर है। दिल्ली ने उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की मदद से राष्ट्रीय राजधानी को जलापूर्ति की योजना बनाई थी, लेकिन दोनों राज्य अब पीछे हट गए हैं। हरियाणा भी पानी के बदले पानी देने की योजना को आगे बढ़ाने का इच्छुक नहीं है। हिमाचल और यूपी से जुड़े प्रस्तावों पर 2019 से विचार किया जा रहा था, लेकिन छह-आठ महीने पहले दोनों राज्यों ने इस योनजा से हाथ पीछे खींच लिए। दिल्ली को लगभग 1,200 एमजीडी की आवश्यकता होती है। दिल्ली जल बोर्ड लगभग 950 एमजीडी की आपूर्ति कर पाता है। हरियाणा से रोजाना 610 मिलियन गैलन पानी की सप्लाई आती है। इसमें से कैरियर लाइन्ड कैनाल (सीएलसी) से 368 एमजीडी और दिल्ली सब ब्रांच (डीएसबी) से 177 368 एमजीडी पानी आता है। जबकि यमुना से 65 एमजीडी पानी मिलता है। इसके अलावा, दिल्ली को ऊपरी गंगा नहर के जरिए उत्तर प्रदेश से 253 एमजीडी पानी मिलता है। 90 एमजीडी पानी शहर के कुओं और

नलकूपों से खींचा जाता है। दिल्ली ने पानी की कमी दूर करने के लिए यूपी से ताजे पानी के बदले 14 करोड़ गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) ट्रीटेड वेस्ट वॉटर देने की योजना बनाई गई थी।

अधिकारियों ने बताया यूपी ने पहले कहा था कि वह मुराद नगर रेग्युलेटर से गंगा का 270 क्यूसेक पानी दे सकता है। बदले में दिल्ली से सिंचाई के लिए ओखला के रास्ते यूपी को इतना ही ट्रीटेड वेस्टवॉटर दिया जाएगा। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई बैठकों और फील्ड निरीक्षणों के बाद लगभग छह महीने पहले उत्तर प्रदेश की तरफ से इस योजना को रद्द करने की जानकारी दी गई। ऐसा करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली ने हरियाणा को भी 20 एमजीडी पानी की सप्लाई का प्रस्ताव भेजा था। हरियाणा को कैरियर लाइन्ड कैनाल (सीएलसी) और दिल्ली सब ब्रांच (डीएसबी) से ताजा पानी दिल्ली को देना था। बदले में दिल्ली जौंटी और अचौंदी रेग्युलेटर से सिंचाई के लिए उपचारित अपशिष्ट जल हरियाणा को देता। लेकिन हरियाणा से अब तक इस प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं मिला है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हरियाणा से पानी एक्सचेंज का प्रस्ताव ऊपरी यमुना नदी बोर्ड के स्तर पर लंबित है।

अधिकारियों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश ने यमुना का अपने हिस्से का पानी दिल्ली के बेचने के लिए दिसंबर 2019 में एक समझौता किया था। इसके तहत दिल्ली को 21 करोड़ रुपये सालाना देना था। एग्रीमेंट के बाद बयान में बताया गया था कि हिमाचल नवंबर से फरवरी तक 368 क्यूसेक और मार्च से जून तक 268 क्यूसेक पानी रोजाना सप्लाई करेगा। ये पानी हरियाणा के यमुना नगर जिले में स्थित ताजेवाला बांध से दिल्ली तक पहुंचना था।

सेवानिवृत शिक्षकों को 7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतन-भत्ता देने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। हाईकोर्ट ने राजधानी के एक निजी स्कूल को आदेश दिया है कि वह सेवानिवृत हो चुके अपने शिक्षकों को 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वेतन व भत्ता दें। न्यायालय ने स्कूल प्रबंधन को एक माह के भीतर सेवानिवृत शिक्षकों को जनवरी, 2016 से सेवानिवृत होने तक 7वें वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वेतन-भत्ता का निर्धारण करके बकाया रकम का भुगतान करने का आदेश दिया। जस्टिस वी. कामेश्वर राव ने गीता बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल की 5 सेवानिवृत शिक्षकों की ओर से दाखिल याचिका का निपटारा करते हुए दिया है। न्यायालय ने स्कूल प्रबंधन के उन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अक्तूबर, 2018 से पहले सेवानिवृत शिक्षकों को इसका लाभ नहीं दिया जा सकता क्योंकि उसने अक्तूबर, 2018 से 7वें वेतन आयोग की सिफारिश को लागू किया। स्कूल प्रबंधन ने न्यायालय को बताया कि चूंकि सभी याचिकाकर्ता सुनीता देवी तोमर व अन्य को 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार वेतन व भत्ता का लाभ नहीं दिया जा सकता क्योंकि ये सभी अक्तूबर, 2018 से पहले सेवानिवृत हो गए थे। स्कूल प्रबंधन ने न्यायालय में कहा था कि खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए 7वें वेतन आयोग की सिफारिश को जनवरी 2016 के बजाए, अक्तूबर 2018 से लागू किया गया। सुनीता देवी तोमर व अन्य की ओर से अधिवक्ता अशोक अग्रवाल और कुमार उत्कर्ष ने न्यायालय में याचिका दाखिल कर कहा कि उनके मुवक्किल सेवानिवृत हो गए हैं, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने उनको 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन व भत्ता का लाभ नहीं दिया। याचिका में स्कूल प्रबंधन को 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत वेतन व भत्ता का निर्धारण करने और इसके हिसाब से बकाया रकम देने का आदेश देने की मांग की थी।

वाहन ईंधन पर उत्पाद शुल्क कटौती से केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी प्रभावित नहीं होगी - सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वाहन ईंधन पर उत्पाद शुल्क कटौती से केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी प्रभावित नहीं होगी। सीतारमण ने रविवार को कहा कि पेट्रोल में आठ रुपये और डीजल में छह रुपये की कटौती इन ईंधनों पर लगाए जाने वाले सड़क एवं अवसंरचना उपकर में की गई है जिसके संग्रह को राज्यों के साथ कभी साझा नहीं किया जाता। ऐसे में विपक्ष का यह आरोप सही नहीं है।

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम और अन्य विपक्षी नेताओं ने कहा था कि सरकार ने शनिवार शाम को उत्पाद शुल्क में कटौती की जो घोषणा की है उससे केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी कम हो जाएगी। हालांकि, बाद में रविवार को चिदंबरम ने अपना बयान वापस लेते हुए कहा है कि करों में कटौती का भार अकेले केंद्र सरकार ही वहन करेगी।

निर्मला सीतारमण ने ट्विटर पर लिखा कि वह पेट्रोल और डीजल पर लगाए जाने वाले करों के बारे में उपयोगी जानकारी साझा कर रही हैं जो सभी के लिए लाभदायक होगी। उन्होंने कहा, ह्यह्यमूल उत्पाद शुल्क, विशेष अतिरिक्त उत्पाद

शुल्क, सड़क एवं अवसंरचना उपकर और कृषि एवं अवसंरचना विकास कर को मिलाकर पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क होता है। मूल उत्पाद शुल्क राज्यों के साथ साझा किया जाता है जबकि एसएईडी, आरआईसी और एआईडीसी को साझा नहीं किया जाता।'

वित्त मंत्री ने कहा कि पेट्रोल पर आठ रुपये प्रति लीटर और डीजल पर छह रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती पूरी तरह से आरआईसी में की गई है। नवंबर, 2021 में जब पेट्रोल पर पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर घटाए गए थे तब भी कटौती आरआईसी में ही की गई थी।

केंद्र-राज्य कर साझेदारी की व्यवस्था के तहत केंद्र जो कर संग्रह करता है उनमें से 41 प्रतिशत राज्यों के पास जाता है। हालांकि, इनमें उपकर के जरिए लेवी के रूप में जुटाया गया कर शामिल नहीं होता। पेट्रोल और डीजल पर लगाया जाने वाला ज्यादातर कर ह्यउपकरह्व होता है।

शनिवार की कटौती से पहले पेट्रोल पर केंद्रीय कर 27.90 रुपये प्रति लीटर था, मूल उत्पाद शुल्क सिर्फ 1.40 रुपये प्रति लीटर था। इसी तरह डीजल पर 21.80 रुपये का कुल केंद्रीय कर था और मूल उत्पाद शुल्क सिर्फ 1.80 रुपये था। प्रति लीटर पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 11 रुपये और डीजल पर आठ रुपये था। पेट्रोल पर एआईडीसी 2.50 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर चार रुपये प्रति लीटर था।

पेट्रोल पर 13 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त उत्पाद शुल्क आरआईसी के रूप में लगाया गया था और डीजल पर आठ रुपये प्रति लीटर इस तरह का शुल्क लगाया गया था। शनिवार की उत्पाद शुल्क कटौती इसी में की गई है। पेट्रोल पर सिर्फ 1.40 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 1.80 रुपये प्रति लीटर का बीईडी संग्रह राज्यों के साथ साझा किया जाता है।

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'मूल उत्पाद शुल्क जिसे राज्यों के साथ साझा किया जाता है उसे छुआ भी नहीं गया है। अतः कर में दो बार की गई कटौती (पहली कटौती नवंबर में और दूसरी शनिवार को) का भार केंद्र उठाएगा।'

11 आरोपी लड़किओं के साथ स्पा का मालिक सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार : आर. सत्यसुंदरम,उपायुक्त पुलिस

» विजय गौड़, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। शाहदरा पुलिस जिला की विशेष शाखा द्वारा एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि हेवन स्पा एवं मसाज सेंटर की आड़ में फर्स्ट फ्लोर, क्रॉस रिवर मॉल, शाहदरा, दिल्ली में एक वेश्यावृत्ति रैकेट चल रहा है इसके संबंध में तुरंत एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके नेतृत्व का दायित्व इंस्पेक्टर विकास इंचार्ज स्पेशल स्टाफ को सौंपा गया जिसमें इंस्पेक्टर हरकेश गाबा एसएचओ / आनंद विहार, एसआई विनीत प्रताप, एचसी विजय, एचसी सिद्धार्थ, कॉन्स्टेबल विपिन एवं कॉन्स्टेबल हरकेश को शामिल किया गया और कथित स्पा पर छापेमारी की योजना बनाई। तदनुसार, एक नकली ग्राहक को स्पा में भेजा गया। स्पा में मौजूद एक व्यक्ति ने सौदेबाजी की और अंत में रु. 1000/- नकली ग्राहक से मालिश के लिए तय किये गए। उसके बाद, उसने उसे कुल 11 लड़कियों को दिखाया और 11 लड़कियों में से किसी एक को सेक्स के लिए चुनने के लिए कहा। इसके बाद फर्जी ग्राहक से रुपये वसूले गए जिसमें 1000/- सेक्स के लिए अतिरिक्त लिए गए। फर्जी ग्राहक ने मिस्ड कॉल देकर टीम को इशारा किया। टीम ने उक्त परिसर में छापेमारी की और मौके से कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इसके बाद, प्राथमिकी संख्या 265/22, दिनांक 21/5/22, धारा 3/4/8 अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम 1956 के तहत पी.एस. आनंद विहार में दर्ज की गयी आर0 सत्यसुंदरम,

आईपीएस उपायुक्त पुलिस शाहदरा जिला, दिल्ली ने बताया कि उक्त स्पा का लाइसेंस एक्सपायरी पाया गया जो सुनील कटियाल के नाम से जारी किया गया था। ईडीएमसी ने इसके लिए स्पा का भी चालान किया था। उक्त परिसर को सील करने के लिए एक आवेदन संबंधित न्यायालय, संबंधित एसडीएम और ईडीएमसी को भेजा जाएगा। मामले की जांच जारी है 2000/- रुपए नकली ग्राहक द्वारा की गयी भुगतान राशि आरोपियों से पुलिस द्वारा बरामद की गयी

संक्षिप्त समाचार

आयातित कोयले के मिश्रण से मई में बिजली उत्पादन बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोयला आधारित उन घरेलू संयंत्रों से बिजली का उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक होकर 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जिन्होंने आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल किया। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक पिछले वर्ष इसी महीने में इन कोयला-आधारित संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। ऊर्जा मंत्रालय ने हाल के दिनों में कई कदम उठाए जिनसे घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) संयंत्रों और आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रों में बिजली उत्पादन बढ़ा। गर्मियों के मौसम में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए मंत्रालय ने बिजली उत्पादन संयंत्रों से आयातित कोयले के मिश्रण का इस्तेमाल करने को कहा था। डीसीबी संयंत्रों में बिजली उत्पादन मई में दोगुने से भी अधिक 14.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जबकि पिछले वर्ष समान महीने में इन संयंत्रों का उत्पादन 6.6 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। वहीं आईसीबी संयंत्रों में यह 14.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 16 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया। आयातित कोयले से कुल बिजली उत्पादन मई 2022 में बढ़कर 30.3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया जो मई 2021 में 21.1 करोड़ यूनिट प्रतिदिन था। घरेलू कोयले से प्रतिदिन बिजली उत्पादन 246.5 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 324.4 करोड़ यूनिट प्रतिदिन हो गया।

राशनकार्ड सत्यापन दिशानिर्देश को लेकर यूपी सरकार पर मुखर हुए सांसद वरुण गांधी , सपा , कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी सरकार द्वारा राशनकार्ड सत्यापन के दिशानिर्देश को लेकर विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और सत्तारूढ़ दल भाजपा के सांसद वरूण गांधी ने मुखर हो निशाना साधा और आरोप लगाया कि चुनाव हो जाने के बाद उसने गरीबों का परित्याग कर दिया। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी सपा ने ट्वीट किया, ह्यगरीबों को राशन से वंचित करने की यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई तरकीब है। उसने गरीबों के वोट लेकर सत्ता हथियायी। अब सरकार को वादे के मुताबिक उन्हें पूरा राशन देना चाहिए।ह्व कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आरोप लगाया कि हाल के विधानसभा चुनाव के दौरान मुफ्त राशन का लगातार जिक्र करने वाली यह सरकार अब तथाकथित ह्यअपात्रह्व लोगों को इस लाभ से वंचित करने के लिए ह्यबकवासह्व दिशानिर्देश लागू कर रही है। उन्होंने जानना चाहा कि क्या राशन कार्ड के वितरण के समय मान्य मापदंड उसे बांटे जाने के बाद बदले गये और यदि राशन कार्ड गलत लाभार्थियों के हाथों में चले गये तो सरकारी अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए। भाजपा सासंद वरुण गांधी ने कहा, 'यदि आम आदमी के जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मापदंड चुनाव को देखते हुए तय किये जायेंगे तो सरकार अपनी विश्वसनीयता गंवा बैठेगी।' उन्होंने ट्वीट किया, 'चुनाव से पहले पात्र एवं बाद में अपात्र।' वह उत्तर प्रदेश के उस कथित दिशानिर्देश पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें अपात्र कार्डधारकों को अपना कार्ड लौटाने अन्यथा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 2013 के तहत कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गयी है।

एक महान व्यक्तित्व है संजीव सहगल जिन्हें गरीब बच्चों, पेड़ पौधों, बेजुबान जानवरों तक की चिंता है

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। कहा जाता है कि हम अपना सुधार करेंगे तो समाज का सुधार होता ही जाएगा, जब समाज का सुधार होगा तो एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण स्वतः होगा। इसलिए सभी देशवासियों का यह परम कर्तव्य है कि हम अपने में कुछ सुधार लाएं समाज के लिए, राष्ट्र के लिए जितना बेहतर संभव हो सके करें। इस तरह की सोच रखने वाले बहुत कम लोग होते हैं। लेकिन एडीशनल एडवोकेट जनरल, स्टैंडिंग काउंसिल गवर्नमेंट ऑफ इंडिया सुप्रीम कोर्ट श्री संजीव सहगल वैसे ही लोगों में से हैं जो हमेशा दूसरों के कल्याण के लिए कुछ ना कुछ सोचते और करते रहते हैं। इसी तरह के स्वनाम धन्य व्यक्ति कमल कांत जी वरुण गांधी के निजी सचिव है जो हमेशा व्यक्ति एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए सोचते और करते रहते हैं। जब इन लोगों से शिरोमणी अकाली दल दिल्ली के पीआरओ

भूपेंद्र सिंह की मुलाकात हुई तो इनके विचार एवं कार्यों को सुनकर वह इतने प्रभावित हुए की उन्होंने कहा कि अगर ऐसी ही सोच हर भारतवासी की हो जाए तो फिर हमारा देश स्वर्ग एवं सोने की चिड़िया बन जाएगा। संजीव सहगल गरीब बच्चों को कैसे शिक्षित किया जाए, गरीब लोगों को रोजी रोजगार कैसे मिले, बेजुबान जानवरों की रक्षा कैसे हो, तथा उन्हें विलुप्त होने से कैसे बचाया जाए, पेड़ पौधे एवं हरियाली के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे कैसे लगाए जाए और पेड़ों की कटाई पर कैसे रोक लगाई जाए। तमाम तरह की जरूरी चिंतन मंथन एवं कार्यों में यह हमेशा लगे रहते हैं जो इनकी खासियत है और इसे एक दुर्लभ स्वभाव एवं कार्य कहा जा सकता है। मुलाकात के दौरान हरजिंदर पांडे भी वहां मौजूद थे जो बच्चों को आईएएस की शिक्षा देते हैं। आज हमारा पर्यावरण बिल्कुल बदल चुका है। इसका मूल कारण यह है कि मानव ने प्रकृति को डिस्टर्ब कर दिया है हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने पड़ेंगे तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए विचार करना पड़ेगा। श्री सहगल गरीब बच्चों, यतीम लोगों, पेड़ पौधों, बेजुबान जानवरों, पर्यावरण, पृथ्वी की रक्षा आदि विषयों पर हमेशा चिंतन मंथन ही नहीं सकारात्मक कार्य करते रहते हैं। जो एक गंभीर एवं बेहतर प्रयास कहा जा सकता है। ऐसे लोगों के बदौलत ही देश में काफी कुछ हो रहा है अगर उनसे अन्य देशवासी प्रेरणा लेकर खुद यथासंभव इस दिशा में थोड़ा बहुत अपना प्रयास जारी रखें तो निश्चित रूप से देश एवं मानव का कल्याण होगा।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना बीजेपी का व मेरा लक्ष्य। डॉक्टर रशमी अग्रवाल

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। रशमी अग्रवाल गुरुग्राम का जाना पहचाना चेहरा है।। जो समाज सेवा व राजनिति में रुचि रखती है। राष्ट्र हित व समाज हित उनके लिये सर्वप्रिय है। उनका मुख्य उदेशय समाज व राष्ट्र का विकास है। अग्रवाल का कहना है की हमारे देश में हर इंसान के पास रोटी,कपड़ा,मकान होना चहिए। मेरे भारत के हर शहर व गांव में बिजली , पानी रोड़ जैसी मूलभूत सुविधा होनी चाहिए।

अग्रवाल ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया जिन्होंने ही फील्ड में महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने का काम किया है। आज लड़किया सोना जीत कर ला रही है। सेना में लड़कियों को भागीदार बना दिया। शिक्षा समाज के विकास की पहली सीढ़ी है। इसलिये अग्रवाल ने बताया की ही महिला को आज के युग में आत्म निर्भर बनने के लिये शिक्षित होना जरूरी है।

पेट्रोल व डीजल की कीमतें लगभग 9 रुपए एवम 07रुपए कम होने पर भी उन्होंने बीजेपी सरकार की सराहना की ओर कहा की रसोई गैस में भी 200 रुपए प्रति सिलिंडर कम होने से

महिलाओं में खुशी की लहर है। उन्होंने गुरुग्राम की सभी एनजीओ का धन्यवाद किया जिन्होंने कोरोना के समय में लोगो को राशन , खाना व दवाई उपलब्ध कराई है। उनका भी धन्यवाद किया जिन्होंने ब्लड देकर लोगो की जान बचाई है। ।उनका राजनीति में आने का मकसद जनता की सेवा करना है। जनता की सेवा समाज के बीच में ही रहकर की जाती है। उनको बीजेपी की समाज हित की नीतियां पसंद थी इसलिए उसने बीजेपी पार्टी को चुना है।का दावा है प्रधानमंत्री ने काफी योजना जो गरीबों के हित में बनाई है उनसे भी वह बहुत प्रभावित हुई है। भारतवर्ष की प्रत्येक महिला के लिये उनका संदेश है की शिक्षित बने चुनौतियों का सामना करे।

केंद्र सरकार चाहती थी कि दिल्ली के स्टेडियमों को अस्थायी जेलों में बदल दिया जाए - केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने किसान आंदोलन को याद करते हुए कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार चाहती थी कि दिल्ली के स्टेडियमों को अस्थायी जेलों में बदल दिया जाए ताकि नए कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली में मार्च करने वाले किसानों को ह्यघरह्व दिया जा सके। सीएम केजरीवाल ने कहा, ह्व मैं भी एक आंदोलन, अन्ना आंदोलन से उभर कर आया हूं। उस समय हमारे साथ भी ऐसा ही किया गया था। वे हमें स्टेडियम में रखते थे। मैं भी कई दिनों तक स्टेडियम में रहा। मैं समझ गया कि किसान आंदोलन को समाप्त करने के लिए यह एक चाल है।'

उन्होंने कहा, 'अगर दिल्ली में घुसने वाले किसानों को स्टेडियमों में डिटेन कर लिया गया होता, तो किसान आंदोलन एक स्टेडियम तक सीमित हो जाता। लेकिन हमने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हमने कहा कि हम स्टेडियमों को जेल में नहीं बदलेंगे। वे (केंद्र) इतने गुस्से में थे, लेकिन हम

किसानों के साथ खड़े थे।'

केजरीवाल ने कहा, 'दिल्ली सरकार ने आंदोलनरत किसानों की मदद की। उनको पीने का साफ पानी दिया, शौचालय की सुविधा दी, लंगर में खाना खिलाया। हमें खुशी है कि हमने किसान भाइयों की मदद की। हमने वो सब किया जो हम कर सकते थे।' बता दें कि जिस कार्यक्रम में सीएम अरविंद केजरीवाल ने ये बातें कहीं उसमें किसानों के दिग्गज नेता राकेश टिकैत भी मौजूद थे। राकेश विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल बड़े पैमाने पर हुए आंदोलन के नेताओं में से एक थे, जिन्हें आखिरकार निरस्त कर दिया गया।

गुरुग्राम में हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया अकादमी हरियाणा के युवाओं का भविष्य निखारेगी:आईएएस, रमेश चंद्र बिढ़ान

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा कौशल विकास निगम मिशन के डायरेक्टर रमेश चंद्र बिढ़ान आज गुरुग्राम के सेक्टर 10 की हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया अकादमी में पहुंचे। बिढान का कहना है की जिन बच्चों में हुनर है वह हरियाणा कौशल विकास मिशन के सहयोग से अच्छे रोजगार प्राप्त कर सकते है।उन्होंने कहा की माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में आज कौशल विकास सरकार की प्रमुख वरीयता है।मुझे पूरा विश्वास है की हुकम का इक्का अकादमी ओर हरियाणा कौशल विकास निगम संयुक्त प्रयासों से बच्चो की प्रतिभा को मीडिया लाइन में निखार कर उनको रोजगार भी दिलाएगी। हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया हरियाणा कोशल मिशन द्वारा मीडिया के कोर्स कराएगी जिससे हरियाणा भाषा में फिल्मी इंडस्ट्री में बच्चे अपना कैरियर निखार सकेगे। उन्होंने बताया की अकादमी भिन्न भिन्न प्रकार के कोर्स कराएगी उसकी योग्यता के अनुसार उसकी प्रतिभा को निखरेगी कौशल व रोजगार निगम के डायरेक्टर ने आगे बताया की हुकुम का

इक्का फिल्म एंड मीडिया हरियाणा का युवाओं का भविष्य उज्वल बनाने में बड़ा योगदान देगी।। आइएएस आरसी बिढ़ान ने हुकुम का इक्का फिल्म एंड मीडिया दौरा किया व अकादमी की सराहना की। उन्होंने छात्रो को एकाग्रित होकर ट्रेनिंग करने की प्रेरणा भी दी।

हुकम का इक्का ऐप के निदेशक रमेश चहल, बिंदर दनौदा का कहना गुरुग्राम में लगभग 900 छात्र अभी ट्रेनिंग ले रहे है भिन्न भिन्न प्रकार की ट्रेनिंग अकादमी द्वारा विद्याथीयो को मुह्या कराती है। अकादमी एडिटिंग,राइटिंग,एक्टिंग आदि ट्रेनिंग देती है बच्चो के अंदर जो प्रतिभा छुपी है उसको निखरती है उसको समाज हित व राष्ट्र हित के लिए निखारगी साथ में रोजगार भी मिलेगा।

प्रशिक्षण केंद्र की संचालिका नेहा शर्मा ओर ओर का कहना है की हमारा प्रयास रहेगा की हम सेक्टर 10 की अकादमी में बच्चो को अच्छी से अच्छी ट्रेनिंग दे। जो भी अकादमी से ट्रेनिंग लेकर जायेगा उसको रोजगार दिलाने की भी हमारी पूरी कोशिश होगी। उन्होंने बाहर से जितने भी मेहमान आए थे सभी का धन्यवाद किया। हुकम का इक्का फिल्म अकादमी दाखिला लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए सभी पाठ्यक्रम निशुल्क कराती है।

चीफ स्किल ऑफिसर डॉक्टर दीपक शर्मा ने अकादमी का निरक्षण किया वह अकादमी के छात्रों को सार्थक सोच व मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया की युवा भारत का भविष्य है युवाओं को हमेशा समाज व राष्ट्र हित में योगदान करना चाहिए।

प्रोजेक्ट मैनेजर सजना ने बताया की प्रतिभा को निखारना अकादमी का कार्य है हरियाणा कोशाल रोजगार मिशन युवाओं के भविष्य को संवारने में लगा है।

यात्रियों को किफायती, बेहतर सुविधा प्रदान करने आ रही हैं HLW राइड एंड ट्रांसपोर्ट सर्विस

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। आज के कंपटीशन एवं विकास की तेज रफ्तार दौर में लोगों को बेहतर ट्रांसपोर्टइन एवं राइडिंग फैसिलिटी देने आ रही है एच एल डब्ल्यू ट्रांसपोर्ट सर्विस। एचएल डब्ल्यू ट्रांसपोर्ट सर्विस का कारपोरेट ऑफिस वर्तमान में भुवनेश्वर में है, तथा वहां इसकी सेवा से लोग लाभान्वित हो रहे हैं तथा काफी खुश हैं। एच एल डब्ल्यू के चेयरमैन तृप्ति रंजन दास का सपना है कि लोगों को यात्रा के लिए बेहतर सुविधा कम कीमतों में प्रदान की जाए। यही नहीं उनकी समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी उनके इस कारोबार में झलकती है। जिसमें वह प्रत्येक यात्रा पर रू1 प्रधानमंत्री रिलीफ फंड में तथा रू1 मुख्यमंत्री रिलीफ फंड में देने का निर्णय लिया है। उनकी इच्छा है इस पैसे को अनाथ बच्चों के पढ़ाई लिखाई पर खर्च किया जाए। जिसका इस दुनिया में कोई नहीं है। यह मानवता का एक बेहतर उदाहरण है। संस्था की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं शर्मिला राणा तथा एचआर लीगल एवं फ्रेंचाइज सर्विस को देख रही हैं एडवोकेट सोनिया शर्मा। एडवोकेट सोनिया

शर्मा राजधानी दिल्ली में एच एल डब्ल्यू कैब ऑटो एंड लॉजिस्टिक सर्विस को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने में अपनी महत्व भूमिका प्रदान कर रही हैं। एचएल डब्लू के चेयरमैन तृप्ति रंजन दास ने कहा की इस ट्रांसपोर्टिंग व्यवस्था की खासियत यह है कि इसमें चौबीसों घंटे किराए का एक ही स्लैब रखा गया है। अभी इस तरह की सेवा दे रही अन्य कंपनियां दिन रात का अलग-अलग फेयर रखे हुआ है। इसके अलावा इसमें यात्रियों को इंसुरेंस सुविधा भी मिलेगी। सारे सिस्टम को ऑनलाइन रखा गया है। फिर भी अगर किसी बुजुर्ग या कम पढ़े लिखे व्यक्ति को कैब बुक करने में असुविधा ना हो उनके लिए टोल फ्री नंबर की भी व्यवस्था की गई है, ताकि वह आसानी से कैब बुक करा सकें। इसके अलावा ड्राइवर भी इस तरह की बुकिंग कर सकता है। ड्राइवर को किसी भी तरह का कोई डॉक्यूमेंट देने की जरूरत नहीं है। वह उसे ऐप पर अपलोड कर देगा और सारी चीजें ऑनलाइन माध्यम से सर्विस सिस्टम में आ जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी तक जो कंपनियां इस तरह की सेवा दे रही है उसमें सिर्फ राइडिंग की व्यवस्था है, लेकिन इसमें लॉजिस्टिक की भी व्यवस्था की गई है जो इसकी खास बात है। छोटे उपकरणों एवं घरेलू सामानों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में लोगों को सुविधा हो इसलिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को भी इसमें जोड़ा गया है। उन्होंने कहां की 10 जून के पहले इस सर्विस को विधिवत रूप से लांच कर दिया जाएगा और अगले 6 महीने में उत्तर भारत के अन्य राज्यों में इसकी कनेक्टिविटी बढ़ा दी जाएगी। अभी दिल्ली एनसीआर में इस सेवा की शुरूआत की जा रही है। जिसका कारपोरेट ऑफिस गुड़गांव में रखा जाएगा उन्होंने बताया कि दिल्ली में 10-15 अटैचमेंट सेंटर भी होंगे जो ड्राइवरों के कनेक्टिविटी के लिए खोला जा रहा है। इसके अलावा एनसीआर के बाहर भी अटैचमेंट सेंटर होंगे जहां से देश के अन्य भागों के लिए वाहन उपलब्ध हो सकेगे। जहां इस तरह की सुविधा संभव नहीं होगी वहां फ्रेंचाइज फैसिलिटी दिया जाएगा।

युवतियों झूठे प्रेम जाल से बचे: डॉ. विजय जौली अध्यक्ष दिल्ली स्टडी ग्रुप

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली स्ट्डी ग्रुप के अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. विजय जौली एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू के नेतृत्व में 1 महादेव रोड स्थित फिल्म डिविजन ऑडिटोरिएम, नई दिल्ली में लव जिहाद व धर्मान्तरण पर बनी फिल्म ह्यद कन्वर्जनह्व को दिखाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस

कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवतियों को झूठे प्रेम जाल का शिकार ना होने के लिए जागरूक करना था द कन्वर्जन फिल्म को देखने वाले मुख्य दर्शकों में भारत के पूर्व थलसेना अध्यक्ष सरदार जे.जे सिंह (सेवानिवृत्त), सुदर्शन टीवी चैनल प्रमुख सुरेश चव्हाणके, विश्व हिन्दू परिषद् दिल्ली अध्यक्ष कपिल खन्ना, नेता विपक्ष दिल्ली विधानसभा रामवीर सिंह बिधुड़ी, दिल्ली सांसद रमेश बिधुड़ी व प्रवेश वर्मा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, महापौर पूर्वी दिल्ली श्याम सुंदर अग्रवाल, महापौर दक्षिण दिल्ली मुकेश सूर्यान, पश्चिम बंगाल मालदा विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी (निर्भया दीदी), महावाणिज्य दूत निकारागुआ विवेक बर्मन, वियतनाम पॉलिटिकल काउंसेलर नगुयेन थी नगोर डंग, चेक गणराज्य दूतावास उप-राजदूत रोमन मसारिक, पूर्व दक्षिण दिल्ली महापौर नरेन्द्र चावला, प्रवासी भारतीय ब्रिटेन अशोक वर्मा, संपूर्णा अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंदर गुप्ता, दिल्ली स्ट्डी ग्रुप पदाधिकारी भूपेंद्र कंसल, गोपाल गर्ग, योगेश टण्डन, शुभम गुप्ता, नसीम खॉन, विश्व सनातन हिंदू संघ रौचिका अग्रवाल व बॉबी पारिक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे इस अवसर पर डॉ. जौली ने विशेष संवाददाता विजय गौड़ को बताया कि यह फिल्म प्रेम विवाह, लव जिहाद व धर्मान्तरण पर आधारित, हिन्दू लड़की साक्षी के जीवन की मार्मिक कहानी है। जो लव जिहाद की साजिश का शिकार बनती है। सबको प्रेम विवाह करने का अधिकार है। लेकिन झूठे प्रेम जाल के चलते जबरन धर्मान्तरण का अधिकार स्वतंत्र भारत में किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत की बेटियों में यह फिल्म सामाजिक जागरूकता बड़े परदे पर लाने का मुख्य प्रयास है। आधुनिक भारत में प्रेम विवाह व उसके पश्चात धर्मान्तरण की संवेदनशीलता व दुःखद स्थिति का सटीक चित्रण इस फिल्म में किया गया है। उल्लेखनीय है कि विनोद तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म में विंध्या तिवारी, प्रतीक शुक्ला, रवि भाटिया, सपना चौधरी, विभा छिब्बर, सुनीता राजभर आदि मुख्य कलाकार हैं। फिल्म के निमार्ता राज पटेल, राज नरोत्तम व विपुल पटेल हैं।

संक्षिप्त समाचार

सपा की विधानसभा मैनपुरी की मासिक बैठक संपन्न

मदरलैंड संवादाता, मैनपुरी। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर विधानसभा मैनपुरी की मासिक वैठक विधानसभा अध्यक्ष सुरेश चन्द्र की अध्यक्षता मे आहूत की गई। राजकुमार यादव उर्फ राजू यादव पूर्व विधायक ने अपने उद्वोदन मे कहा कि सभी लोग संगठित हो कर आगामी नगर पालिका/ नगर पंचायत /लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुट जाये। उन्होने कहा कि हमारा वोट पहले से बढा है। नगर पालिका चुनाव हेतु जिम्मेदार लोगो से अपेक्षा कि वे वार्ड वार प्रत्याशियो के चयन हेतु तैयारी करे। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि अनुशासन मे रह कर बड़ी से बडी मजिल प्राप्त कर सकते है आगामी चुनाव की चैयारी मे बूथ स्तर पर जुट जाये। विधासभा अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव ने वहां उपस्थित अतिथियो का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधान सभा प्रभारी योगेन्द्र पाल, ज्याति मैसी महिला सभा जिलाध्यक्ष, रामनरायन बाथम जिला महासचिव सुखवीर सिंह यादव पूर्व जिला महासचिव राजू चैदरी, देवेन्द्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष कुरावली नीरज बघेल, ब्लाक अध्यक्ष मैनपुरी राजेश राजपूत, अमीर सिंह, सन्जू प्रधान, शिवम, सुमन यादव, उपदेश यादव, सवेर्श यादव, राकेश यादव, राजीव यादव, जगवीर सिंह, निखिल कठेरिया, शैलेश यादव, श्रीपाल, सोनू यादव, अन्सार खॉ, रेखा यादव, नदीम इलाही, मुन्ना यादव, नीटू राजपूत, भानू प्रताप कठेरिया, सोनू भदोरिया, मनीष यादव, भूपेन्द्र सिंह, शेषकान्त, सत्येन्द्र कठेरिया, अशोक शर्मा, रामगोपाल कश्यप, रतनेश शाक्य, योगेन्द्र यादव, अजीत सक्सेना, किरण कठेरिया आदि पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थिति रहे।

नेशनल डिफेन्स एकेडमी में सी. एम.एस. के 10 छात्र चयनित

लखनऊ, एजेंसी ।सिटी मोन्टेसरी स्कूल (सी.एम.एस.) के 10 मेधावी छात्रों ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) की परीक्षा में चयनित होकर लखनऊ का नाम राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है। सी.एम.एस. के इन चयनित छात्रों में सुमित मिश्रा, सुजल मिश्रा, स्वप्निल विश्वदीप सिंह, पार्थ तिवारी, प्रखर आदित्य मिश्रा, प्रियांशु कुमार, आशीष कुमार यादव, कार्तिकेय सिंह, मृणाल सहाय एवं कार्तिकेय कटियार शामिल है। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इन होनहार छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सी.एम.एस. छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। चयन के उपरान्त अब ये छात्र साक्षात्कार एवं चिकित्सा परीक्षण के बाद भारतीय सेना में अधिकारी बनकर देश सेवा के अपने जज्बे को पूरा करेंगे ।सी.एम.एस. के छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं। सी. एम.एस. अपने छात्रों को उत्कृष्टता की ओर सतत्प्रयासरत रहने को प्रेरित करता है एवं इसी अनुरूप उन्हें भविष्य की चुनौतियों हेतु तैयार करता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र आज विश्व स्तर पर अपनी उपलब्धियों का परचम लहरा रहे हैं।

सपा विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए आजम और शिवपाल

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का पहला सत्र शुरू होने से एक दिन पहले प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने रविवार को यहां विधायक दल की बैठक बुलायी। लेकिन इस बैठक में पार्टी के विधायक आजम खान और शिवपाल सिंह यादव शामिल नहीं हुए। आजम खां के गैरहाजिर होने पर पार्टी ने दलील दी है कि हाल ही में सीतापुर जेल से जमानत पर रिहा हुए खान रामपुर में हैं और स्वास्थ्य कारणों से वह बैठक में शामिल नहीं हो सके।
रामपुर से सपा विधायक खान के अलावा उनके बेटे एवं विधायक अब्दुल्ला आजम और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव भी विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए। अब्दुल्ला आजम रामपुर जिले की स्वार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते हैं। सपा के वरिष्ठ नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम कल (सोमवार) सत्र में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि वह (आजम खान) स्वास्थ्य कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि सोमवार को आजम खान पहले विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे और फिर सत्र में भाग लेंगे। शिवपाल यादव की गैरमौजूदगी के बारे में मेहरोत्रा ने कहा कि हालांकि उन्होंने सपा के चुनाव चिह्न (साइकिल) पर विधानसभा चुनाव जीता है लेकिन वह एक पार्टी के मुखिया भी हैं और पहले भी वह बैठक में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने विधायकों को विधानसभा के सत्र में जनहित के मामलों को प्रमुखता से उठाने को कहा है।

ज्ञानवापी में कोई शिवलिंग नहीं, मुसलमानों को डराया जा रहा-सपा सांसद

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर रहमान बर्क ने कहा है कि वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में कोई शिवलिंग नहीं है। इस तरह के मुद्दे 2024 के लोकसभा चुनाव में ध्रुवीकरण करने के लिए उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप इतिहास का अवलोकन करेंगे तो पाएंगे कि वहां कोई शिवलिंग नहीं था। ये सब लोगों को भावनात्मक रूप से बरगलाने के लिए किया जा रहा है जिससे कि 2024 के लोकसभा चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ लिया जा सके। रविवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने लखनऊ आये सांसद बर्क ने अयोध्या में मंदिर निर्माण पर बर्क ने कहा कि ये सब ताकत के बलबूते किया जा रहा है। मैं अब भी यही कहूंगा कि वहां पर मस्जिद ही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में मुसलमानों और मस्जिदों को निशाना बनाया जा रहा है। प्रदेश में कानून का राज नहीं बुलडोजर राज है जबकि देश को कानून और संविधान से चलाया जाना चाहिए।

सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष से सदन चलाने को मांगा सहयोग

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के कल सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक की। विधान भवन में सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के विधायक दल के नेता शामिल थे। सर्वदलीय बैठक में उन्होंने सभी पार्टी ने नेताओं से सदन को शांतिपूर्ण ढंग से चलवाने में मदद की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा की सर्वदलीय बैठक को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र को लेकर होने वाली इस बैठक में सभी दल के नेता मौजूद थे। सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के साथ ही नेता प्रतिपक्ष समाजवादी पार्टी विधायक दल अखिलेश यादव की जगह पर कौशांबी के मंझनपुर से विधायक इंद्रजीत सरोज मौजूद थे।

पत्रकारिता के जनक राजा राममोहन राय की बड़ी धूमधाम से मनाई गई जयंती

» अजय सक्सेना, मदरलैंड संवादाता

- उनके चित्र पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमनअर्पित करते हुए पत्रकारों ने एक साथ मिलकर काटा केक

मैनपुरी। वैसे तो अक्सर देखने को मिला है कि हम पत्रकार बंधु देश के महापुरुषों की जयंती को नेताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बनाए जाने की कवरेज को कर लोगों के बीच पर परोसने का काम करते हैं लेकिन पत्रकारिता के जनक राजा राम मोहन राय का कभी भी जनपद मैनपुरी में जयंती के रूप में मना कर कोई भी कार्यक्रम प्रस्तुत नहीं किया लेकिन इस बार मैनपुरी की सर जमीन पर मैनपुरी कलेक्ट्रेट स्थित सभागार मैं राजा राममोहन राय की जयंती का कार्यक्रम संयोजक केके मिश्रा अनिल शाक्य अर्पित चतुवेर्दी के सौजन्य से आयोजित किया गया जिसमें जनपद के समय पत्रकार बंधुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे दयाशंकर तिवारी के नेतृत्व में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मंडल उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम दुबे ने राजा राममोहन राय के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए तो वहीं मौजूद दयाशंकर तिवारी ने दीप प्रज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसके उपरांत मौजूद समस्त पत्रकार बंधुओं ने पत्रकारिता के जनक राजा राममोहन राय की चित्र पर पुष्प अर्पित किए वही इस मौके पर राजा राममोहन राय के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा राजा राम मोहन राय हमारे पत्रकारिता के जनक बंगाल के हुगली जिले के गांव राधा नगर की रहने वाली तायरैनी देवी के गर्व से 22 मई 1772 में जन्म लिया था जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के दौरान अपनी कलम से लोगों के बीच पंडित कुर्तियों का विरोध करते हुए समाज को सुधारने का काम किया था वही बे अंधविश्वास के सदैव विरोधी रहे उन्होंने अपने संघर्ष ही जीवन में बाल प्रथा सती प्रथा अंधविश्वास बहू की विदा पर रोक लगाई थी जिससे 1829 में इस प्रथा पर पूर्णतया लॉक लग गई उन्होंने यह भी बताया कि 18 से 24 में संस्कृत के अनुवादक रूप में उन्हें सम्मानित किया गया था उन्होंने मौजूद पत्रकारों के बीच यह ऐलान करते हुए कहा कि आज राजा राममोहन हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके परिजनों पर चलकर हम वैसे ही किसी को राजा राममोहन राय बनना पड़ेगा। इस मौके पर जनपद भर के पत्रकार अपने अपने विचार प्रकट करते हुए उनके आदर्शों पर चलने की प्रतिज्ञा भी की।

स्वाधीनता की 75वी वर्ष गांठ के उपलक्ष्य पर भारत में आजादी महोत्सव के रूप में मनाया गया

» मदरलैंड संवादाता

आसनसोल 22 मई। स्वाधीनता की 75वी वर्ष गांठ के उपलक्ष्य पर भारत में आजादी महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस दौरान रविवार को बराकर लखियाबाद फुटबॉल मैदान नव निर्मित हनुमान मंदिर से एक तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। ये बाइक रैली में बराकर से प्रारम्भ होकर दुगार्पुर जाकर सम्पन्न होगी। कार्यक्रम की शुरूआत अध्यक्ष श्री राम सिंह के नेतृत्व में किया गया ।इस दौरान राष्ट्रीय गीत के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। कार्यक्रम मे कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा बिधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार , जिला संघ चालक अमित सरकार , सुदीपा गांगुली ,सुब्रतो गांगुली वरिष्ठ संघ चालक विजय कृष्ण खेमनी ,नरेश दा , ईश्वसर भाई पटेल मुख्य रूप से उपस्थित थे ।मोटरसाइकिल रैली में तिरंगा लिए युवाओं के मुह से सिर्फ एक ही नारा सुनने को मिल रहा था। खुदी राम बोस लोह प्रणाम, भगत सिंग, राजगुरु, सुखदेव बिनय , बादल, दिनेश ,चन्द्शेखर आजाद, नेताजी सुभाष बोस लोह प्रणाम की गूंज सुनाई दे रही थी। वीर सैनानी अमर रहे के नारों से पूरा कुल्टी क्षेत्र गुंजायमान हो गया था । तिरंगा बाइक रैली में कुल्टी के स्थानीय पार्षद जोगा मंडल, ललन मेहरा, भाजपा जिला उपाधयक्ष सुब्रतो मिश्रा , प्रेमदेब दास , मनमोहन राय, बिष्णु प्रसाद, राकेश गुप्ता , जय प्रकाश रवानी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय युवा शामिल थे।

राष्ट्रवाद एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है एबीवीपी

बाराबंकी, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्याथब परिषद की दो दिवसीय प्रान्त समीक्षा योजना बैठक रविवार को सम्पन्न हो गयी। कुल 9 सत्रों में संगठन के सैकड़ो पूर्णकालिक एवं दायित्वधारियों ने एबीवीपी को और सशक्त बनाने एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर युवाओं की आवाज बनने का संकल्प लिया। दो सांगठनिक प्रस्ताव पारित करके स्थापना के 75 वें वर्ष को ऐतिहासिक बनाने एवं रिकॉर्ड सदस्यता करने का लक्ष्य निर्धारित किया। समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने कहा कि 1949 में स्थापित हुई एबीवीपी आज विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो राष्ट्रवाद, युवाओं की आवाज एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने नई शिक्षा नीति की बारीकियां समझाते हुए कार्यकताओ से जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने गत वर्ष की गतिविधियों की बिंदुवार समीक्षा की। संगठन की नई योजनाओं एवं आयामों की सफलता के टिप्स दिए। अन्य सत्रों में कार्यपद्धति एवं इकाई पर विस्तार से चर्चा हुई। समीक्षा योजना बैठक के पश्चात अवध प्रान्त की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न हुई। कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन प्रान्त संगठन मंत्री अंशुल श्रीवास्तव ने किया। बैठक में 160 पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। युवाओं में बढ़ती नशा की प्रवृत्ति को लेकर कार्यकारिणी में चिंता व्यक्त की गई। बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए। पहला प्रस्ताव राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन को प्रान्त मंत्री आकाश पटेल ने व द्वितीय प्रस्ताव युवा केंद्रित नशा उन्मूलन की ओर बढ़े प्रदेश सरकार को प्रान्त सह मंत्री गुंजन सिंह चौहान ने सदन के समक्ष रखा। प्रान्त अध्यक्ष के आग्रह पर सदन ने दोनो प्रस्तावों को ओंकार ध्वनि से पारित किया।

फर्जी पत्रकारों के खिलाफ करवाई कि मांग

» मदरलैंड संवादाता

आसनसोल । कुल्टी बराकर क्षेत्र के पत्रकारों के एक समूह ने रविवार को बराकर स्टेशन से लेकर बराकर फांड़ी तक विरोध रैली निकाला। रैली का मकसद फर्जी प्रेस लिखे वाहनों की पुलिसिया जांच की मांग उठाना था। स्टेशन परिसर से शुरू हुए रैली में दर्जनभर खबरनवीसों ने विभिन्न संदेश लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी की और पुलिस से फर्जी प्रेस वाहनों की धर पकड़ हेतु विशेष नाका जांच अभियान की मांग की। साथ ही बराकर फांड़ी पहुंचकर एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त के नाम का पत्र प्रभारी राजशेखर मुखर्जी को सौंपकर आगामी दिनों में इस दिशा में काम करने की अपील की। पत्रकारों का नेतृत्व कर रहे सज्जन पारीक एवं मनोज नियोगी ने बताया कि फांडी प्रभारी को कुछ कतिपय वाहनों के बारे में अवगत करवाया गया और श्री मुखर्जी ने अपने स्तर से कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया। आईसीएफजे यूएसए के पूर्व फेलो एवं युवा पत्रकार बिकास कुमार शर्मा ने बताया कि पिछले चार से पांच वर्षों में इलाके के गल्ला व्यापारी, कपड़ा, बालू, कोयला विक्रेता अपने वाहनों में प्रेस लिखकर इसलिए घूमते हैं कि रास्ते में पुलिस चेकिंग से बचा जा सके। श्री शर्मा ने कहा कि अपने गोरखधंधा को साधने के उद्देश्य से प्रेस का गलत इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो सड़क का आंदोलन संसद भवन तक ले जाया जाएगा। इसको लेकर देश के कई प्रेस क्लबों से भी उनकी बातचीत चल रही है। इसके साथ ही डीसी ट्रैफिक के नाम का ज्ञापन ओसी ट्रैफिक कुल्टी सीएस गुहाराय को सौंपा गया। पत्रकार राजेश नागबंशी (डब्ल्यू जे आई पश्चिम बंगाल ईकाई) ने कहा कि

पत्रकारो कि छवी धूमिल करने कि कोशिश कि जा रही हैं जिसे बर्दाश्त नही किया जाना चाहिए। स्थानीय लोगो द्वारा खबर मिलने पर कि *बराकर के ही एक व्यापारी द्वारा मिडिया कर्मियो और प्रशासन को जेब मे रखने जैसे डायलॉग के साथ ही अन्य व्यापारीयो पर धौस जमाते हैं।*

दिनेश पांडे, रामबाबू साव, लाली गुप्ता, बंटी खान, जितेंद्र सिंह, सब्बीर अली, राजेश नागवंशी, आकाश सिंह विक्की और प्रकाश दास उपस्थित थे।

पैट्रोल-डीजल व घरेलू सिलेण्डर के दाम कम करने पर लोगों ने अपनी राय रखी

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोल-डीजल व घरेलू सिलेण्डर के दाम कम करने की सतापक्ष ने जहां सराहना की है, वहीं विरोधियों ने कीमते बढाने के बाद नाममात्र कमी की बात कही हैं।

हांलाकि, सरकार ने सीमेंट, लोहा व अन्य वस्तुओं के भी दाम में कमी लाने का राग अलावा हैं। देखना अब यह होगा कि सरकार इस पर कितना फोकस करेगी।

अखिल भारतीय किसान संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कामरेड काले खांन का कहना है कि पैट्रोल-डीजल, रसोई गैस, लोहा, स्टील, सीमेंट आदि समेत अन्य वस्तुओं पर बढती महंगाई और अंकुश लगाने के लिए लोगों की पहल का सरकारी तौर से सकारात्मक निर्णय लेने से आमजन पर इसकी मार पड रही थी। महंगाई से लोगों को रोटी, रोटी के लालें पड़े हुए थे खासकर गरीब, मध्यम वर्ग के मूंह का निवाला छिनता जा रहा था। उन्होंने केन्द्र सरकार की बढ़ी.कीमतों में नाममात्र कटोटी बताते हुए उंट के मूंह में जीरा की बात कही।

सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी व दलित नेता पृथ्वी प्रधान ने कहा कि पैट्रोल - डीजल व रसोई गैस के दाम कम होने से काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि दाम घटने से बढ रही मंहगाई पर कुछ अंकुश लगेगा। भाजयुमो जिला अध्यक्ष केशव पंडित ने कहा कि सरकार द्वारा पैट्रोल- डीजल व रसोई गैस के दाम कम करना अच्छा फैसला हैं, इससे सभी वर्ग को फायदा पहुंचा हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार के इस फैसले से सभी वर्ग खुश हैं। व्यापारी सुमित अदलखा ने कहा कि सरकार द्वारा पैट्रोल-डीजल व रसोई गैस के दाम कम करने से सभी वर्ग पर इसका असर पडेगा खासकर रसोई के बजट में सुधार होगा।

नूंह की एसडीएम तब्दील

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। नूंह की उप मण्डलाधीश सालोनी शर्मा का तबादला नारायणगढ हो गया है। उनकी जगह वर्ष 2016 के एचसीएस अधिकारी अश्वनी कुमार को उनकी जगह लगाया गया है। सालोनी शर्मा ने अभी तक अपना पद भार नहीं छोड़ा है और माना जा रहा है कि सोमवार को चार्ज अदल-बदल हो सकता है।

यहां, यह बताना जरूरी है कि नूंह के उप मण्डलाधीश पर नगर परिषद नूंह व पंचायत समिति का भी अलग से अतिरिक्त तौ से पद भार हैं।

तावडू-सोहना-भिवाडी मुख्य मार्ग गडडों में तब्दील

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग 919 यानी तावडू-सोहना-भिवाडी मुख्य मार्ग गडडों में तब्दील हो गया है। इससे जाम समस्या को बढ़ावा मिल रहा है और आमजन पर इसकी मार पड़ रही हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि समस्या समाधान के लिए बार-बार फरियाद करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। पाली गाबा, मदन मेहन्दीरत्ता, गौरव, विनोद शर्मा, दलीप सिंह, सोनू, भगत सिंह, रामफल, सरजीत सिंह, सिरदार खान, इदरीश, अयूब व इलियास आदि ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 919 यानी तावडू-सोहना-भिवाडी मार्ग पर वाहनों की रेलम पेल होने से रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती हैं। सडक पर जगह-जगह बने गडडों से समस्या को अधिक बढ़ावा मिल रहा है। खासकर पहाड़ी के करीब 3 किलो मीटर एरिया में स्थिति अधिक गंभीर बनी रहती हैं।

इस बारे में एनएचएआई के कनिष्ठ अभियंता ने माना कि सडक के खस्ताहालत का मामला विभाग के संज्ञान में आने से उसका तैयार खाका को स्वीकृति के लिए भेजा है और साथ ही दावा कर कहा कि स्वीकृति मिलने पर काम शुरू करा दिया जायेगा।

तेज हवाओं के साथ हुई हल्की बूंदा बादी

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में बीती रात तेज हवाओं के साथ हुई हल्की बूंदा बादी से लोगों को राहत की बजाए परेशानी का सबब बनी हैं। तेज हवाओं से कई पेड़-पौधे, टीन टप्पड व कच्चे छप्पर आदि इसकी चपेट में आ गए और बिजली व्यवस्था भी लडखड़ा गई। गर्मी के पारे में भी कोई खासा बदलाव नहीं हुआ हैं। बारिश के बाद जिला का ओसतन अधितम तापमान 43 डि0 सै0 दर्ज हुआ है जबकि न्यूनतम 28 डि0 सै0 तापमान दर्ज किया। दरअसल, ज्येष्ठ माह गर्मी के लिहाज से सबसे ज्यादा कष्टकारी होता है इस माह सबसे अधिक बिजली व पानी की किल्लत रहती हैं। पूर्व पार्षद बाबूलाल, गणेश मेहन्दीरत्ता, डा0 यशवीर सिंह, राजीव गर्ग, जुनैद, सुनील ,घासीराम नम्बरदार, पृथ्वी प्रधान, कमलनैन आदि ने बताया कि जिला में बीती रात तेज हवाओं के साथ हुई हल्की बूंदा बादी से लोगों को राहत की बजाए परेशानी का सबब बनी हैं। तेज हवाओं से कई पेड़-पौधे, टीन टप्पड व कच्चे छप्पर आदि इसकी चपेट में आ गए और बिजली व्यवस्था भी लडखड़ा गई। गर्मी के पारे में भी कोई खासा बदलाव नहीं हुआ हैं। इस बारे में उप मण्डल कृषि अधिकारी बीडी गौतम ने बताया कि जिला में तेज आंधी से हुई बारिश से बोई गई हरी चरी से मामूली राहत अवश्य मिली है लेकिन तेज हवाओं से सब्जी पर इसकी मार पड़ी हैं।

कुछ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा अपने कार्य में लापरवाही बरते जाने की मिल रही शिकायतें: अविनाश कृष्ण

» मदरलैंड संवादाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार निर्देशक किया गया है कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ समय से उपस्थित हो, सभी आवश्यक दवाएं पयार्प्त मात्रा में स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहें, एंबुलेंस 102, 108 के संचालन पर निगरानी की जाए, जरूरतमंद व्यक्ति तक एंबुलेंस निधार्रित समय में पहुंचे, एंबुलेंस में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रहें, सभी उपकरण चालू दशा में रहे, बावजूद इसके कुछ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा अपने कार्य में लापरवाही बरते जाने की शिकायतें मिल रही हैं, जिस पर उन्होंने उप जिलाधिकारियों के माध्यम से जनपद के कई स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कराया। उप जिलाधिकारियों के निरीक्षण के दौरान 05 चिकित्सक, चिकित्साधिकारी एवं 02 फार्मेसिस्ट अनुपस्थित पाये गए सभी अनुपस्थित चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

श्री सिंह ने बताया कि गत दिवस उप जिलाधिकारी कुरावली द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर के निरीक्षण के दौरान फार्मेसिस्ट पंकज को, उप जिलाधिकारी करहल द्वारा नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रपुरा के निरीक्षण के दौरान फार्मेसिस्ट दिनेश कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. मंद्रिका यादव को, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खेड़ा महान के निरीक्षण के दौरान चिकित्सक डॉ. अपराजिता यादव को, उप जिलाधिकारी घिरोर द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहजहांपुर के निरीक्षण के दौरान चिकित्सक डॉ. आशुतोष कुमार को, उप जिलाधिकारी भोगांव द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोगांव के निरीक्षण के दौरान चिकित्सक डॉ. सबा खातून को, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिलौसा के निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुज कुमार को स्वास्थ्य केंद्र से अनुपस्थित पाया गया है।

उन्होंने बताया कि उप जिलाधिकारी के निरीक्षण में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोपालपुर प्रातः 10 बजे बंद पाया गया, गोपालपुर में तैनात फामार्सिस्ट पंकज उपस्थित नहीं मिले, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंद्रपुरा पर तैनात फामार्सिस्ट दिनेश कुमार, चिकित्साधिकारी महिला डॉ. मंद्रिका यादव अनुपस्थित पाई गई, निरीक्षण के दौरान अभिलेखों का निरीक्षण करने पर पाया कि महिला चिकित्सा अधिकारी की ड्यूटी मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रत्येक रविवार व गुरुवार को मेडिकोलीगल पोस्टमार्टम हेतु ड्यूटी लगाई गई है लेकिन शुक्रवार को ड्यूटी से नदारद पाई गयीं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहजहांपुर पर चिकित्सक के पद पर तैनात डॉ. आशुतोष कुमार विगत कई दिनों से अनुपस्थित चल रहे हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोगांव पर तैनात चिकित्सक डॉ. सबा खातून को निरीक्षण के दौरान मातृत्व अवकाश पर बताया गया लेकिन अवकाश संबंधी कोई प्रार्थना पत्र निरीक्षण के दौरान प्रस्तुत नहीं किया गया, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिलौसा पर तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. अनुज कुमार दि. 14 अप्रैल से अनुपस्थित चल रहे हैं, निरीक्षण के समय उपस्थित चैकीदार ने बताया कि चिकित्सक अवकाश पर हैं लेकिन उनका भी अवकाश प्रार्थना पत्र निरीक्षण के दौरान प्रस्तुत नहीं किया गया जिसके फलस्वरुप अनुपस्थित कमिर्कों को पदीय दायित्व एवं कतर्व्यों के निवर्हन में रुचि न लेने, शासन, उच्चाधिकारियों के निर्देशों का अनुपालन न किए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के संबंध में संतोषजनक उत्तर न दिए जाने पर संबंधितों का उत्तरदायित्व निधार्रित करते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी कायवार्ही अमल में लायी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जनपदीय ब्राह्मण सभा ने किया युवक युवती परिचय सम्मेलन

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! जनपदीय ब्राह्मण सभा शाखा रुड़की द्वारा रविवार को विवाह योग्य ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन ऑनलाईन किया गया। जनपदीय ब्राह्मण सभा शाखा रुड़की के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें उत्तराखंड के साथ साथ अन्य प्रदेश से भी युवक युवतियों के बॉयोडाटा प्राप्त हुए। संस्था के सरंक्षक ऋषिपाल शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा हैं। इसमे सभी प्राप्त बॉयोडाटा की सूची तैयार कर सबको उपलब्ध कराई गई हैं। संस्था के महामंत्री सौरभ कौशिक ने सभी को शुभकामनाएं दी और आशा की इस माध्यम से अधिक से अधिक रिश्ते तय हो पाएंगे। कार्यक्रम संयोजक मनीष कौशिक और सह-संयोजक सुमित भारद्वाज ने बताया कि सम्मेलन में लगभग 150 से अधिक बॉयोडाटा प्राप्त हुए हैं और उन सबको सूचीबद्ध करके सभी को उपलब्ध कराए हैं जिससे सभी ब्राह्मण परिवार अपने पुत्र पुत्रियों के लिए उपयुक्त रिश्ते ढूंढ कर विवाह तय कर सके। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रामदेव शर्मा, ललित शर्मा, सतीश शर्मा, सचिन पंडित, संजय शर्मा, राजीव शर्मा दीपक शुक्ला, राधेश्याम, विनोद शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, राजेश शर्मा आदि सहित भारी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

पिरान कलियर में झाड़ियों में लगी आग, घंटों रही अफरा तफरी

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। पिरान कलियर में रविवार को झाड़ियों, कूड़े के ढेर में लगी आग पर अग्नि शमन केंद्र रुड़की की टीम ने काबु पा लिया ! फायर स्टेशन रुड़की पर स्थापित एमडीटी पर सुबह १० बजकर ४० मिनट पर पीपल चौक के पास नहर किनारे झाड़ियों एवं कूड़े में आग लगी होने की सूचना मिली ! जिसके बाद फायर यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुई ! घटनास्थल पर पहुंचकर मोटर फायर इंजन एवं हाई प्रेशर से होजरील एवं होज पाइप फैलाकर पंपिंग कर आग को फैलने से रोका एवं पूर्ण रूप से बुझाया गया ! आग सड़क में जा रहे वाहनों के लिए खतरा बन रही थी एवं कस्बे का वातावरण भी धुआं रहित बना रहा ! आग से झाड़ियां एवं कूड़ा जल गया ! हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई ! घटना के संबंध में आर टी सेट कंट्रोल रूम रुड़की एवं द्वारा एमडीटी से 112 को भी अवगत कराया गया ! अग्नि शमन टीम में लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा, चालक विपिन सिंह तोमर, चालक राकेश गौड़, फायरमैन मदन सिंह चौहान, फायरमैन हरिश्चंद्र, फायरमैन देवेंद्र सिंह भंडारी आदि शामिल रहे !

महापौर ने धोबीघाट क्षेत्र में हाई मास्ट लाइट का किया उद्घाटन

ऋषिकेश, एजेंसी। नगर निगम महापौर अनिता ममगाई ने चन्द्रेश्वर नगर में हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन किया। इस अवसर महापौर ने धोबी घाट क्षेत्र के पार्क के जीर्णोद्धार के लिए दो लाख रुपये की घोषणा भी की। नगर के विभिन्न वार्डो में हाई मास्ट लाईटों के जरिए रोशनी बिखेरने के क्रम में चल रहे अभियान के तहत चन्द्रेश्वर नगर का धोबी घाट क्षेत्र भी जगमग रोशनी से नहा गया। मौके पर मौजूद लोगों के यह नजारा देख चेहरे खिल उठे। इस मौके पर महापौर ने जहां इस मलिन बस्ती के भरपूर विकास करने की बात कही वहीं नशे के कारोबार के लिए अपनी पौराणिक पहचान खो देने की और अग्रसर क्षेत्रवासियों को चेताया कि युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नशे की वजह से न सिर्फ अपराध को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि बेरोजगारी बढ़ने के कई कारणों में से यह भी एक कारण शामिल है। खासतौर से युवा पीढ़ी नशे की लत में आकर न सिर्फ आज, बल्कि अपना कल भी खराब कर रहे हैं, इसलिए हमें अपनी भी जिम्मेदारी को समझना होगा, एक नशा मुक्त समाज तभी संभव है जब सरकार के साथ हम भी अपनी सहभागिता निभाए। उन्होंने कहा कि खेलकूद के स्थानों को विकसित कराकर बच्चों एवं नौजवान पीढ़ी को नशे के दलदल में फंसने से बचाया जा सकता है। महापौर ने कहा कि गंदगी से अटे धोभीघाट के खाली भूंखड की चारदीवारी कराने के बाद पार्क के रूप में विकसित कराने की कवायद के बीच क्षेत्र में शौचालय और सुरक्षा के लिए सीसी टीवी लगवाये गये। आगे भी चरणबद्ध तरीके से क्षेत्र का विकास निरंतर किया जाता रहेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पौधारोपण की भी अपील की।

प्रोफेसर रतनलाल पर कार्रवाई के विरोध में उतरे बहुजन संगठन, प्रदर्शन किया

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार ! चमार वाल्मीकि महासंघ एवं बीएचईएल अनुसूचित जाति इंप्लाइज वैलफेयर एसोसिएशन हीप एवं सीएफएफपी, बीएचईएल हरिद्वार के संयुक्त बैनर तले इतिहासकार प्रोफेसर डॉक्टर रतनलाल पर लगाए गए झूठे मुकदमो को वापस कराने के लिए बहुजन समाज एवं सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय हरिद्वार पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। चमार वाल्मीकि महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष भंवर सिंह एवं प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र श्रमिक ने कहा कि इतिहासकार प्रोफेसर डॉ रतन लाल एक वरिष्ठ इतिहासकार और भारतीय संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर के नाम से यूट्यूब पर अंबेडकर नामा चलाते हैं जिससे भारतीय संविधान एवं संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर से चिढ़कर संविधान एवं अंबेडकर विरोधी कुछ मनु वादियों ने षड्यंत्र के तहत प्रोफेसर रतन लाल जी के खिलाफ झूठा मुकदमा करा कर बहुजन समाज का घोर अपमान कर विशाल २-२३ समाज को हिंदू न होने का एहसास करा दिया है। क्योंकि प्रोफेसर रतन लाल बहुजन समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं प्रोफेसर रतन लाल जी को झूठे मुकदमें में गिरफ्तार कराकर अपमान करने वाले मनु वादियों की बहुजन समाज के कार्यकर्ता घोर निंदा करते है और प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि प्रोफेसर रतन लाल पर लगाए गए झूठे मुकदमे अविलंब वापस कराए जाएं अन्यथा मूलनिवासी बहुजन समाज के सभी संगठन धरना- प्रदर्शन करने पर बाध्य होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन -प्रशासन की होगी। बीएचईएल अनुसूचित जाति इम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन हीप एवं सीएफएफपी बीएचईएल हरिद्वार के अध्यक्ष अशोक कटारिया एवं महामंत्री मनजीत सिंह ने कहा कि एससी-एसटी, ओबीसी पर अन्याय, अत्याचार एवं अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे ! चमार वाल्मीकि महासंघ के जिलाध्यक्ष

भानपाल सिंह रवि, ब्रह्मपाल, चमार वाल्मीकि महासंघ के प्रांतीय महामंत्री मेघ राज सिंह, योगराज सिंह ने प्रोफेसर रतन लाल की गिरफ्तारी से आहत होकर ज्ञापन देने पहुंचे सभी बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के अनुयायियों से हिंदू धर्म छोड़ कर संयुक्त रुप से धम्म दीक्षा लेने का अनुरोध किया। वरिष्ठ समाजसेवी इंजीनियर सीपी सिंह एवं वरिष्ठ समाजसेवी तीरथ पाल रवि ने कहा किं बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की बात आज तक हमने नहीं माना, इसलिए आजादी के 75 साल बाद भी बहुजन समाज के लोग अन्याय, अत्याचार एवं अपमान के लगातार शिकार हो रहे हैं। सभा को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बहुजन मुक्ति पार्टी के राष्ट्रीय संगठन सचिव संजय मूलनिवासी, प्रधान नरेश कुमार, आचार्य कर्म सिंह बौद्ध आचार्य, टिकेश कुमार, मोहम्मद नसीर अहमद, पत्रकार सुनील कुमार, हरिद्वार प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष जयपाल सिंह, दीपक, रविंदर कुमार, अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एशोसिऐसन के जिला संरक्षक त्रिलोकीनाथ, जिला महामंत्री जीतपाल सिंह, प्रकाश चन्द्र, सतीश कुमार, प्रमोद कुमार ,आशीष राजौर, योगेंद्र राम, बहुजन क्रांति मोर्चा की जिला अध्यक्ष सरोज पाल सिंह, इंजीनियर अमित कुमार चंचल, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता ब्रह्मपाल, सत्यपाल शास्त्री, प्रदीप कुमार, अजय कुमार, मेहर सिंह, खड़क सिंह, अरविंद कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष भेल श्रमिक यूनियन हरिद्वार भारत भूषण, एडवोकेट मो. इकराम, नरेश चनयाना, डॉ. राजकुमार गौतम, डॉ. पवन कुमार, प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद, परवीन तेश्वर, प्रदीप कुमार बोहत, जुगनू कांगड़ा आदि ने भाग लिया।

बिझौली में मना मातृ दिवस, छात्रों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार ! राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में प्रतिभा दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ! इनमें छात्रों ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी रूचि के अनुसार प्रतिभा दिखाई ! इस अवसर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. कमलकांत बरूआ तथा कार्यक्रम प्रभारी शिक्षक अशोक पाल ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रांगण में ही छात्र छात्राओं ने रंगोली तैयार करना, मेहंदी लगाना आदि का आयोजन किया ! साथ ही कविताएं सुनाई ! छात्र छात्राओं ने बड़ी रुचि के साथ तमाम प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा को दिखाया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। छात्र छात्राओं ने अपनी कला और रूचि के अनुसार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसका विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश के लिए आऐ अभिभावको ने भी सराहा तथा कहा कि जिस विद्यालय में इस प्रकार की क्रिया विधि और रचनात्मक कार्य होते हैं वहां बच्चों की प्रतिभा भी एक अलग अंदाज में निखर कर आती हैं। हमें ऐसे ही विद्यालय में अपने बच्चों

का प्रवेश कराना चाहिए। इसी के साथ विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य तथा कार्यक्रम अधिकारी ने अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि आप भी हमें कुछ अच्छे सुझाव दें जिससे हम विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभाओं को और निखार सके और उनका भविष्य तय करने में मदद कर सकें। किसी भी विद्यालय से यदि किसी भी छात्र छात्रा का कहीं अच्छी जगह अच्छे पद पर चयन होता है तो जहां विद्यालय का मान सम्मान बढ़ता है वहीं छात्रों के माता-पिता का भी सम्मान बढ़ता है। दोनों ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि निकट भविष्य में छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए और अच्छी तरह से प्रयास किए जाएंगे। जिससे छात्र अपनी प्रतिभा को और अच्छी तरह से निखार सकें। जो उनके भविष्य निर्माण में सहायक साबित हो। कविता प्रतियोगिता में कक्षा १० की शीबा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ! सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कक्षा ७ के रितिक, फारिया, अंकित, शिल्पा, अलकमा, माजरवा ने प्रतिभाग किया ! इस अवसर पर एलटी शिक्षक सुधीर कुमार भी मौजूद रहे !

पुण्यतिथि पर कांग्रेसियो ने किया राजीव गांधी को याद

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर शनिवार को कांग्रेसियों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उन्हे भारत का जनक बताया ! पूर्व गृह राज्य मंत्री रामसिंह सैनी ने कहा कि भारत में पंचायत एक्ट लागू करना, कम्प्यूटर एवं औद्योगिक क्रांति सब पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ही देन है ! आज भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की योजनाओं पर अपनी मूहर लगा रही है ! कांग्रेस प्रदेश महामंत्री एवं किसान नेता राजेंद्र चौधरी एडवोकेट ने कहा कि देश के विकास में दिए गए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा ! पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भारत को एक नई दिशा देने का काम किया ! किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि सही मायनों में पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी भारत के महान प्रधानमंत्री रहे ! युवाओं, ग्रामीण परिवेश को उन्होंने पूरी तरह से आगे बढ़ाने का काम किया ! भारत को आज भी राजीव गांधी, मनमोहन सिंह जैसे प्रधानमंत्रियों की ही जरूरत है ! अवसर पर महानगर अध्यक्ष कलीम खान भी मौजूद रहे !

आजादी की लड़ाई में जेल जाने वाली पहली उत्तराखंडी महिला थी बिशनी देवी: डॉ. पालीवाल

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार ! उत्तराखंड का इतिहास अगर हम देखे तो उत्तराखंड की नारियों का हर सामजिक मुद्दों को लेकर महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, चिपको आंदोलन, शराब बंदी के खिलाफ आंदोलन, मैती आंदोलन, उत्तराखंड राज्य आंदोलन, को भी चलायो पहाड़ो में रहकर यहाँ की महिलाओं ने अपने कठिन जीवन को आन्दोलनों के माध्यम से सरल बनाया हैं अगर हम स्वतंत्रता संग्राम की बात करें तो उत्तराखंड की नारियों ने इस आंदोलन में अहम भूमिका निभाई है। 1930 में नमक सत्याग्रह व पेशावर कांड की घटनाओं ने पहाड़ी की महिलाओं को सामूहिक रूप से ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन के लिए प्रेरित किया। 5 मई 1930 को अल्मोड़ा के नंदा देवी मंदिर परिसर में पुरुष आंदोलनकारियों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन किया। जिसमें महिलाओं का नेतृत्व भागुली देवी, कुथी देवी ने किया था। 25 मई 1930 को अल्मोड़ा नगर पालिका में राष्ट्रीय ध्वज फहराने को रोकने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गोरखा सैनिकों को तैनात किया और आंदोलनकारियों पर हमले किए। उस समय बिशनी देवी शाह, दुर्गा देवी पंत, तुलसी देवी रावत, भक्ति देवी त्रिवेदी समेत कई महिलाओं ने राष्ट्रीय आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए संगठन खड़ा किया। अल्मोड़ा में आंदोलनकारी महिला कुंती देवी वर्मा, मंगला देवी, भागीरथी देवी, जीवंती देवी व रेवती देवी को मदद देने के लिए स्वयं बद्री दत्त पांडे, देवी दत्त पंत ने साथ दिया। उनकी वीरता ने पूरे पहाड़ को प्रोत्साहित किया और महिलाओं ने झंडारोहण करने में सफलता मिली। देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले गुमनाम नायकों का जब जिक्र होगा, तो बिशनी देवी साह को जरूर याद किया जाएगा ! अल्मोड़ा के नंदा देवी मंदिर में आए दिन अंग्रेजों के अत्याचार को खत्म करने के लिए बैठकें हुआ करती थीं। 1919 में पूरे देश में रौलट एक्ट का विरोध शुरू हो गया। इसी बीच महात्मा गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके विरोध में कुमाऊं परिषद ने कुमाऊं में रैली निकाली। कुछ साल बाद 14 जून 1929 को महात्मा गांधी ने नैनीताल में एक सभा को संबोधित किया। उनके आगमन पर पहली बार महिलायें जुलूस और सभा में शामिल हुई. महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी के प्रेरित करने पर महिलाएं भी आजादी की लड़ाई में कूद गईं। बिशनी देवी साह भी इनमें से एक थीं। अल्मोड़ा की रहने वालीं बिशनी देवी उत्तराखंड की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं ! आजादी की लड़ाई में जेल जाने वालीं वह पहली महिला थीं !

मुख्यमंत्री धामी ने 'पाञ्चजन्य मीडिया कॉन्क्लेव' में किया प्रतिभाग

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को दिल्ली के चाणक्यपुरी में आयोजित ह्यह्यपाञ्चजन्य मीडिया कॉन्क्लेवह्न में प्रतिभाग किया। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न राजनीतिक एवं सामरिक संबंधी विषयों पर संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड चैमुखी विकास कर रहा है, सरकार का प्रयास है कि आने वाले समय में

उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में देश के श्रेष्ठ राज्यों में शामिल हो। उत्तराखण्ड में लॉ एंड ऑर्डर सम्बंधी चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कानून तोड़ने वालों पर राज्य पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है, अपराधियों के लिए उत्तराखण्ड में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरी बार मुख्य सेवक की शपथ ग्रहण के बाद पुलिस के द्वारा एक स्पेशल ड्राइव चलाई गई जिसके अंतर्गत उत्तराखण्ड में लोगों का री-वेरिफिकेशन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम धर्मांतरण के कानून को और अधिक सख्त करने की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है। यह अध्यात्म, धर्म और संस्कृति का केंद्र है। यहां औसतन हर परिवार में एक व्यक्ति सेना में भर्ती होकर देश सेवा के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में एक समान कानून लागू हेतु ड्राफ्ट तैयार करने के लिए हम एक कमेटी गठित करने वाले हैं। हम चाहते हैं कि देश के अन्य राज्य भी अपने-अपने राज्यों में कॉमन सिविल कोड लागू करें। भू कानून संबंधी सवालों पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने इसके लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई है। जल्दी हम राज्य हित में इस पर कानून लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में बहुत भिन्न है, राज्य का अधिकतम क्षेत्र पर्वतीय है, सरकार का प्रयास है कि राज्य में औद्योगीकरण विस्तार और रोजगार का भी ध्यान रखा जाए।

दो महीने से घर से गायब नाबालिग छात्रा बिहार से बरामद

- पोस्को एक्ट का आरोपी नहीं चढ़ा पुलिस के हत्थे
- दो माह पूर्व दूसरे धर्म का बिहारी मजदूर बहला-फुसलाकर ले गया था नाबालिग किशोरी को

सतपुली, एजेंसी। तहसील चैबट्टाखाल क्षेत्र की दो माह से गायब नाबालिग किशोरी को सतपुली पुलिस ने बिहार से बरामद कर लिया है। जबकि मामले का आरोपी युवक फरार हो गया। और पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। बृहस्पतिवार को युवती को जिला जज के सम्मुख पेश किया गया।&ल्लु२स्त्र;थानाध्यक्ष सतपुली लाखन सिंह के अनुसार 15 मार्च 2022 को वार्षिक परीक्षा देने के बहाने लापता हुई किशोरी के अपहरण की रिपोर्ट 25 मार्च को राजस्व पुलिस में किशोरी के पिता की तहरीर पर दर्ज की गई। इसके बाद मामला पहले पैठाणी एवं फिर सतपुली पुलिस को हस्तांतरित किया गया। मामले की तफ्तीश में क्षेत्र में मजदूरी करने वाले दूसरे धर्म के बिहारी युवक की संलिप्तता पाई गई। जिसके बाद मामले में पोक्सो एक्ट व सुसंगत धाराओ में जांच शुरू की गयी। सतपुली पुलिस के उप निरीक्षक विनोद कुमार, कांस्टेबल प्रदीप सैनी और दीपशिखा की टीम ने नाबालिग छात्रा को अकमल आलम पुत्र शाहिद आलम ग्राम बांसवाड़ी तुलसिया, थाना बहादुरगंज, जिला किशनगंज, बिहार के पास घर से बरामद किया। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया, और पुलिस के हत्थे नहीं चल सका। बुधवार को नाबालिग छात्रा को मेडिकल के लिये कोटद्वार चिकित्सालय ले जाया गया। जहां नाबालिग छात्रा ने मेडिकल कराने से इंकार कर दिया। बृहस्पतिवार को नाबालिक को जिला जज पौड़ी के समुख पेश किया गया। जहां अभी छात्रा के 164 में बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

'सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण' की थीम से संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया

देहरादून, एजेंसी। वन अनुसंधान संस्थान में 'सभी के जीवों के लिए साझा भविष्य निर्माण' की थीम से संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विस्तार प्रभाग द्वारा पक्षी एवं पादप जैव विविधता दर्जन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों का विस्तार प्रभाग के प्रमुख श्रीमती ऋचा मिश्रा, भा.व.से. तथा उनकी टीम द्वारा स्वागत किया गया तथा पक्षी एवं पादप दर्जन के लिए प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह द्वारा डा. अरुण प्रताप सिंह, वैज्ञानिक-एफ, कीट विज्ञान प्रभाग के दिजा निर्देशन में संस्थान में भ्रमण के दौरान पक्षियों का दर्जन किया गया एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त की गई। दूसरे समूह ने भ्रमण के दौरान डा. अनूप

चन्द्रा, वैज्ञानिक-एफ, वनस्पति प्रभाग के मार्ग दर्जन में पेड़-पौधों की विविधता के बारे में जानकारी हासिल की। भ्रमण के उपरांत दोनों समूह वनस्पति उद्यान में पुनः एकत्रित हुए जहां पर उनको संस्थान की निदेजक डा. रेनू सिंह, भा.व.से. द्वारा सम्बोधित किया गया। अपने सम्बोधान के दौरान उन्होंने जैव विविधता के विभ्भिन पहलुओं प्रकाज डालते हुए इसके महत्व को बताया तथा कहा कि जैव विविधता के संरक्षण से ही हमारा मानव जीवन जुड़ा हुआ है, जोकि कोविड काल की महामारी से सिद्ध हो चुका है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रतिभागियों के लिए एक मौखिक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डा. चरण सिंह, वैज्ञानिक-एफ, विस्तार प्रभाग के धान्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग के रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विजय कुमार, सहायक वन संरक्षक, प्रीतपाल सिंह, वन राजिक अधिकारी, रमेज सिंह, सहायक श्रीमती पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, अभियांत्रिकी एवं सेवाएं प्रभाग, प्रचार एवं सम्पर्क अनुभाग की टीम ने अथक प्रयासों से कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बहादराबाद पुलिस ने किया बाइक चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। बहादराबाद पुलिस ने चैकिंग के दौरान दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों से चोरी की गयी 9 बाइके बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जिनको मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। बहादराबाद एसओ नितेश शर्मा ने बताया कि विष्णु शर्मा पुत्र नत्थू सिंह निवासी खड़खड़ी कोतवाली नगर हरिद्वार ने 21 मई को तहरीर देते हुए शिकायत की थी कि उसकी बाइक बहादरबाद पीठ से अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गयी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बाइक चोरों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शनिवार की शाम को पथरी पावर हाउस के पास चैकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक आते नजर आये। जोकि पुलिस के चैकिंग अभियान को देखकर वापस मुड कर भागने लगे। जिन पर पुलिस को शक हो गया और उनका पीछा कर कुछ ही दूरी पर उनको घेर घोट कर दबोच लिया। जिनसे बाइक के सम्बंध में कागजात दिखाने के लिए कहा गया। लेकिन बाइक सवार बाइक के सम्बंध में कोई कागजात नहीं दिखा पाये। जिनको पुलिस पकड़ कर थाने लाया गया। जहां पर पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम तैय्यब पुत्र इलताब निवासी ग्राम जमालपुर रूड़की हाल ग्राम सराय ज्वालापुर और शाहबान पुत्र हासिम निवासी ग्राम इक्कड़ कला पथरी हरिद्वार बताते हुए खुलासा किया कि उनके पास पकड़ी गयी बाइक चोरी की है। जिन्होंने बाइक को बहादरबाद पीठ से चोरी की थी।

संक्षिप्त समाचार

डॉ विनोद शर्मा हिमाचल रत्न से सम्मानित , चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर ने प्रदान किया यह अवार्ड

विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़ । सामाजिक एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डॉ विनोद कुमार शर्मा को पिरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया और अखिल भारतीय प्रवासी हिमाचल संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम में हिमाचल रत्न से सम्मानित किया जाएगा । कार्यक्रम के दौरान यह सम्मान मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर सतनाम सिंह संधू ने प्रदान किया । यह अवार्ड उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने के लिए दिया गया । डॉ विनोद कुमार शर्मा ने इस सम्मान के लिए पीरियोडिकल प्रेस ऑफ इंडिया और अखिल भारतीय प्रवासी हिमाचल संयुक्त मोर्चा का आभार व्यक्त किया है । काबिले जिक्र है कि । उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जा चुका है ।

भीषण गर्मी को देखते हुए आजाद चौक में मीठे पानी की छबील जारी

अशोक सैनी,मदरलैंड संवाददाता, नारनौल । पिछले 2 साल के दौरान कोरोना संक्रमण तेज होने और लॉकडाउन में प्रतिबंध लगे होने से गर्मी के मौसम में लोगों की बाहर आवाजाही कम रही । इस बार जब गर्मी बढ़ते ही पीने के पानी की जरूरत महसूस होने होने लगी तो शहर की सामाजिक संस्था आजाद चौक युवा संगठन ने आजाद चौक परिसर में मीठे पानी की छबील लगा रखी है । संस्था के प्रधान लोकेश शर्मा ने बताया कि चिलचिलाती गर्मी में थोड़ी थोड़ी देर में लोगों का गला सूख रहा है । गर्मी में पेयजल की जरूरत सबसे अधिक होती है । उन्होंने कहा कि इस समय गर्मी की ऋतु पूरे जोरों पर है, इसलिए छबील को कुछ दिन जारी रखने का निर्णय लिया गया है । आज आजाद चोक के रास्ते से गुजरते हुए प्रमुख समाजसेवी सोनू सैनी छबील पर पहुंची और राहगीरों को पानी पिलाया । उन्होंने संगठन को इस कार्य के लिए साधुवाद दिया । इस मौके पर संस्था के संरक्षक विजय जिंदल, उपप्रधान मोहित जिंदल, महासचिव भगत सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, हिमांशु सोनी, प्रिंस अरोड़ा, हर्ष तनेजा, अशोक सैनी, कमल कोकचा, हर्ष सैनी, राजकुमार चौधरी, बाल किशन सैनी अभिषेक कुमार सहित अनेक संगठन के लोग उपस्थित रहे ।

दादा से प्रेरित होकर पोता-पोती ने किया समाज व क्षेत्र का नाम रोशन

मदरलैंड संवाददाता, महेंद्रगढ़ । कहते हैं की बुजुर्गों के संस्कार बच्चों में कही ना कहीं अवश्य नजर आते हैं इसी का उदाहरण महेंद्रगढ़ शहर के जाने माने डॉक्टर ब्रह्मादेव के परिवार में देखने को मिला है । डॉक्टर ब्रह्मदेव के लड़के शिव शर्मा का बेटा कपिल विश्व कर्मा व बेटी चारू विश्वकर्मा ने चिकित्सा के क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त कर परिवार, समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है । दोनों बच्चों की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने परिवार को बधाई देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की काम की है । बच्चों के पिता शिव शर्मा ने बताया कि उनके पिताजी डॉक्टर ब्रह्मदेव अपने समय के मशहूर चिकित्सक रहे हैं । चिकित्सा के अलावा उनके पिता ने आर्य समाज से जुड़कर अपना सारा जीवन समाज की भलाई करते हुए बिताया है । आज भी उनके पिता गरीब व असहाय लोगों का मुफ्त में इलाज करते हैं । डॉक्टर कपिल व डॉक्टर चारू बचपन से ही अपने दादा से प्रभावित रहे हैं । उन्हीं की प्रेरणा से डाक्टर कपिल ने रोहेल खंड मेडिकल यूनिवर्सिटी बरेली से एमएस जर्नल सर्जरी में टॉप किया है तथा डॉक्टर चारू ने मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस में टॉप स्थान प्राप्त किया है । दोनों बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा महेंद्रगढ़ के यदुवंशी स्कूल में हुई है । डॉक्टर कपिल व डॉक्टर चारू ने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में जाने की प्रेरणा उन्हें अपने दादा डॉक्टर ब्रह्मदेव से मिली तथा इस मुकाम तक पहुंचाने में उनकी दादी डॉक्टर संतोष कुमारी, पिता शिव शर्मा व मां पुष्पा देवी ने समय समय पर उत्साहित करते हुए पूर्ण सहयोग दिया है ।

भाजयुमो चंडीगढ़ द्वारा आज प्रेस वार्ता कर प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री का धन्यवाद किया

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने शनिवार को पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर की कमी की घोषणा की। इस साहसिक कदम से पेट्रोल की कीमत 9.5 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 7 रुपये प्रति लीटर की कमी आएगी। इसका सरकार पर लगभग 1 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष का राजस्व प्रभाव पड़ेगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमत के बीच लोगों को यह राहत प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार का गहरा आभार व्यक्त करता है।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली जन-समर्थक केंद्र सरकार 135 करोड़ भारतीयों के लाभ के लिए ऐसे कदम उठा रही है। इससे पहले 4 नवंबर 2021 को केंद्र सरकार ने डीजल और पेट्रोल की कीमतों में क्रमशः ₹10 और ₹5 की कमी की थी। सूट के बाद, 19 राज्यों ने विस्तारित राहत प्रदान करने के लिए राज्य द्वारा लगाए गए वैट को कम करके पेट्रोल और डीजल की कीमत कम कर दी थी। दुर्भाग्य से, 9 राज्यों- तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और केरल ने उस समय पेट्रोल और डीजल पर वैट कम नहीं किया था। अब जबकि श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की दर को फिर से कम कर दिया है, हम भाजयुमो में सभी राज्य सरकारों, विशेष रूप से गैर-भाजपा सरकार के राज्यों से आम आदमी पर बोझ कम करने के लिए अपनी भूमिका निभाने का अनुरोध करते हैं। राज्य में पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कमी की पुष्टि राज्य में वैट की इसी कमी से की जानी चाहिए। संघीय व्यवस्था में केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से ही आम लोगों के बटुए पर संकट को कम किया जा सकता है। ठोस कार्रवाई के अभाव में केवल असहमति व्यक्त करना एक राजनीतिक स्टंट है जिससे कोई सार्वजनिक लाभ नहीं होता है। वैट कम करके ही राज्य सरकार लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करती है। केंद्र सरकार पहले ही एक तरफ करों को कम करके और दूसरी ओर पेट्रोलियम की कीमतों में धीमी वृद्धि सुनिश्चित करके बड़े पैमाने पर उम्मीदों को पूरा कर चुकी है, ऐसी स्थिति में जहां अधिकांश देशों में पेट्रोलियम की लागत 50% तक बढ़ गई है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा, ह्लपेट्रोल और डीजल पर केंद्र के कर हिस्से में कटौती करके ईंधन की कीमतों को कम करने के निर्णय के लिए मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार को हमारा हार्दिक सम्मान है। तेल की कीमतों में कमी करके मोदी जी द्वारा बचाया गया एक-एक पैसा आम आदमी की जेब में आय बन जाएगा। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के चलते केंद्र के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़े हैं

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा सांसद श्री तेजस्वी सूर्या ने कहा, ह्लपेट्रोल और डीजल पर केंद्र के कर हिस्से में कटौती करके ईंधन की कीमतों को कम करने के निर्णय के लिए मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार को हमारा हार्दिक सम्मान है। तेल की कीमतों में कमी करके मोदी जी द्वारा बचाया गया एक-एक पैसा आम आदमी की जेब में आय बन जाएगा। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हुई है और केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी है कि वे केंद्र सरकार के साथ मिलकर राज्य द्वारा लगाए गए करों में कटौती करके आम आदमी को राहत प्रदान करें। ।₹

श्री सूर्या ने आगे कहा, ह्लईंधन की कीमतों में और कमी और गैस सिलेंडरों पर सब्सिडी से मध्यम वर्ग और गरीबों को बहुत फायदा होगा। इस कदम के लिए पीएम श्री मोदी जी और एफएम को धन्यवाद। भाजयुमो ने सभी विपक्षी राज्यों से कीमतों पर वैट तुरंत कम करने का आग्रह किया। अगर ऐसा नहीं किया गया तो भाजयुमो सड़कों पर उतरेगा।

हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की 26 जून को होगी आम सभा

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ नारनौल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अंबेडकर भवन मालवीय नगर में संघ प्रधान मानसिंह नूनीवाल की अध्यक्षता में किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए महासचिव जयसिंह नारनौलिया ने बताया कि आगामी 26 जून को संघ की आम सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमे पिछले एक वर्ष के दौरान का संघ का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा ।

आम सभा मे संघ के द्वारा आयोजित सभी सामाजिक व आर्थिक कार्यों की सोशल ऑडिट की जाएगी । तत्पश्चात महासचिव ने बताया कि वर्तमान समय में कुछ असामाजिक तत्व देश में आपसी भाईचारे को खत्म करना चाहते हैं । उनके द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति समाज के प्रबुद्ध लोगो के संवैधानिक अधिकारों का खुल कर हनन किया जा रहा हैं ,जो कि बेहद निंदनीय है । इसका ताजा उदाहरण लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत के साथ की गई मारपीट व दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदु कॉलेज के प्रोफेसर डॉ रतनलाल की बोलने की अभिव्यक्ति के अधिकारों का हनन करते हुए उनको एक साजिश के तहत गैर कानूनी रूप से जेल में बंद करने से प्रतीत होता है । उन्होंने बताया कि देश का संविधान बदलने की बात खुले मंच से करने वाले असंवैधानिक तत्वों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही की जाती,जबकि उन पर देश द्रोह का केस दर्ज किया जाना चाहिए । प्रधान मानसिंह नूनीवाल ने बताया कि इस तरह से एक प्रबुद्ध शिक्षित वर्ग के प्राध्यापकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर के गैर कानूनी रूप से जेल में डालना बेहद निंदनीय है । संघ के पूर्व प्रधान जयनारायण ने बताया कि आज देश मे कुछ ऐसी ताकतें सक्रिय रूप से कार्य कर रही है जो सच बोलने और गलत का विरोध करने पर देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने पर तुली हुई

- डीयू के डॉ रतनलाल की असंवैधानिक गिरफ़्तारी के खिलाफ आज की बैठक में जारी किया गया निंदा प्रस्ताव

है । संघ की तमाम कार्यकारिणी ने आज की बैठक में इन असंवैधानिक कृत्यों के खिलाफ एक निंदा प्रस्ताव जारी किया । आज की बैठक में संघ के पूर्व प्रधान राजपाल गोरा,पूर्व उपप्रधान भानीसहाय, भूपसिंह भारती, उपप्रधान डॉ महीपाल सिंह डाडैया,डॉ विनोद नारनौलिया,सतीश तंवर,रणधीर सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहें ।

रोटरी क्लब ने लगाया निःशुल्क दिव्यांग कृत्रिम अंग वितरण शिविर

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ रोटरी क्लब ने कमला भवन धर्मशाला में निःशुल्क दिव्यांग कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि रोटरी क्लब डिस्ट्रिक्ट 3011 के डी.जी. अनूप मित्तल ने सिरकत की जबकि अध्यक्षता क्लब के ए.जी. राजकुमार यादव ने की और अतिविशिष्ठ अतिथि के रूप में डी. डी.जी रविन्द्र गुगनानी उपस्थित रहे। शिविर में पहुंचे मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इसके बाद क्लब के डिस्टिक गवर्नर ने प्रधान मुकेश मैहता को व डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी ने सुशील शर्मा को कॉलर बैज पहनाया। इसके बाद प्रधान मुकेश मेहता ने आए हुए सभी अथितियों का स्वागत करते हुए अब तक क्लब द्वारा किए गए कार्य विस्तार से बताएं। मुख्य अतिथि अनूप मित्तल ने रोटरी क्लब के उद्धयो उद्देश्यों को समझाते हुए क्लब द्वारा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर चल रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा की रोटरी क्लब अपने देश का सबसे बड़ा सामाजिक संघठन है जो सरकार के साथ मिलकर मानव हित की अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। उन्होंने कहा की

महेंद्रगढ़ के क्लब को सामाजिक कार्य करने के लिए किसी भी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी। प्रधान मुकेश मेहता ने इस शिविर में विशेष सहयोग के लिए सभी का धन्यवाद किया। मुख्य अथिति व बाहर से आए हुए सभी अथितियों ने शिविर में आए हुए सभी दिव्यांगों को व्हील चेयर, ट्राई साइकिल, सुनने की मशीन व कृत्रिम अंग वितरित किये गए। जिसमे पचास से अधिक दिव्यांगों ने इसका फायदा उठाया। मंच संचालन क्लब के सचिव सुशील शर्मा ने किया।

महाशक्तियां भी मान रही है भारत की कूटनीति का लोहा: रविंद्र रज्जू

उत्सव गार्डन में हुई आठ वर्ष कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। भारत के गौरव की गाथा आज पूरे विश्व में सुनाई पड़ रही है और इसी कारण विश्व की महाशक्तियां भी भारत की कूटनीति का लोहा मान रही है। यह बात रविवार को जनसेवा के आठ वर्ष कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री रविंद्र रज्जू ने कही।

स्थानीय कुलतापुर रोड स्थित उत्सव गार्डन में मंत्री रविंद्र रज्जू ने कार्यकताओं से रूबरू होते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश के अंदर जनसेवा के आठ वर्ष पूर्ण होने पर एक सौं लोगों से संपर्क अभियान चलकार भाजपा कार्यकर्ता घर-घर दस्तक देंगे। उन्होंने कहा कि आगामी 26 मई को स्पेशल महाअभियान के अंतर्गत तीन घंटा सुबह व तीन घंटा शाम को जनप्रतिनिधि प्रदेश पदाधिकारी मोर्चा के अध्यक्ष और जिले के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों पर संपर्क अभियान करेंगे। प्रदेश संगठन मंत्री ने अनेक संगठनात्मक विषय पर चर्चा करते हुए संगठन को कैसे मजबूत करना है इस पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि रूस व यूक्रेन युद्ध में पूरा विश्व भारत की ओर टकटकी लगाकर बैठा हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने छात्रों के साथ अन्य देशों के छात्रों को भी सुरक्षित निकालकर दुनिया में अपनी बढ़ती ताकत का एहसास करवाया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के कार्यकाल में विकास के नए नए आयाम स्थापित हुए हैं और देश आए दिन नई बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन व रूस के युद्ध में बड़े-बड़े शक्तिशाली देशों में पैट्रोल पांच सौ रुपए लीटर हो गया और बहुत से देशों में इसकी किल्लत हो रही है ऐसे में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल ही पट्रोल नौ रुपए सस्ता कर दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए सामाजिक न्याय अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई मुकाबला नहीं है और उनके बारे में जो भविष्यवाणी की गई थी वह भी अब सच साबित होती जा रही है क्योंकि उन्होंने पूरे विश्व में आज भारत देश का डंका बजा रखा है। पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि मोदी की सेवा के साल हुए आठ, विकास व राष्ट्रह्व गौरव के हुए ठाठ से पूरा देश खुश है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ प्रदेश में पार्टी का विस्तार करने में जुटे है जिसमें हम सभी का समर्पण भाव के साथ कार्य करना अति आवश्यक है। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ साल पूर्ण होने पर किए गए विकास कार्यों की कार्यकताओं को विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर बैठक में पहुंचे सभी वरिष्ठ नेताओं का जिला प्रधान राकेश शर्मा एडवोकेट ने बुक्का भेंट कर स्वागत किया। जिला प्रधान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस गर्मी के मौसम में भी हमारे कार्यकर्ता सौ से संपर्क अभियान को सफल बनाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के जोश और उत्साह को देखते हुए जिला महेंद्रगढ़ में यह महासंपर्क अभियान जबरदस्त सफलता प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को समर्पित केंद्र सरकार द्वारा जनसेवा के आठ वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में इस माह संपर्क अभियान का आगाज किया गया जिसे जनता का संपूर्ण सहयोग मिल रहा है। बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, नांगल चौधरी विधायक डा. अभयसिंह यादव, अटेली विधायक सीताराम यादव, जिला प्रभारी विजयपाल आलुवालिया, प्रदेश मंत्री मनीष मित्तल तथा प्रदेश प्रवक्ता सत्यव्रत शास्त्री आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में पहुंचे भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने जनसेवा के आठ वर्ष कार्यक्रम को पूरे जोश के साथ घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया।

निजामपुर क्षेत्र में नहरी पानी को लेकर सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह व मंत्री ओम प्रकाश यादव ने सुनी ग्रामीणों की समस्या

» मदरलैंड संवाददाता

- हसनपुर व शाहबाजपुर डिसटीब्यूटरी को किया जाएगा अपग्रेड
- टैंक बनाकर किया जाएगा निजामपुर क्षेत्र के खेतों को सिंचित

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह व प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने निजामपुर क्षेत्र के लोगों की नहरी पानी की समस्या को लेकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को साथ लेकर खंड कार्यालय में ग्रामीणों के साथ बैठक की। इस दौरान इस क्षेत्र के कई गांव में नहरी पानी की व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई।

इस समस्या का स्थाई समाधान निकालने के लिए सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता राजेश खत्री, कार्यकारी अभियंता नितिन भार्गव, उपमंडल अधिकारी राजेश वर्मा के साथ जन स्वास्थ्य विभाग से कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत व उपमंडल अधिकारी रामपाल बैठक में मौजूद रहे। बैठक में दोपहर करीब एक बजे पहुंचे सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव के पहुंचने पर हजारों की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों के द्वारा उनका स्वागत किया।

इस दौरान क्षेत्र से आए ग्रामीणों के द्वारा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव के सामने निजामपुर कोऑपरेटिव सोसायटी प्रधान जोगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में ग्रामीणों की समस्याएं रखी। समस्या में मुख्य मुद्दा निजामपुर क्षेत्र के कई गांव में नहरी पानी नहीं पहुंचने का रहा।

इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में 8 ब्लॉक आते हैं जहां 7 ब्लॉक में नहरी पानी की व्यवस्था की गई है परंतु निजामपुर ब्लॉक के ज्यादातर गांव आज भी नहरी पानी से वंचित है। इस मौके पर सांसद ने आश्वासन दिया कि हसनपुर डिसटीब्यूटरी व शाहबाजपुर डिस्ट्रीब्यूट्री को अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए शेड्यूल तैयार किया जाएगा। क्षेत्र के सभी गांव में नहरी पानी कैसे पहुंचाया जाए इसका शेड्यूल तैयार करने के उपरांत सांसद ने लोगों को बताया कि हर गांव से एक कमेटी बनाई जाए। प्रत्येक कमेटी में 7 लोग शामिल हो जो इरीगेशन डिपार्टमेंट के साथ मिलकर क्षेत्र में सर्वे करें। इसके बाद विभाग प्रपोजल तैयार करेगा।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति चाहता है कि उनके खेत में पानी पहुंचे। इसके लिए विभाग की तरफ से प्रपोजल तैयार करते हुए प्रत्येक गांव में 4 एकड़ जमीन लेकर उसमें एक टैंक तैयार किया जाएगा जंहा से पाइप लाइन के जरिए क्षेत्र के सभी गांव में पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

स्पेशल स्टाफ महेंद्रगढ़ की टीम ने दो आरोपितों को अवैध हथियार रखने के मामले में किया गिरफ्तार

» मदरलैंड संवाददाता

- आरोपितों से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद

नारनौल। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण द्वारा जिला पुलिस को अपराधियों को पकड़ कर उनपर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं, जिनकी पालना के अंतर्गत सीआईए नारनौल की टीम ने कुराहवटा रोड पर नहर के पास से अवैध हथियार के साथ एक युवक को काबू किया। आरोपित की पहचान ईश्वर वासी बलाना के रूप में हुई। जिससे अवैध हथियार के बारे में पूछताछ करने पर उसने बताया कि सूबे सिंह वासी खरखड़ा बास कनीना ने उसे यह अवैध हथियार दिया था। जिस पर पुलिस ने तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करते हुए आरोपित सुबे सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की, पूछताछ में उसने बताया कि यह अवैध हथियार उसका है। आरोपितों को आज न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पेशल स्टाफ महेंद्रगढ़ की टीम गश्त के दौरान महेंद्रगढ़ क्षेत्र में मौजूद थी। उसी समय टीम को गुप्त सूचना मिली कि कुराहवटा रोड पर नहर के पास एक युवक खड़ा है, जिसके पास अवैध हथियार है। अगर तुरंत रैड की जाए तो आरोपित को मौके से अवैध हथियार के साथ पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने रैडिंग टीम तैयार कर बतलाए हुए स्थान पर रैड की और एक युवक को अवैध हथियार सहित पकड़ लिया। टीम ने युवक को काबूकर नामपता पूछा तो युवक ने अपना ईश्वर उपरोक्त बतलाया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा रौंद बरामद हुआ। टीम ने आरोपित के पास से अवैध हथियार के बारे में पूछताछ की, आरोपित ने बतलाया कि सूबे सिंह के पास से वह अवैध हथियार लाया था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित सुबे सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की, पूछताछ में उसने बताया कि यह अवैध हथियार उसका है। आरोपितों के खिलाफ थाना सदर महेंद्रगढ़ में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

(संस्मरण) राजीव गांधी से मेरी यादगार मुलाकात !

डा0श्रीगोपालनारसन एडवोकेट

राजीव गांधी कभी नही चाहते थे कि वह कभी राजनीति में आए इसीलिए उन्होने पढाई पूरी करने के बाद पायलट के रूप अपना कैरियर चुना था। उन्होने प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर मां श्रीमति इंदिरा गांधी के पदस्थ रहने के बावजूद उनके रहते राजनीतिक कार्य में कभी कोई दखल नही किया था। यहां तक कि उनकी पत्नी मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति सोनिया गांधी भी एक आदर्श बहु के रूप में श्रीमति इंदिरा गांधी परिवार की शोभा बढाती रही। राजीव गांधी चाहते थे कि वह अपने बलबूते कैरियर की उडान भरे और इक्कीस वीं सदी का भारत बनाने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाये। वह बिना राजनीतिक सहारे के इस ओर बढ ही रहे थे कि प्रधानमन्त्री की कुर्सी पर विराजमान मां श्रीमति इंदिरा गांधी को 31 अक्टूबर सन 1984 में उन्ही के अगंरक्षको द्वारा की गई हत्या ने राजीव गांधी के जीवन की दिशा बदल दी। तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने मौके की नजाकत और देश के हालात को देखते हुए राजीव गांधी को देश का प्रधानमन्त्री बनाने का अहम फैसला ले लिया था।

उनके इस फैसले से कई रानीतिक भौच्चके भी हुए और कईयों को प्रधानमन्त्री का पद हाथ से फिसलता भी दिया पडा था। परन्तु राष्ट्रपति विरोधियों से जरा भी विचलित नही हुए और देश को संकट से उभारने और कांग्रेस में नेहरू गांधी परिवार के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध करते राजीव गांधी को प्रधानमन्त्री पद की शपथ दिला दी थी। उस समय राजीव गांधी के बारे में अधिकांश को यह उम्मीद नही थी कि प्रधानमन्त्री के रूप में राजीव गांधी एक नया इतिहास रचेगे और भारत को इक्कीस वीं सदी में ले जाने के लिए तकनीकी ज्ञान व विकास के क्षेत्र में मजबूत करने का काम करेगे। राजीव गांधी चाहते थे कि देश की सरकारी विकास योजनाओ का पैसा शतप्रतिशत रूप में गांव तक पहुंचे और उनका चहुंमुखी विकास हो। वह यह भी जानते थे कि योजनाओं का पैसा शतप्रतिशत रूप से गांव तक नही पहुंचता और मात्र 15 प्रतिशत राशि ही वास्तव में विकास पर खर्च हो पाती है जिसका मतलब है कि सरकारी योजनाओं की बदंरबाट से वे आहत थे। इस बदंरबाट अर्थात भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए वे जीवनपर्यन्त प्रयत्यनशील रहे। जिसमें आशातीत सुधार भी हुआ परन्तु राजीव गांधी का भारत को पूर्ण भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का सपना उनके असमय चले जाने के कारण अधुरा रह गया। संगठन पर मजबूत पकड करना उन्हे आता था। कांग्रेस के कैडर बिल्डिगं कार्यक्रम

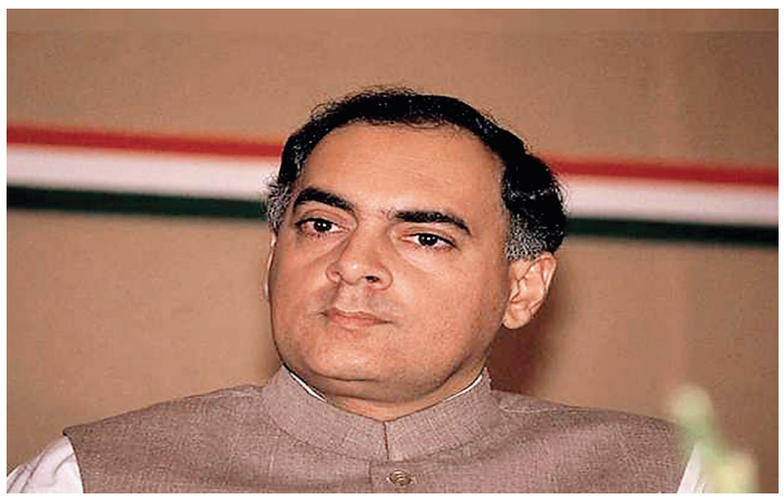

के माध्यम से उन्होने संगठन को धरातल स्तर पर मजबूत करने की कौशिश की । इस कार्यक्रम के प्रशिक्षको व कार्यकताओं से वे कांग्रेस की वास्तविक तस्वीर जान लेते थे। याकि कांग्रेस का टिकट किसे मिलना चाहिए ,कौन जीत सकता है ,किसकी छवि अच्छी है यह सब उन्हे इसी कैडर बिल्डिगं के प्रशिक्षको से पता चल जाता था। साथ ही पार्टी विरोधी लोगो और कांग्रेस से गददारी करने वालो की जानकारी भी उन्हे सहज ही हो जाती थी। जब किसी नेता को या फिर कार्यकर्ता को पार्टी में शामिल करना होता तो उसकी खुफिया जाचं भी इन्ही कैडर बिल्डिंग के लोगो से कराई जाती थी। जिसके परिणाम हमशा अच्छे रहे। वे मामूली से मामूली कार्यकर्ता को भी तरजीह देते थे। यही उनके बडप्पन का राज था। मुझे भी जिला कैडर बिल्डिंग का जिला अध्यक्ष रहते हुए व उससे पूर्व जिला महामन्त्री पद पर रहते तत्कालीन राष्ट्रीय कांगेस के संयुक्त सचिव देबा प्रसाद राय के माध्यम से तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष एवं देश के प्रधानमन्त्री राजीव गांधी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होने न सिर्फ हमें चाय पिलाई बल्कि हमसे एक एक कर जमीनी हकीकत भी जानी। राजीव गांधी ने हमें काम्प्लीमेन्ट दिया था कि हम उनके कान और आंख है। इसी तरह एक बार अखिल भारतीय स्वतन्त्रता सेनानी सगंठन द्वारा चलाये गए चरित्र निमार्ण शिविर के प्रमाण पत्रों पर बतौर कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी के हस्ताक्षर होने थे जिसके लिए चरित्र निमार्ण शिविर संयोजक पंडित ताराचन्द वत्स जो कि मेरे मामा जी थे,ने मुझे कांग्रेस अध्यक्ष के हस्ताक्षर कराने नई दिल्ली भेजा । मै उस समय के अखिल भारतीय कांगेस स्वतन्त्रता सेनानी अध्यक्ष शीलभ्रद्र याजी के पास नई दिल्ली जतंर मतंर पर गया और उनसे कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी के हस्ताक्षर कराने का निवेदन किया। वे पहले तो थोडा नाराज हुए कि एक बच्चे यानि मुझे इतनी बडी जिम्मेदारी क्यों दी गई। लेकिन फिर अपना स्नेह दिया और प्रधानमन्त्री कार्यालय फोन कर प्रधानमन्त्री राजीव गांधी से मिलने का समय मांगा। प्रधानमन्त्री कार्यालय से बताया गया कि प्रधानमन्त्री जी दक्षिण भारत की यात्रा पर है और देर रात में लौटेगे। शीलभद्रयाजी द्वारा यह अनुरोध करने पर कि जैसे ही प्रधानमन्त्री जी आए तो उन्हे बता दिया जाए। इस पर रात में ही प्रधानमन्त्री राजीव गांधी के लौटने पर प्रधानमन्त्री कार्यालय से गाडी भेजकर हमे बुलाया गया। जैसे ही हम प्रधानमन्त्री निवास पहुंचे तो शीलभद्र याजी को देखते ही राजीव गांधी ने उनका स्वागत किया और उनके पैर छूते हुए बोले दादा जी कैसे याद किया। इस पर उन्होने अपने आने का मकसद बताया तो राजीव गांधी ने न सिर्फ खुशी खुशी प्रमाण पत्रों पर अपने हस्ताक्षर किये बल्कि मुझसे क्षेत्र की जानकारी भी प्राप्त की। लेकिन राजीव गांधी की दुःखद मृत्यु के बाद आम कार्यकर्ता से बडे नेताओ का संवाद टूट सा गया है। यही कांग्रेस की कमजोरी का कारण है। कहने में गुरेज नही कि कांग्रेस में दूसरी पक्ति के नेता चुनाव के समय कांग्रेस हाईकमान को अन्धेरे में रखकर टिकटो को बेचने तक का धन्धा करते है और ऐसे अवसरवादियों और दलबदलुओं को अपने नीजि स्वार्थ के लिए टिकट दिलवा देते है जिनका पार्टी से कोई मतलब या वास्ता नही होता । अच्छा हो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस युवराज राहुल गांधी राजीव गांधी की तरह सीधे धरातल से जुडे कार्यकताओं से संवाद स्थापित करे । आम कार्यकताओं से हकीकत जाने और उनसे सीधा संवाद भी स्थापित करे ताकि आम कार्यकर्ता का मनोबल बना रह सके। राजीव गांधी ने देश में संचार क्रान्ति को चरम पर पहुंचाया और देश को सूचना प्रोधोगिकी के क्षेत्र में नई दिशा दी। तभी तो आज हर हाथ में माबाईल और हर धर में टेलीविजन नजर आता है। जो राजीव गांधी की देन है। कम्प्यूटर क्रान्ति के माध्यम से उन्होने देश को दुनिया के करीब लाने का जो काम किया है। राजीव गांधी ,जिनका रानीतिक अनुभव बहुत कम होते हुए भी उन्होने देश के निमार्ण में एक नया अध्याय लिखा और भारतीय प्रोधोगिकी और जनसंचार के क्षेत्र में भारत को बुलन्दियों पर पहुंचाने में महारथ हासिल की थी।

संपादकीय

भाजपा राहुल को धन्यवाद दे

राहुल गांधी ने लंदन जाकर भारत की राजनीति, सरकार, संघवाद, विदेश मंत्रालय आदि के बारे में जो बातें कहीं, वे नई नहीं हैं लेकिन सवाल यह है कि उन्हें विदेशों में जाकर क्या यह सब बोलना चाहिए? भारत में रहते हुए वे सरकार की निंदा करें, यह बात तो समझ में आती है, क्योंकि वे ऐसा न करें तो विपक्ष का धंधा ही बंद हो जाएगा। भारत का विपक्ष इतना टटपूंजिया हो गया है कि उसके पास निंदा के अलावा कोई धंधा ही नहीं बचा है। उसके पास न कोई विचारधारा है, न सिद्धांत है, न नीति है, न कार्यक्रम है, न जन-आंदोलन के कोई मुद्दे हैं। उसके पास कोई दिखावटी नेता भी नहीं हैं। जो नेता हैं, वे कालिदास और भवभूति के विदूषकों को भी मात करते हैं। उनकी बातें सुनकर लोग हंसने के अलावा क्या कर सकते हैं? जैसे राहुल गांधी का यह कहना कि भारत-चीन सीमा का विवाद रूस-यूक्रेन युद्ध का रूप भी ले सकता है। ऐसा मजाकिया बयान जो दे दे, उसे कुछ खुशामदी लोग फिर से कांग्रेस-जैसी महान पार्टी का अध्यक्ष बनवा देना चाहते हैं। जो व्यक्ति भारत की तुलना यूक्रेन से कर सकता है, आप अंदाज लगा सकते हैं कि उसके माता-पिता ने उसकी पढ़ाई-लिखाई पर कितना ध्यान दिया होगा? कोई जरुरी नहीं है कि हर नेता अंतरराष्ट्रीय राजनीति का विशेषज्ञ हो लेकिन वह यदि अखबार भी ध्यान से पढ़ ले और उन्हें न पढ़ सके तो कम से कम टीवी देख लिया करे तो वह ऐसी बेसिर-पैर की बात कहने से बच सकता है। भारतीय राजनीति परिवारवाद और सत्ता के केंद्रीयकरण से ग्रस्त है, इसमें शक नहीं है लेकिन उसका विरोध करने की बजाय राहुल ने भारत को विभिन्न राज्यों का संघ बता दिया। इसका अर्थ क्या हुआ? याने भारत एकात्म राष्ट्र नहीं है। ऐसा कहकर क्या अलगाववाद को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है? इसी तरह पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति की तुलना भारत से करने की तुक क्या है? भारत में कोई सरकार कभी अपनी फौज के इशारों पर नाची है? यह कहना बिल्कुल गलत है कि भारत के अखबारों और टीवी चैनलों पर भारत सरकार का 100 प्रतिशत कब्जा है। क्या आज भारत में आपात्काल (1975-77) जैसी स्थिति है? जो पत्रकार और अखबार मालिक खुशामदी हैं, वे अपने स्वार्थों की वजह से हैं। जो निष्पक्ष और निर्भीक हैं, उन्हें छूने की हिम्मत किसी की भी नहीं है। भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री पर घमंडी होने का आरोप भी लगाया जाता रहा है लेकिन यही आरोप तो आज कांग्रेस के नेतृत्व को तबाही की तरफ ले जा रहा है। हमारे विदेश मंत्रालय के अफसरों पर आक्षेप करना भी उचित नहीं है। वे अत्यंत शिष्ट और उचित व्यवहार के लिए सारी दुनिया में जाने जाते हैं। कुछ भाजपा नेताओं ने राहुल के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देने की कोशिश भी की है। वह तो जरुरी था लेकिन उससे भी ज्यादा जरुरी यह है कि भाजपा अपने भाग्य को सराहे कि उसे राहुल-जैसा विरोधी नेता मिल गया है, जिससे उसको कभी कोई खतरा हो ही नहीं सकता। भाजपा को अगर कभी कोई खतरा हुआ तो वह खुद से ही होगा।

किसकी हिम्मत, जो अंग्रेजी की हटाए?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए कई मुद्दे उठाए, जिसमें भाषा का मुद्दा प्रमुख था। राजभाषा हिंदी को लेकर पिछले दिनों दक्षिण में काफी विवाद छिड़ा था। मोदी ने यह तो बिल्कुल ठीक कहा कि सभी भारतीय भाषाओं को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए लेकिन मोदी ने यह नहीं बताया कि पिछले 75 साल में बनी सभी सरकारें क्या देश की एक भी भाषा को उसका उचित सम्मान और स्थान दिला सकी हैं। मोदी सहित सभी प्रधानमंत्रियों ने अंग्रेजी के आगे अपने घुटने टेक रखे हैं। सभी भाषाओं को अपनी नौकरानी बनाकर अंग्रेजी खुद महारानी बनी बैठी है। सरकारें चाहे कांग्रेस की हों, भाजपा की हों, जनता पार्टी की हों, समाजवादी पार्टी की हों, कम्युनिस्ट पार्टी की हों या प्रांतीय पार्टियों की हों, सभी आज तक अंग्रेजी की गुलामी करती रही हैं। उन समस्त लोकसभाओं और विधानसभाओं में कानून सदा अंग्रेजी में बनते रहे हैं, उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों के फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं, मंत्रिमंडल के सभी फैसले अंग्रेजी में होते रहे हैं और हमारी उच्च नौकरशाही अंग्रेजी की गुलामी में सबसे आगे बनी रहती है। जब मेरे मास्को, लंदन और न्यूयार्क के सहपाठी पहली बार भारत आते हैं, वे हमारे बाजारों के अंग्रेजी नामपटों को देखकर और दिल्ली में अंग्रेजी के इतने अखबारों को देखकर दंग रह जाते हैं। वे कहते हैं कि किसी भी आजाद देश में हमने ऐसी सांस्कृतिक गुलामी नहीं देखी। भारत की शिक्षा और चिकित्सा में भी अंग्रेजी छाई हुई है। जब अब से लगभग 55-56 साल पहले मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोधग्रंथ हिंदी में लिखने की मांग की थी तो भारत की संसद ठप्प हो गई थी। आखिरकार मेरी विजय हुई। जवाहरलाल नेहरु विवि में सबसे पहली पीएच.डी. लेनेवालों में मेरा नाम था लेकिन आज तक भारत के कितने विश्वविद्यालयों में कितनी पीएच.डी. हिंदी माध्यम से हुई हैं? इसी प्रकार कई स्वास्थ्य मंत्रियों ने मुझसे वादा किया कि वे मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करवाएंगे लेकिन क्या आज तक वह शुरू हुई? अदालत की कार्रवाई, वकालत और डॉक्टरी देश में ठगी के सबसे बड़े धंधे इसीलिए बने हुए है कि उन्होंने जादू-टोने का रूप ले लिया है। महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया ने अंग्रेजी की इस गुलामी के दुष्परिणामों को बहुत अच्छी तरह रेखांकित किया था। गुरु गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय और अटलजी तथा मुलायमसिंह, राजनारायण और मधु लिमये ने इस अभियान को जमकर चलाया था लेकिन आजकल के सभी नेता और सभी दल वोट और नोट के खेल में मदमस्त हो रहे हैं या भाषाई मुद्दे पर उनकी समझ इतनी सतही है कि इस मर्ज का असली इलाज उनकी अक्ल के परे है। उनके लिए मेरा एक ही मंत्र है- अंग्रेजी को मिटाओ मत लेकिन अंग्रेजी को हटाओ। अगर आप उसे हटा सके तो हिंदी एवं समस्त भारतीय भाषाएं तो अपने आप सम्मान पा जाएंगी।

युद्ध का अंजाम

सिद्धार्थ शंकर

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है और किसी को नहीं पता है कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा लेकिन यह करीब-करीब साफ है कि रूस अभी नहीं जीत रहा है। रूस अब तक यूक्रेन की सरकार को बदलने और कीव पर कब्जा करने में नाकाम रहा है और अब तो रूस यूक्रेन के पूर्वी भाग के कुछ इलाकों में सिमटकर रह गया है। इतना ही नहीं रूस को यूक्रेनी सेना को पीछे धकेलने में भी मुश्किलें आ रही हैं। तो क्या यूक्रेन युद्ध जीत रहा है? यूक्रेनी सेना ने बेहद चतुराई से काम किया है और रूसी सेना की कमजोरियों पर वार कर फायदा उठाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौलिक स्तर पर पुतिन पहले ही हार चुके हैं। जिस तरह से रूसी सेना ने यूक्रेन को नुकसान पहुंचाया है उसे डॉक्यूमेंट किया गया है लेकिन यूक्रेनी सेना ने रूसी सेना को कितना नुकसान पहुंचाया है यह बेहतर तरीके से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया है। यह सच है कि कई जगहों पर यूक्रेनी सेना पीछे हटी थी लेकिन अब उन जगहों पर फिर एक बार यूक्रेनी सेना का नियंत्रण है। इसमें पूर्वी यूक्रेन का हिस्सा शामिल नहीं है क्योंकि वहां अभी भी रूसी सैनिक बड़े हिस्से में जमे हुए हैं। युद्ध में कई बार ऐसी स्थितियां बन जाती हैं जब किसी भी पक्ष की हार या जीत नहीं होती है। बराबरी पर छूट जाता है। ऐसे हालात में यह संभव है कि किसी पक्ष का अधिक नुकसान हुआ हो और किसी का कम लेकिन जीत या हार किसी की नहीं होती। विश्लेषकों का कहना है कि अगर यूक्रेन डोनबास में मौजूदा रूसी आक्रमण का सामना कर सकता है, तो यूक्रेनियन अगले कुछ हफ्तों में अपने जवाबी हमले को तेज कर देंगे। ऐसा लगता है कि रूस ने जो एज हासिल किया था उसे खो रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि वह किस पॉइंट पर आगे बढना बंद कर देंगे और क्या यूक्रेनी सेना उन्हें पीछे धकेल सकेगी? नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक और सामरिक सहायता से युद्ध अनिर्णय की दिशा में बढ़ता जा रहा है। किसी की जीत-हार होती नहीं दिख रही है। पर युद्ध जितना लंबा खिंचता जा रहा है, उसकी उतनी ही पीड़ा मानवता को भोगनी पड़ रही है। अभी तक का तथ्य तो यही है कि युद्धों ने दुनिया और सभ्यता को नुकसान तो बहुत पहुंचाया, परंतु कोई भी ताकतवर अपने से भिन्न मत या कमजोर शक्ति वाले को समाप्त कभी नहीं कर पाया। भारत के अतीत में देखें तो कृष्ण और जरासंध के बीच युद्ध हुआ, पर भगवान माने जाने वाले कृष्ण की जीत के बाद भी जरासंध के अनुयायी या मानने वाले अभी भी अच्छी खासी संख्या में मौजूद हैं। कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट संप्रदाय के बीच युद्ध हुए, मगर आज भी दोनों ही मतों को मानने वाले मौजूद हैं। शिया और सुन्नी संप्रदाय के बीच युद्ध हुए। लाखों लोग मारे गए। इसके बाद भी दोनों मत को मानने वालों की तादाद कम नहीं है। रंगभेद और नस्लभेद के नाम पर दुनिया में कई युद्ध और गृह युद्ध हुए। पर अंतिम निर्णय के दृष्टिकोण को स्वीकार करें तो इनका परिणाम शून्य है। इसके बावजूद दुनिया के सभ्य कहे जाने वाले मुल्क या समुदाय युद्ध क्यों करते हैं, यह खोज का विषय भी है और समझने का भी। एक विदेशी इतिहासकार ने दुनिया के इतिहास और युद्धों का अध्ययन कर बताया कि पिछले लगभग साढ़े तीन हजार वर्षों में दो सौ साठ साल ही ऐसे रहे हैं जिनमें कोई युद्ध नहीं हुए हैं। वरना दुनिया आपस में लड़ती रही है। रूस ने यूक्रेन पर युद्ध थोपा है। वह कितना क्रूर और भयावह है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। भले ही संयुक्त राष्ट्र के नियम कहते हों कि आवासीय क्षेत्र या निहत्थे लोगों पर हथियार इस्तेमाल नहीं होने चाहिए, पर रूस यूक्रेन को घुटने टेकने के लिए नागरिक क्षेत्रों पर लगातार बम बरसा रहा है। लगभग पचास लाख लोग यूक्रेन से पलायन कर गए हैं और शरणार्थी जीवन जी रहे हैं। निहत्थे नागरिक जिनका कोई हाथ न युद्ध के कराने में हैं, न जिनकी कोई युद्ध की आकांक्षा, वे सभी इस युद्ध का शिकार हो रहे हैं। हजारों बच्चे मारे गए हैं। युद्ध के नाम पर यह क्रूरता अभूतपूर्व है। तीन महीने हो चुके हैं जंग को चलते हुए, पर इसका अंत नजर नहीं आ रहा। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह युद्ध दुनिया को नए सामरिक संतुलन व संगठन बनाने के लिए थोपा गया है। साथ ही एक और नए शीत युद्ध की शुरूआत भी इससे हो गई है।

(धर्म पर हावी सियासत) होगा देश का....? एक मिट्टी का तेल छिड़क रहा.... दूसरा चिंगारी ढूँढ रहा....!

ओमप्रकाश मेहता

आजादी के बाद शायद पहली बार आज भारत एक अजीब दौर से गुजरने को मजबूर है, जहां एक सियासी दल कथित तौर पर देश में मिट्टी का तेल छिड़क रहा है, तो दूसरा दल चिंगारी खोज रहा है, आखिर ऐसी स्थिति में इस देश का भविष्य क्या होगा? यह अहम चिंता आज देश के 'कर्णधारों' को नहीं बल्कि आम देशवासी की है, जो अपने जीवन यापन सहित कई अन्य समस्याओं से जूझ रहा है, आज की सियासत जहां धर्म का सहारा लेकर अगले पच्चीस साल तक सत्ता में बने रहने का सुनहरा ख्वाब देख रही है, वहीं इसी घिनौनी सियासत के कुछ स्वार्थी शोले पूरे देश को साम्प्रदायिकता के दावानल में पूरे देश को झौंकने की कोशिश कर रहे हैं आखिर इस देश का ऐसे में भविष्य क्या होगा?

आज देश में धर्मान्धता इतनी अधिक हावी हो गई है कि अब देश के हर मंदिर-मस्जिद को शक की नजर से देखा जाने लगा है और हर सियासी नेता मंदिर-मस्जिद में जाकर 'पुरातत्व शास्त्री' बनने की कोशिश कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाह रहा है। उसे हर मंदिर- मस्जिद में छद्म धर्म नजर आने लगा है, जिसके सहारे वह अपनी सियासी स्वार्थ सिद्धी करना चाहता है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि दो दशक पहले अयोध्या-बाबरी मस्जिद के चलते भी सियासत इतनी हावी नहीं हो पाई थी, जितनी की आज ज्ञानवापी के मुद्दें पर हावी हो रही है, अभी तो आगे मथुरा तथा अन्य आराध्य स्थालों पर भी सियासी नजर है, यही नहीं यह सिलसिला कहां जाकर थमेगा? इसका उत्तर भी किसी के भी पास नहीं है, क्योंकि अभी तो यह

सिलसिला उत्तरप्रदेश में ही पूरा नहीं हो पा रहा है, मध्यप्रदेश व अन्य प्रदेशों के धार्मिक स्थलों की बारी कब आएगी, कुछ भी नहीं कहा जा सकता, जबकि आज से इक्कत्तीस साल पहले 1991 में संसद द्वारा पारित ह्यह्यपूजा कानूनह्लह्ल ने सिर्फ अयोध्या प्रसंग को ही इस कानून की बाध्यता से छूट दी थी बाकी तो किसी भी विवाद को इस कानून के दायरे से बाहर नहीं रखा था, जिससे ज्ञानवापी, मथुरा आदि सभी शामिल है, किंतु उस कानून को लागू करके उसके तहत कार्यवाही करने वाली सरकार ही कुछ नहीं कर उसमें अपनी सियासत देख रही हो तो, इसे क्या कहा जाए? फिर देश का रक्षक कौन?

आज इक्कत्तीस साल पहले (1991) में संसद ने जो कानून पारित किया था, उसमें कहा गया था कि देश के स्वतंत्रता दिवस अर्थात पन्द्रह अगस्त 1947 के बाद देश की किसी भी धार्मिक पुरातात्विक धरोहर के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी, न ही उसे विवाद का मुद्दा ही बनाया जाएगा और यदि किसी ने इस दिशा में कोई प्रयास किया तो उसे उक्त कानून के तहत दण्डित किया जाएगा, अब यह तो सही है कि उस कानून की ज्ञानवापी की आड़ में धज्जियां तो उड़ाई जा रही है, किंतु ऐसे दोषियों को दण्डित कौन करें? जब दण्ड देने वाला ही इस अपराध के दोषियों में शामिल हो? इसीलिए इस मसले पर पूरा देश चिंतित और परेशान है।....और यह भी सही है कि अभी इस सिलसिले को नहीं रोका गया तो यह सिलसिला कहाँ-कहाँ तक पहुंचेगा, इसकी फिलहाल कल्पना भी मुश्किल है? शायद देश का कोई भी प्रमुख सियासी या धार्मिक शहर इससे वंचित नहीं रह पाएगा? फिर क्या होगा? क्या इसी माहौल के साये में हम हमारी आजादी की 'पचहत्तरवीं' (हीरक) जयंती मनाएगें?

इसके साथ ही सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि इस सियासी व मजहबी छूत के रोग को रोकने का अब तक किसी ने भी प्रयास नहीं किया, उल्टे इसके विस्तारण की दिशा में ही प्रयास किये गये है? जबकि देश पर शासनारूढ़ राजनीतिक दल व उसके सियासतदारों को यह करना चाहिये? ऐसे माहौल को लेकर यदि कोई एकमात्र सर्वाधिक चिंतित वर्ग है तो वह देश का आम नागरिक है, जिसे अपने साथ देश की भी चिंता है।

अब यही हर किसी की समझ से बाहर है कि मिट्टी का तेल छिड़के इस देश को चिंगारी से कैसे बचाया जाए? और यह पुनीत कार्य करे कौन?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाऐगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

मृतिका के परिजनों को मिला आपदा अनुग्रह राशि का चेक

मदरलैण्ड संवाददाता, छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के छपिया पंचायत के फेनहरा गद्दी गांव में गत दिनों तेज आंधी-पानी में करकट गिरने से सोनालाल प्रसाद की 32 वर्षीय पत्नी मानती देवी की मौत हो गई थी। मृतिका के परिजनों को आपदा विभाग से मिलने वाली चार लाख रुपये सहायता राशि का चेक शनिवार की रात्रि प्रदान किया गया। जिलाधिकारी राजेश मीणा के निर्देश पर इसुआपुर सीओ पुष्पक कुमार व बीडीओ संतोष कुमार मिश्रा ने रात्रि में मृतका के घर पहुंचे और छपिया पंचायत के मुखिया सह इसुआपुर मुखिया संघ के अध्यक्ष वीणा देवी के प्रतिनिधि मिथिलेश राय की उपस्थिति में सीओ व बीडीओ ने मृतिका के पति सोनालाल प्रसाद को चार लाख रुपये का चेक तथा 20 हजार रुपये परिवारिक लाभ योजना तथा तीन हजार रुपये कबीर अंत्योष्टि के तहत नगद प्रदान किया गया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है।

पटना में गंगा स्नान के दौरान बड़ा हादसा चार युवक नदी में डूबे, दो शव बरामद, मचा कोहराम

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। राजधानी पटना जहां गंगा में स्नान करने के लिए गये आधा दर्जन युवक नदी में डूब गये. इनमें दो युवकों ने फौरन खुद को बचा लिया लेकिन बाकी के चार युवक डूब गये. गहरे पानी में जाकर डूबे चार युवकों में दो की मौत की पुष्टि हो चुकी है. दोनों के शव बरामद किये गये हैं. वहीं बाकी दो की खोज गोताखोरों के जरिये की जा रही है.पटना के गांधी मैदान में खेलने गये आधा दर्जन युवक क्रिकेट खेलने के बाद गंगा की ओर चले गये. सभी 6 दोस्त पास के ही राजापुल स्थित गंगा घाट चले गये. यहां अचानक एक युवक गहरे पानी में जाने के कारण डूबने लगा. जिसे बचाने के दौरान एक के बाद एक करके सभी युवक डूबने लगे. जिसमें दो युवकों ने किसी तरह अपनी जान बचायी लेकिन चार युवक डूब गये. चारो युवक गहरे पानी में जाकर डूब गये. बताया जा रहा है कि चारो युवक पुलिसकर्मी के पुत्र हैं. वहीं आनन-फानन में गोताखोरों को मौके पर बुलाया गया. दो युवकों के शव बरामद किये गये हैं. जबकि दो युवकों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है. वहीं घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सेंधमारी कर लाखों के जेवर व पैसे पर चोरों ने किया हाथ साफ

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। फतुहा में इन दिनों हो रही चोरी की घटनाओं से पुरे इलाके में दहशत का माहौल है. फतुहा थाना क्षेत्र के बांकीपुर मुहल्ले में शुक्रवार की रात्रि चोरों ने सेंधमारी कर एक घर से लाखों के समान पर हाथ साफ कर दिया है. इस संबंध में पीड़िता शोभा देवी ने बताया कि दो महीने पहले वे और उनके पति रोजी-रोटी के लिए पंजाब के लुधियाना चले गए थे. इसी क्रम में पड़ोसी द्वारा पता चला कि चोरों ने उनके घर में सेंधमारी कर चोरी किया है. आनन फानन में वे दो दिनों के बाद अपने घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. पीड़िता के अनुसार डेढ़ लाख के जेवर, 30 हजार नगद, एलसीडी टीवी, चूल्हा एवं अन्य कई समान शामिल हैं. बताते चलें कि कुछ दिनों पहले भी मोसिमपुर कुरथा मुहल्ले में भी बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया था, जिसका उद्भेदन भी अभी तक नहीं हुआ है और यह दूसरी चोरी की भी घटना घट गई है जिससे लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए है. लोगों ने बताया कि इलाके में पुलिस पेट्रोलिंग भी अच्छे से नहीं होती है. वही पुलिस इस पुरे मामले की छानबीन कर रही है!

लोकल से भोकल हो रहे हैं मुखिया जी सोशल मार्केटिंग के जरिए, तो पंचायत कई वर्ष पीछे

मदरलैण्ड संवाददाता, बाँका। पंचायत चुनाव 10 माह बीतने को आए हैं। लेकिन रजौन प्रखंड में 18 पंचायत के मुखिया जी 10 माह में 10 कदम भी नहीं चल पाए हैं। दरअसल सरकारी योजनाएं मुंह बाए खड़ी है तो मुखिया जी अपनी किस्मत सोशल मार्केटिंग के जरिए चमकाने में व्यस्त हैं। साहिब के पास झूठ की इतनी समंदर है जनता रूपी जहाज को वह कभी हिचकोले मार कर निकल जाते हैं। दरअसल इस बार लोगों को पंचायत में एक विकास की नई उम्मीद जगी थी। और जनमानस ने बदलाव के बयार में कई मुखिया दनादन विकास की आस में बदल डाला दरअसल सत्तासीन सरकार के इस बार इतने मुखिया जी हैं। और सभी मुखिया जी कोई न कोई सोशल मार्केटिंग से लगभग जुड़े हुए हैं। हुजूर अब ऐसे में कहना लाजमी होगा तो ऐसे में आपने लोगों को छला है कहीं कोई दाग नहीं है। इन मुखिया जी के पंचायत के हर गांव में हर एक मोहल्ले में युवा पर पकड़ कर सोशल मार्केटिंग। सत्तासीन सरकार कहती है। विकास कीजिए तो मुखिया जी अपना विकास कर रहे सत्तासीन के बात पर चल रहे हैं। क्षेत्र के कई ऐसे स्कूल हैं जहां शौचालय नहीं है। ऐसे में कक्षा आठवीं तक वहां जरूर कर दी गई है। जहां गांव की बेटी भी आठवीं क्लास की पढ़ाई करने जाती है। और उनके सामने शौचालय का विकट समस्या उत्पन्न हो चुका है। हमने इस संदर्भ में कई पंचायत के कई स्कूलों के प्रधानाध्यापिका से बात की तो बताया कि उन्होंने मुखिया, जिला पार्षद, शिक्षा अधिकारी, अंचलाधिकारी तक के कार्यालय में आवेदन तक पहुंचा दिया है लेकिन नतीजा अब तक का वही ढाक के तीन पात, दरअसल सूत्र बताते हैं कि स्कूल में शौचालय और घेराबंदी की पैसा जरूर आया था। लेकिन विगत 10 से 15 वर्ष पूर्व वह राजनीति और जातिवादता की भेंट चढ़ गई। फिलवक्त यहां जनता को दोनों मुखिया में से कोई भी पंचायत के प्रति विकास की उम्मीद नहीं देख सकते हैं। पिछले मुखिया जी भी अपने बारे में सोच गए तो भला नया मुखिया जी तो उनस दो कदम आगे समेटने को अभी से तैयार। मार्केटिंग से अपनी किस्मत चमका रहे हैं। फिर पंचायत का आपको इतिहास मालूम नहीं भूगोल मालूम नहीं। नो उल्लू बनाए मुखिया जी यह जमता है यह सब जानती है। यह जब अपने पर आती है ना तो अच्छे-अच्छे को फर्श से अर्श पर ला देती है। दरअसल सत्तासीन सरकार को ऐसे मुखिया की एक लिस्ट बनानी चाहिए। और फौरन उन्हें अपने अपने पंचायत के प्रति एक जिम्मेदारी सौंपने चाहिए। जिससे कम से कम सरकार और सत्तासीन की मिट्टी पलीत ना हो सके। हालांकि उड़ती हवाओं में पटना से एक खबर जरूर आई है। जिन मुखिया जी के 1 साल बीत गए हैं उनके द्वारा किया गया विकास कार्यों को मंगाया जा रहा है। जिससे पार्टी का लेखा-जोखा किया जा सके अब ऐसे में कहना लाजमी होगा कि इस बार कई नए मुखिया जी पर बिजली गिरने वाली है। अब ऐसे में कई नवनिर्वाचित मुखिया जी के माथे पर चिंता की लकीरें खींचने लगी है। दरअसल पार्टी ने ऐसे मुखिया जी के लिस्ट पहले ही कई तैयार कर लिए हैं। जिन्होंने विगत चुनाव में सत्ता सीनस सरकार के पार्टी का मिट्टी पलीत करना नहीं छोड़ा।

लालू यादव के ठिकानों पर उइक की छापेमारी को लेकर सीएम नीतीश दी प्रतिक्रिया

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। जमीन के बदले रेलवे में नौकरी दिये जाने के मामले में सीबीआइ ने शुकवार को लालू-राबड़ी के 16 ठिकानों पर छापेमारी की. जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारे में भूचाल आ गया. राजद ने भाजपा सरकार पर हमला किया तो भाजपा लालू परिवार पर हमलावर थी. तरह-तरह के तर्क इस छापेमारी को लेकर सामने दिखे. वहीं अब सीएम नीतीश कुमार ने इस छापेमारी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

लालू यादव के ठिकानों पर हुए रेड को लेकर बोले सीएम

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को मीडिया से सवाल-जवाब के क्रम में लालू यादव के ठिकानों पर हुई सीबीआई रेड के ऊपर अपनी प्रतिक्रिया दी. मीडिया ने नीतीश कुमार से यह सवाल किया कि लालू यादव के ठिकानों पर जो छापेमारी की गयी है उसे बदले की भाव से देखे जाने का आरोप है. जिसपर नीतीश कुमार ने भी प्रतिक्रिया दी. सीएम इस विषय को कुछ भी राय देने से किनारे दिखे. उन्होंने कहा कि इस छापेमारी को लेकर वो कुछ नहीं कह सकते. इसके बारे में वहीं जानकारी दे सकते हैं जो रेड कर रहे हैं.

क्या है मामला

बता दें कि रेलवे में जमीन के बदले में नौकरी दिये जाने के मामले को लेकर लालू-राबड़ी समेत अन्य के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गयी. लालू प्रसाद पर अपने कार्यकाल 2004 से 2009 के दौरान जमीन लेकर रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरी देने को लेकर सीबीआइ ने मुकदमा दर्ज किया है. लालू प्रसाद के बतौर रेलवे मंत्री के पांच साल के कार्यकाल में यह तीसरा केस दर्ज हुआ है और रेलवे से जुड़े दो बड़े घोटाले सामने आये हैं. वहीं इस मामले में आगे भी पूछताछ की जा सकती है.

पेट्रोल-डीजल के रेट और राज्यसभा चुनाव पर बोले सीएम

गौरतलब है कि रविवार को सीएम नीतीश कुमार जदयू कार्यालय पहुंचे थे. मुख्यमंत्री यहां मीडिया से मुखातिब हुए. सीएम ने इस दौरान राज्यसभा चुनाव में जदयू प्रत्याशी को लेकर किये गये सवाल का भी जवाब दिया. वहीं केंद्र सरकार के द्वारा पेट्रोल-डीजल के उत्पाद शुल्क में की गयी कमी को लेकर भी बात की. बिहार में पेट्रोल-डीजल की कीमत से जुड़े फैसले पर भी आगे का कदम बताया. वहीं लालू यादव के यहां हुए रेड पर भी बात की.

पटना में खोदी गई सड़कें 31 तक दुरुस्त नहीं हुईं तो नपेंगे अधिकारी; डिप्टी सीएम

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-नगर विकास एवं आवास मंत्री तार किशोर प्रसाद ने दो टूक कहा है कि यदि पटना में खोदी गई सड़कें 31 मई तक दुरुस्त नहीं की गईं तो दोषी अफसरों पर कड़ी कार्रवाई होगी। डिप्टी सीएम ने मुख्य सचिवालय के सभागार में पटना नगर निगम के सभी अंचलों, फुलवारीशरीफ और दानापुर नगर परिषद के अंतर्गत मानसून पूर्व तैयारी को लेकर समीक्षा करते हुए अधिकारियों से यह बात कही। यह भी निर्देश दिया कि जलजमाव के निदान और नाला उड़ाही, साफ-सफाई में कोताही बरतने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि 31 मई तक नमामि गंगे के अंतर्गत काटी गई सड़कों को हर हाल में मोटरेबल करते हुए पथ निर्माण विभाग को हैंडओवर करें, ताकि सड़कों का निर्माण किया जा सके। इसके लिए संबंधित एजेंसी को भी सख्त निर्देश दिया कि विभाग के अधिकारी पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं के साथ समन्वय स्थापित कर जैसे-जैसे सड़कें मोटरेबल होती जाएं, वैसे-वैसे हैंडओवर की भी कार्रवाई करें। इसे अविलंब कार्य रूप देना सुनिश्चित करें।

मुखिया प्रत्याशी के में पक्ष में निकाला गया मोटर साइकिल महारैली

» मदरलैण्ड संवाददाता

लातेहार। बालूमाथ प्रखंड के बालूमाथ सदर पंचायत क्षेत्र के मुखिया प्रत्याशी नरेश लोहरा ने पंचायत क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले बालूमाथ, अम्बेदकर नगर, रहमतनगर, चांदनी चौक, तेलीटोला, बसरिया टोला, गालिब कोलनी, भामाशाह चट्टीटोला , दुलवाही, बड़काबालूमाथ दिवाकरनगर, झरिवाटोला, आदि क्षेत्रों में अपने सैकड़ों समर्थको के साथ मोटर साइकिल महारैली निकाल कर अपने पक्ष मे जमकर प्रचार किया। तथा धुआधार सघन जनसंपर्क अभियान चलाया और अपने क्रमसंख्या दो चुनाव चिन्ह गुब्बारा बैलुन छाप में मुहर लगाते हुए मतदान करने की अपील की। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत लातेहार जिले के बालूमाथ प्रखडों में तीसरे चरण में 24 मई दिन मंगलवार को मतदान होना है। मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर गांव कस्बों को सड़क से जोड़ना शिक्षा, पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाना और हर गरीब को प्रधानमंत्री आवास दिलाना क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को तत्काल खत्म करना पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए अपना मत अपने चुनाव चिन्ह पर देने की अपील की। इस दौरान उनके साथ हजारो की संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद रहे और वे आज भी अपने प्रत्याशी नरेश लोहरा के पक्ष मे सक्रिय भूमिका निभा रहे है ।

तीन दिन में ही विधवा हो गई दुल्हन, घर मे मचा कोहराम

तीन दिन पहले जहां मंगल गीत की गूंज थी, वहां चित्कार सुनाई दे रही है

» मदरलैण्ड संवाददाता

छपरा। तरैया मे तीन दिन पहले जिस घर में शहनाई गूंज रही थी, आज उस घर में मातम छा गई है। जहां मंगल गीत की गूंज थी, वहां चित्कार सुनाई दे रही है। दुल्हन की मेहंदी का रंग अभी फीका पड़ा ही नहीं कि उससे पहले उसका सुहाग उजड़ गया। अचानक दूल्हे की तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। घटना तरैया थाना क्षेत्र के चंचलिया गांव की है। रिश्तेदारों से भरे घर में अचानक आई विपदा हर किसी को मर्माहत कर गई है।

16 मई की रात गई थी बरात

रघुनाथ राय के पुत्र सुदीश कुमार राय की शादी 16 मई को छपरा के मेहिया माला के मोहरी गांव निवासी उत्तम राय की पुत्री संगीता के साथ हुई थी। 17 को दुल्हन को लेकर बरात आई। घर में खुशियों का माहौल था। इसी क्रम में 18 मई की रात में अचानक दूल्हे की तबीयत खराब हो गई। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर रेफरल अस्पताल तरैया पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने दूल्हे का प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। वहां से उपचार के एक दिन बाद चिकित्सकों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया। पीएमसीएच में उपचार के दौरान 20 मई को दूल्हे की मौत हो गई।

मिर्गी की बीमारी का कराया गया था इलाज

घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। उससे पूरा गांव में मातम छाया हुआ है। दूल्हे की मां बदहवास है। वहीं दुल्हन रो-रोकर बेसुध पड़ी हुई है। शादी समारोह में आए सभी संगे संबंधी अभी वापस अपने घर नहीं लौटे थे, क्योंकि उसी घर में दूल्हे के चचेरे भाई की भी 26 मई को शादी होने वाली है। लेकिन शादी का माहौल गम में बदल गया है। दूल्हे के परिजनों ने बताया कि 2009 में मैट्रिक उत्तीर्ण होने के बाद उनको मिर्गी की बीमारी हो गई थी। पीएमसीएच में उपचार के बाद वे बिल्कुल ठीक हो गए थे। उसके बाद जीविकोपार्जन के लिए बंगलुरु चले गए थे। वहां से आने के बाद घर पर मजदूरी और खेती करते थे। इस बीच शादी तय हुई और तय तिथि पर शादी भी हुई। लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। तीन दिन में हीं दुल्हन की सुहाग उजड़ गई।

महायज्ञ से होता है कल्याण, जीवन में आती है पवित्रता, दौलतपुर गांव में

श्री श्री 1008 महाविष्णु यज्ञ का हुआ समापन

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। महायज्ञ के आयोजन से जन मानस का कल्याण होता है. लोगों के जीवन में पवित्रता आती है.वातावरण में शांति आती है, वायु प्रदूषण समाप्त हो जाता है.क्षेत्र समृद्ध होता है. इसलिए समय समय पर यज्ञ जरूरी है.यह बातें बिहार सरकार के पूर्व समाज कल्याण मंत्री सह जदयू नेत्री कुमारी मंजू वर्मा ने शनिवार की देर संध्या कहीं. वे दौलतपुर गांव में पिछले 12 मई से हो रहे श्री श्री 1008 महाविष्णु यज्ञ के समापन के मौके पर उन्होंने कहा कि मनुष्य को आस्तिक होना चाहिए.संसार के सृष्टि कर्ता व पालनकर्ता परमात्मा के प्रति हमें कृतज्ञ होना चाहिए, क्योंकि उनकी मर्जी के खिलाफ कोई कार्य नहीं हो सकता.पूर्व मंत्री ने कहा कि महाविष्णु यज्ञ के सफल आयोजन के लिए पूरे दौलतपुर पंचायत वासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया.उन्होंने कहा कि इस पंचायत के गरीब गुरवे लोगों ने जन सहयोग से महाविष्णु यज्ञ का आयोजन किया और इसे सफल बनाया.इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय तो कम ही होगी.इस मौके पर प्रखंड प्रमुख संजू देवी ने कहा कि इतने बड़े आयोजन में किसी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई, यह यहां के लोगों के जागरूक मानसिकता का परिचायक है. उन्होंने स्थानीय प्रशासन को भी इसमें सहयोग करने के लिए आभार प्रकट किया. वहीं पंचायत के मुखिया उमा कुमार चौधरी ने महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए क्षेत्र वासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया. पूर्व मुखिया सुरेंद्र पासवान ने कहा कि जिस क्षेत्र में यज्ञ का आयोजन होता है, वह क्षेत्र इतिहास के पन्नों में अंकित हो जाता है. समापन कार्यक्रम में सरपंच भोला पासवान, समाजसेविका कुमारी ममता भारती, जदयू नेता चन्द्रशेखर वर्मा, मनीष कुमार, महेश कुशवाहा, पूर्व मुखिया उदयचन्द्र झा, माकपा नेता शंभू सुमन ठाकुर, सेवानिवृत्त शिक्षक रामकृष्ण पोद्दार, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत उर्फ गोपाल पासवान समेत अन्य युवा मौजूद थे. वहीं यज्ञ के व्यवस्थापक अरविन्द पासवान व जयमंगली दासी के द्वारा आगत अतिथियों को चादर एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया.

बताते चलें कि दौलतपुर पंचायत के दलित बाहुल्य मुहल्ले के लोगों ने इस महाविष्णु यज्ञ का आयोजन किया था.पिछले 12 मई को इस यज्ञ के लिए निकाली गयी कलश शोभायात्रा में सैकड़ों कन्याओं ने भाग लिया था.गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी थी, जिसमें क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई थी.इस महायज्ञ के दौरान नवाह यज्ञ भी किया गया, जिसमें क्षेत्र के कीर्तन मंडलियों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.पूरा क्षेत्र ग्यारह दिनों तक भक्ति के वातावरण से सराबोर रहा. इस महायज्ञ में बच्चों के मनोरंजन के साधन भी लगाए गए थे, जिसका लोगों ने जमकर आनंद उठाया. यज्ञ स्थल पर विभिन्न देवी देवताओं की आकर्षक प्रतिमा भी लगवाई गयी थी, जिसकी लोगों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की. कलश विसर्जन के साथ इस महायज्ञ की पूणार्हुति की गयी. कलश विसर्जन शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गयी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया.

बुथ मजबूत चिराग मजबूतः- रंजीत यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। फतुहा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और प्रदेश अध्यक्ष राजु तिवारी के निर्देश पर पटना पुर्वी लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) के जिला अध्यक्ष रंजीत यादव के नेत्रत्व में जिला संगठन की समीक्षा बैठक किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में संजय चौधरी शामिल हुए जिसमें कुछ कार्यकताओं पार्टी जिम्मेदारी दिया गया समीर कुमार उपाध्यक्ष, दिपशकल पासवान महासचिव रघुवीर सिंह राना उपाध्यक्ष, संदीप पासवान उपाध्यक्ष, संजीत पासवान सचिव अठमल गोला प्रखंड अध्यक्ष संदीप पासवान, बाढ़ प्रखंड अध्यक्ष सुभाष पासवान, बाढ नगर अध्यक्ष अनीकेत देव आदि सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए और पार्टी को पंचायत और वुथ अस्तर तक मजबूत करने को लेकर पार्टी के कार्यकताओं ने संकल्प लिया और राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और प्रदेश अध्यक्ष राजु तिवारी के हाथों मजबूत करने का संकल्प लिया।

बिहारः 70 फीसदी पंचायतों में वित्तीय लेन-देन पर लगी रोक

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। बिहार की 70 फीसदी पंचायतों में वार्ड क्रियान्वयन समिति के वित्तीय लेन-देन पर रोक लगा दी गई है। पंचायत चुनाव के बावजूद वार्ड क्रियान्वयन समिति गठित नहीं होने के कारण पंचायती राज विभाग ने यह निर्णय लिया है। विभाग के निदेशक रणजीत कुमार सिंह की ओर से इस बाबत सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा गया है।पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पंचायत चुनाव परिणाम आने के बाद नवगठित वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति को ही महत्वपूर्ण संचिका कागजात, रोकड़पंजी, वित्तीय लेन-देन आदि का काम करना है। चुनाव होने के पूर्व से बनी वार्ड क्रियान्वयन समिति को यह काम करने का अधिकार नहीं है। पंचायत चुनाव से पहले बनी वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति द्वारा किसी प्रकार के वित्तीय लेन-देन को अवैध माना जाएगा।

अगर राज्य की किसी भी पंचायत में ऐसे मामले की जानकारी मिलती है, तो कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिलों से प्राप्त आकड़ों के अनुसार अद्यतन नवगठित मात्र 30 प्रतिशत वार्डो का ही लेखा-जोखा एवं अन्य अभिलेखों का हस्तातंरण किया गया है। विभाग ने इस स्थिति को चिंताजनक माना है। कहा गया है कि सभी वार्डों में समिति गठित नहीं होने से विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं रखरखाव में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी इस स्थिति को देखते हुए ही तय किया गया है कि नवगठित वार्ड क्रियान्वयन समिति को ही वित्तीय लेन-देन का अधिकार दिया जाए। जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वे सुनिश्चित कराएं कि नवगठित वार्ड क्रियान्वयन प्रबंधन समिति के माध्यम से ही वित्तीय लेन-देन व अन्य महत्वपूर्ण कार्य संपादित हो। विभाग ने इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कराने को कहा है ताकि पुरानी समितियों के द्वारा किए जा रहे कार्य पर अविलंब रोक लगाई जा सके।

वार्ड क्रियान्वयन समिति में मूल रूप से वार्ड सदस्य निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। समिति के अध्यक्ष वार्ड सदस्य ही होते हैं। हरेक समिति में एक वार्ड सचिव होता है। समिति में छह सदस्य होते हैं जिनमें महिलाओं की सहभागिता अनिवार्य है। समिति के सदस्यों का चयन आपसी सहमति के आधार पर वार्ड सदस्य करते हैं।

यह है काम

वार्ड क्रियान्वयन समिति के जिम्मे सरकार के दो निश्चय योजना नल-जल और गली-नाली पक्कीकरण योजना का क्रियान्वयन करना है। साथ ही इस योजना में हुए काम के रखरखाव का जिम्मा भी इसी समिति के पास है। नल-जल योजना में अनुरक्षण नीति का भी प्रावधान है। वार्ड सदस्य इसके अनुरक्षक होते हैं। उनको जिम्मेवारी होती है कि वे सुबह-शाम तय समय पर पानी चलवाना सुनिश्चित करें।

समिति को मिलने वाली राशि

नल-जल व गली-नली पक्कीकरण योजना के क्रियान्वयन के लिए हर वार्ड को औसतन 15 लाख दिए गए हैं। अनुरक्षण नीति के कारण हर वार्ड समिति को नल-जल योजना में रखरखाव के लिए दो हजार मासिक दिया जाता है। समिति के अध्यक्ष यानी वार्ड सदस्य को सरकार की ओर से दो हजार रुपए मासिक दिया जाता है। वहीं नल-जल योजना में हर घर से 30-30 रुपए मासिक की वसूली लाभुकों से करनी है। अनुरक्षक होने के नाते इस राशि का आधा पैसा वार्ड सदस्य को मिलता है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

जदयू महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षा बनी आशा सुमन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। जदयू के महिला मोर्चा के प्रखंड अध्यक्षा सह जिलापार्षद आशा सुमन को बिहार प्रदेश जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्षा श्वेता विश्वास द्वारा कटिहार जिला जदयू के महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षा बनाया गया।आशा सुमन को जिलाध्यक्षा बनाए जाने पर बधाई देने वालो का तांता लग गया।वहीं इस दौरान बधाई देते हुए जदयू के कदवा प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश भगत,जदयू नेता अंजार आलम,बिजय कुमार दास आदि ने आशा सुमन को जिलाध्यक्षा मनोनीत किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आशा सुमन जिलाध्यक्षा बनाए जाने पर संगठन को मजबूती मिलेगी। वहीं आशा सुमन को जदयू महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष बनाए जाने में बधाई देने वालों में जदयू नेता चंदन भगत,श्रवण साह,बेबी पाण्डे,सुनीता कुमारी,राजश्री पाण्डे,सविता देवी,लिपी कुमारी,मनीषा कुमारी,मनोज कुमार भारती सहित दर्जनों जदयू नेताओं एवं कार्यकताओं ने प्रदेश महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्षा को धन्यवाद व आशा सुमन की बधाई दिया है।

उजड़े आशियाने को बसाने की जुगत में जुटे जनप्रतिनिधि संग अंचल कर्मी

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। लगातार हो रही भारी बारिश तथा चक्रवाती तूफान के कारण आजमनगर प्रखंड के कई पंचायतों मे हुए क्षति के आकलन में जनप्रतिनिधि से लेकर राजस्व विभाग के कर्मि जुटे दिखाई दे रहे हैं।चक्रवाती तूफान का सबसे ज्यादा असर प्रखंड क्षेत्र के निमोल पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 6 के रंगापोखर गांव में देखने को मिला है इस गांव में 90% से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं इन लोगों का घर का छप्पर उड़ जाने से लोग आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हो चुके हैं।इस दौरान पंचायत के मुखिया कुलसुम बेगम के अनुरोध पर अंचलाधिकारी संजय कुमार द्वारा पंचायत के 80 परिवार को तत्काल बरसात से निजात दिलाने के लिए प्लास्टिक का वितरण किया गया।प्लास्टिक वितरण कर रहे राजस्व कर्मचारी केके राय ने बताया सरकारी प्रावधान के तहत तत्काल प्लास्टिक वितरित किया जा रहा है।साथ ही वरीय अधिकारी से दिशा निर्देश मांगा गया है।मिले दिशा निर्देश के आलोक में अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन से कट कर युवक की मौत

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कटिहार-तेजनारायनपुर रेलखंड के किलोमीटर संख्या 9 मनसाही स्टेशन के पहले घासीटोला रेल पुल के पास एक 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत ट्रैन से कटकर हो गई। सूचना मिलते ही रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जांच करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया । मृतक व्यक्ति की पहचान मरंगी पंचायत के घासीटोला के अवधेश प्रसाद ठाकुर (35)के रूप में हुई। मालूम हो कि अवधेश प्रसाद ठाकुर हफलागंज अवस्थित रघुनीचौक में नाई की दुकान चलाता था और रेलवे पटरी से ही वह रोज दुकान से अपने घर लौटता था। और बीते रात्रि ट्रेन के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों को मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर शव की पहचान की,रेल पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सुबह में शव को उठा कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया।

कुम्हड़ी में भी चला बुलडोजर सरकारी जमीन हुई अतिक्रमण मुक्त

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। कदवा प्रखंड के कुम्हड़ी में भी चला बुलडोजर। प्रशासन के द्वारा कराई गई भारत सरकार की जमीन अतिक्रमण मुक्त, अब बनेगी स्टेडियम। बताते चलें कि कदवा प्रखंड मुख्यालय के निकट कुम्हड़ी बाजार में भारत सरकार की जमीन को जिला प्रशासन के आदेश पर बारसोई अनुमंडल के पुलिस बल, जिला के पुलिस बल के साथ साथ अनुमंडल के पदाधिकारी और प्रखंड के पदाधिकारियों के निगरानी में प्रखंड के कर्मचारियों के सहयोग के साथ चार बुलडोजर मशीन लगाकर कराई गई भारत सरकार की जमीन खाली, जहां बनाया जाना है बच्चों के खेल के लिए स्टेडियम। स्थानीय प्रशासन के नेतृत्व में सैकड़ों घर को तुरवा कर अतिक्रमण मुक्त कराई गई। यहाँ बच्चों के खेलने के लिए स्टेडियम बनेगा। स्टेडियम बनाए जाने को लेकर खेल प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

ईदारा हत्या कांड पीड़ित परिजनों से मिला राजद शिष्टमंडल

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर प्रखंड क्षेत्र के खुरियाल गांव में मक्के की फसल चराने के मामले में हुई विवाद के बाद एक महिला की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी इस मामले के कुछ दिन बीत जाने के बाद आज भी गांव के लोग काफी मर्माहित है ग्रामीणों के अनुसार उक्त महिला का कोई दोष नहीं था एक बेकसूर की हत्या की गई है इस बाबत गांव में है आज भी ईदारा हत्याकांड चर्चा का विषय बना हुआ है रविवार के दिन राजद शिष्टमंडल में शामिल राजद के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सैयाद आलम पिंकू पूर्व प्रमुख मोहम्मद आजम राजद नेता पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद शमशाद आलम राजद प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद शहाबुद्दीन आदि राजद नेताओं ने मृतिका ईदारा खातून के परिजनों से मिलकर न्याय दिलाया जाने का भरोसा दिलाया सैयद आलम ने कहा मरने वाले तो वापस नहीं आएंगे परंतु दोषी व्यक्तियों को सजा अवश्य मिलेगी गौरतलब है कि आजमनगर पुलिस के द्वारा लगातार छापामारी करने के बाद इदारा हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त मोहम्मद मुख्तार आलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सैनिक सड़क बना मुसीबत जलजमाव से लोग परेशान, सड़क निर्माण पर उठे सवाल

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। मैनाटाँड़ प्रखंड क्षेत्र के इनारवा बाजार में बन रहे सैनिक रोड के लापरवाही के कारण जगह- जगह जलजमाव व कीचड़ होने से आमलोगों के साथ ही दुकानदारों की परेशानी काफी बढ़ गयी है। आमलोगों को जहां आवाजाही करने में परेशानी हो रही वहीं दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जलजमाव व कीचड़ की समस्या दूर करने के प्रति रोड विभाग के ठेकेदार एवं अधिकारी उदासीन बने हैं।

इनरवा बाजार में मेन रोड पर पिछले कई दिनों से जलजमाव की समस्या बनी है। और सैनिक रोड बनाने को लेकर पुराने नाली को ध्वस्त कर दिया गया है और कई महीनों से यहां के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों के घरों का पानी भी सड़क पर जमा हो रहा है। बारिश होने पर जलजमाव की समस्या गंभीर हो जाती है। लोग गंदा पानी से होकर आवाजाही करने के लिए मजबूर हैं। मेन बाजार में भी इनरवा थाना चौक से लेकर पूरे इनरवा बाजार तक गंदगी और जलजमाव की समस्या गंभीर बन गयी है। बारिश का दौर शुरू होने के बाद से ही सड़क के दोनों तरफ जलजमाव की समस्या बनी है।

जलजमाव से परेशान जनार्धन प्रसाद कुशवाहा, उमेश भगत, अंकित रंजन, दिनेश यादव,पृथ्वी चंद्र जयसवाल,राजेश्वर चौरशिया,राजिन्दर यादव,जयप्रकश कुशवाहा,दीपेश चौरशिय,पारस साह, कैलाश साह ने कहा कि जलजमाव के कारणपूरे इनरवा बाजार के लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि फूड विभाग द्वारा नाली बनवाने का आश्वासन देकर पूरे नाली को ध्वस्त कर दिया गया और अभी तक नहीं बनवाया गया है। इस कारण बारिश होने पर पानी की निकासी नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि जलजमाव की समस्या दूर कराने के लिए रोड विभाग के अधिकारी से कई बार कहा गया लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

मोटरसाइकिल से गिरने पर एक युवक की मौत

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कदवा थाना क्षेत्र के सिंघिया पुल के समीप मोटरसाइकिल से गिरने से एक युवक का हुआ मौत लोगों में मातमी सन्नाटा।घटना के बाबत मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मेढोल की ओर रहे एक मोटरसाइकिल सवार एक युवक सिंघिया पुल के समीप गिरने से मौके पर ही उनका मौत हो गया।वहीं घटना को देख आसपास के खेतों में मजदूरी कर रहे मजदूरों एवं लोगों का भीड़ इखठ्ठि हो गया वहीं लोगों ने घटना की सूचना कदवा पुलिस को दिया सूचना पाते ही कदवा पुलिस दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया के बाद शव को अंत्यपरीक्षण हेतु कटिहार भेज दिया।घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजनों का रोरोकर बुरा हाल हो रहा है और ग्रामीणों में मातमी सन्नाटा छाया हुआ है।इस बाबत पूछे जाने पर कदवा थानाध्यक्ष सुनील कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना सत्य से शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु कटिहार भेज दिया है।वहीं मृतक व्यक्ति की पहचान कदवा थाना क्षेत्र के कुम्हड़ी पंचायत वार्ड संख्या 11 निवासी छित्तन दास के 25 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार बताया जाता है।

व्यवसायियों ने जलजमाव की समस्या से एमएलसी को कराया अवगत

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर बाजार में जलजमाव की विकराल समस्या से स्थानीय बाजार वासियों के साथ साथ व्यवसायियों नें कटिहार एमएलसी अशोक अग्रवाल को मांगपत्र सौंप समस्या के समाधान की गुहार लगाई है।एमएलसी अशोक अग्रवाल नें जल्द समस्या से निदान दिलाने वायदा कर गए हैं।उन्होंने कहा आजमनगर बाजार में जलजमाव को लेकर ठोस कदम उठाया जाएगा।ताकि स्थानीय लोगों को जल जमाव जैसी नारकीय स्थिति से राहत मिल सके।स्थानीय लोगों ने समस्या से अवगत कराते हुए आवेदन तब दिया जब एमएलसी क्षेत्र दौरे पर आजमनगर बाजार पहुंचे थे।इस दौरान मौजूद व्यवसायी पंकज भगत,श्याम केशरी,निखिल भगत,राजकुमार केशरी,चिंटू भगत,हनी सिंह तथा राजा खान आदि नें कहा कि बरसात में आजमनगर के केशरी चौक और गांधी चौक जैसे महत्वपूर्ण जगहों पर2-3फीट तक जल जमाव रहता है।ऐसे में उक्त सड़क पर आना जाना कठिनाईयों से भरा होता है।कई बार इस समस्या को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग की गई।पर कोई सुनवाई नहीं हुई।इस दौरान अक्षय सिंह,रामचंद्र शर्मा,सागर दास,स्थानीय मुखिया भरत राय,नंदलाल पाल सहित कई मौजूद रहे।

08 मदरलैण्ड वॉइस
नई दिल्ली, शनिवार, 21 मई 2022

जल-जमाव की समस्या से परेशान जनता ने किया विरोध प्रदर्शन

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए चलाया गया अभियान

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। ठकराहा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मे बच्चियों के नामांकन के लिए रविवार को प्रधानाध्यापक शह संचालक प्रभात रंजन मिश्र व वार्डन सावित्री देवी के नेतृत्व में संयुक्त रूप से प्रखंड क्षेत्र के रूपा टोला, मोतीपुर, भूवॉलपुट्टी, कोईर पट्टी, मलाहीटोला ,जगीराहां इत्यादि जगहों पर जाकर बच्चियों के नामांकन के लिए जागरूक किया गया। वार्डन सावित्री देवी ने बताया कि जो बच्चियां 11 वर्ष या उससे अधिक उम्र की हो और किसी कारण बस उनकी आगे की पढ़ाई बाधित हो चुकी है। या परिवार की आर्थिक स्थिति संसाधनों की कमी के अभाव में पढ़ाई छोड़ चुकी है। उन सभी बच्चियों के अभिभावकों से मिला जा रहा है। इन सभी बच्चियों के अभिभावकों से मिलकर कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान वार्डन सावित्री देवी ने बताया कि बच्चियों को सुबह गुड़-चना, आठ बजे रोटी सब्जी, दोपहर में भोजन, 3:00 से 4:00 के बीच नाश्ता और रात में भोजन दिया जाता है। सप्ताह में 1 दिन मीट, 1 दिन मछली 2 दिन अंडा और फल दिया जाता है। वही बच्चियों को साबुन,सर्फ व अन्य सामग्री भी दिया जाता है। उन्होंने बताया कि नियमानुसार जिस पंचायत में आवासीय कस्तूरबा विद्यालय है उस पंचायत के बच्चियों का नामांकन आवासीय विद्यालय में नहीं किया जाता है। कोईरपट्टी पंचायत के मुखिया रुपेश चौधरी भी जागरूकता अभियान के दौरान उपस्थित रहे। और उन्होंने अभिभावकों से बताया कि सरकार चुनाव के साथ नौकरी में भी महिलाओं को आरक्षण दे रही है इसीलिए हर क्षेत्र में बच्चियां अपना नाम रोशन कर रही हैं। इसलिए आप सभी अपने बच्चियों को नामांकन करा शिक्षा दिलाएं मौके पर वार्डन सावित्री देवी के साथ शिक्षिका सरिता देवी भी उपस्थित रही।

जीविका दीदियों की बैठक हुई सम्पन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। पश्चिमी चंपारण जीविका के उच्च स्तरीय प्रबंधन के निदेर्शानुसार आज चनपटिया प्रखंड अंतर्गत जीविका प्रखंड कार्यालय में ग्रामीण परिवारों के जीविका दीदियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योतिड बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के माध्यम से बीमा सुरक्षा दिलाने के उद्देश्य से 21 मई 2022 से 20 जून 2022 तक ह्लबीमा सुरक्षा उत्सवह्व के रूप में मनाया जा रहा है। इसके लिए सभी बैंकों, ग्राहक सेवा केंद्रों एवं विशेष कैम्पों के माध्यम से जीविका समूह से जुड़ी दीदियों एवं उनके परिवार के सदस्यों का पुराने बीमा का नवीनीकरण तथा नया बीमा कराया जा रहा है।जैसा कि जानते है कि बीमा गरीबों के लिए एक सामाजिक सुरक्षा अधिकार है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए साल में केवल 330 रुपये के साथ निवेश के बाद अगर व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसके परिवार को 2 लाख रुपये मिलते हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लिए साल में केवल 12 रुपये के साथ निवेश के बाद यदि बीमित व्यक्ति की दुर्घटना में मौत हो जाती है, या फिर हादसे में दोनों आंखें या दोनों हाथ-पैर खराब हो जाते हैं, तो उसे 2 लाख रुपए मिलेंगें। 342 रुपये में दोनों बीमा हो जाता है।साथ ही साथ जीविका दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने तथा बेहतर वित्तीय प्रबंधन को लेकर वित्तीय साक्षरता को अधिक प्रभावी बनाने हेतु चर्चा किया गया। बताया गया कि वित्तीय साक्षरता एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है और जीविका दीदी को आर्थिक रूप से मजबूत निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाएगी जो कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। अधिक से अधिक जीविका दीदी को अपने जीवन को आसान और बेहतर बनाने के लिए बैंकिंग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की आवश्यकता है। सरकार द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं, उधार, निवेश, वित्तीय योजना, मोबाइल की शक्ति, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम जैसे उपयोगी वास्तविक दुनिया के विषय में शामिल हैं। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम जीविका दीदी को उनके जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए आर्थिक रूप से मजबूत निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाता है।इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक बेतिया, जीविका बेतिया के सूक्ष्म-वित्त प्रबंधक, जीविका चनपटिया के प्रखंड परियोजना प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक/प्रतिनिधि एवं अनेकों जीविका कर्मी उपस्थित थे।

मुसीबत बना जलजमाव दुकानदार परेशान, बाजार में नहीं लगा साग सब्जी का दुकान

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। भितहा प्रखंड क्षेत्र के बलुआ बाजार में बन रहे जलजमाव व कीचड़ होने से आमलोगों के साथ ही दुकानदारों की दुकान लगाने में परेशानी काफी बढ़ गयी है। आमलोगों को जहां आवाजाही करने में परेशानी हो रही वहीं दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जलजमाव व कीचड़ की समस्या दूर करने ठेकेदार एवं अधिकारी उदासीन बने हैं।जबकि हर साल बलुआ बाजार का ठीक भी 40000 चालीस हजार से ऊपर का ठीक होता है दुकानदारों से कौड़ी असूलकर सरकार को सौंप दिया जाता है।बलुआ बाजार में जलजमाव की समस्या बनी है। और दुकानदारों ने अपना दुकान रोड पर लगा कर धंधा किए। बारिश होने पर जलजमाव की समस्या गंभीर हो जाती है। साग सब्जी लोग गंदा पानी में खड़ा होकर खरीदते है। बारिश का दौर शुरू होने के बाद से ही बाजार में जलजमाव की समस्या बनी है।

जलजमाव से परेशान रामायण कुशवाहा, रामचंद्र राम , फकरे आलम , मंजूर हसन (पूर्वमुखिया),गुड्डू साह , दुर्गेश कुमार गुप्ता (पत्रकार), ने कहा कि जलजमाव के कारण पूरे बलुआ बाजार के लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि बारिश होने पर साग सब्जी की दुकान लगाने में परेशानी उठानी पड़ती है।

जिनके दिलों में होंगे लालु-तेजस्वी का नाम वहीं चलाएंगे राजद सदस्यता अभियान: मुकेश यादव

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। प0 चंपारण आज युवा जिला अध्यक्ष श्री मुकेश यादव जी के नेतृत्व एवं राजद नेता आनंद राम जी के अध्यक्षता में मझौलिया प्रखंड के जॉकटीया पंचायत में कैंप लगा कर वर्तमान मुखिया श्री विपिन साह जी के साथ सैकड़ों युवा साथियों को राजद का सदस्यता ग्रहण कराए गए वही बैठक को संबोधित करते हुए श्री जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिहार के नव निर्माण के भविष्य और युवाओं के आदर्श माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव जी के हाथों को मजबूत करने के लिए राजद से जुड़े, आगे श्री मुकेश यादव ने बताया कि बेतिया युवा राजद द्वारा सदस्यता अभियान लगातार 12 फरवरी से शुरू हैं और 30 जून तक जिले के सभी प्रखंडों में एव ज्यादा से ज्यादा गांव- बूथ पर शिविर लगाकर सभी वर्ग के युवा- छात्रों को जोड़ने का कार्य किया जायेगा और जो युवा कार्यकर्ता ज्यादा क्रियाशील सदस्य बनाएगा उसे श्री तेजस्वी यादव सम्मानित करेगें, वही इस बैठक में कार्यकारी युवा राजद के पदाधिकारी विनय यादव, सोनू पाठक जी, आनन्द राम जी, जिला पार्षद सदस्य श्री लालू यादव जी, प्रमेष बैठा जी, कुंदन जी, मंटू यादव जी और सैकड़ों स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

बाढ़ सुरक्षा को लेकर अधिकारी अलर्ट जमीदारी बांध नदी तट का निरीक्षण

बाढ़ की आशंका को देखते हुए एसडीएम ने सुरक्षा को लेकर सीओ को किया अलर्ट!

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। मझौलिया प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की आशंका को देखते हुए शनिवार को तिरूवा क्षेत्र के जमीन दारी बांध सीक्रहना नदी तटबंध का गहन निरीक्षण सदर अनुमंडल पदाधिकारी डॉ विनोद कुमार ने किया उन्होंने बताया कि पूर्वी और पश्चिमी चंपारण का तिर्र वाह क्षेत्र का बॉर्डर पीपर पाती घाट पुल जमीन दारी बांध के सते डुमरी रमपुरवा महा नवा हरपुर गढ़वा बरवा सेमरा घाट सरिसवा पंचायत पंचायतों नदी तटबंध का गहन निरीक्षण करते हुए स्थानीय लोगों से पूछताछ किया गया नदी तटबंध पर ठोकर लगाने तटबंध की समुचित सुरक्षा को लेकर अंचलाधिकारी को कई बिंदुओं पर गाइडलाइन दिया गया है बाढ़ की आशंका को देखते हुए जाल संसाधन विभाग को अधूरे पड़े कार्य को पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया गया है वही विभाग द्वारा डुमरी पंचायत के नदी तटबंध पर हो रहे कार्यो में शिथिलता बरतने को लेकर अभियंता को एसडीएम ने लगाई फटकार उन्होंने चेतावनी दिया कि लगातार निरीक्षण करते हुए बाढ़सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहें वही वीडीआरएफ टीम के लिए चयनित भूमि का भी निरीक्षण किया गया उन्होंने बताया कि जिला एवं प्रखंड स्तर पर बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रतिदिन समीक्षा बैठक किया जा रहा है इस मौके पर अंचलाधिकारी सूरज कांत राजस्व कर्मचारी रघुनाथ प्रसाद समेत जिला एवं प्रखंड स्तर की कर्मी उपस्थित रहे!

राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत 963 अमेरिकियों को रूस में अब नहीं मिलेगा प्रवेश : मॉस्को

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन पर हमलावर रूस को अमेरिकी हस्तक्षेप नागवार गुजरा लिहाजा उसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। रूस ने शनिवार को एक लिस्ट जारी किया जिसमें 963 अमेरिकियों के नाम हैं। इस सूची में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और सीआईए प्रमुख विलियम बर्न्स के भी नाम हैं। बता दें कि 24 फरवरी को यूक्रेन के खिलाफ जंग के ऐलान के बाद से अमेरिका और यूरोप के कई देशों ने रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया था।इसके बाद से रूस की इन देशों के साथ तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है। रूस की इस लिस्ट में अमेरिकी सीनेटर और प्रतिनिधि सभा के सदस्य, पूर्व और वर्तमान सरकारी अधिकारी, पत्रकार, सैन्यकर्मी, वकील, वहां के नागरिक और कई कंपनियों के सीईओ भी शामिल हैं। सीएनएन के मुताबिक रूस ने इस लिस्ट में कुछ ऐसे लोगों के नाम को भी शामिल किया है जिनकी पहले ही मौत हो चुकी है। इस लिस्ट में अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष मार्क मिले, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, केंद्रीय खुफिया एजेंसी के निदेशक विलियम बर्न्स और व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी शामिल हैं। समाचार के मुताबिक कनाडा को लेकर भी एक नई सूची जारी की गई है। रूसी विदेश मंत्रालय ने ऐलान किया है कि नई लिस्ट में कनाडा के 26 और लोगों के नाम भी जोड़े गए हैं। इन्हें भी रूस की यात्रा करने से रोक दिया गया है। इस सूची में रक्षा प्रमुख, रक्षा उद्योग के अधिकारी और कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो की पत्नी सोफी ग्रेगोइरे ट्रूडो शामिल हैं। बता दें कि कनाडा ने मंगलवार को एक विधेयक पेश किया जो पुतिन और उनकी सरकार और सेना के करीब 1,000 सदस्यों के देश की यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगा।

इस बीच जंग के मैदान से खबर है कि रूस ने मारियुपोल पर कब्जा करने का दावा किया। ये इस युद्ध में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत हो सकती है। समाचार के मुताबिक करीब तीन महीने तक रूसी सैनिकों की घेराबंदी में रहा ये बंदरगाह शहर अब मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है। यहां 20,000 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की आशंका है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि सोमवार से लेकर अब तक संयंत्र में छिपे कुल 2,439 यूक्रेनी लड़ाकों ने समर्पण कर दिया है।

मारियुपोल इस्पात कारखाने में सरेंडर करने वाले ढाई हजार यूक्रेनी सैनिकों के भविष्य को लेकर चिंता

पोक्रोव्स्क, यूक्रेन, एजेंसी। रूस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है और उसकी आक्रमकता बढ़ती जा रही है। रूस ने अब मारियुपोल स्थित इस्पात संयंत्र से करीब 2,500 यूक्रेनी सैनिकों को कैदी बनाए जाने का दावा किया है और उनके खिलाफ युद्ध अपराध के मुकदमे चलाने का संकल्प लिया है, जिससे इन सैनिकों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। रूस ने अजोवस्तल इस्पात संयंत्र पर नियंत्रण के साथ शुक्रवार को मारियुपोल पर पूरी तरह कब्जा करने का दावा किया। करीब तीन महीने तक रूसी सैनिकों की घेराबंदी में रहा यह बंदरगाह शहर अब मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है और यहां 20,000 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की आशंका है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेइ शोइगु ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मारियुपोल में अजोवस्तल इस्पात संयंत्र और पूरे शहर की ह्यपूरी तरह मुक्तिह्न की जानकारी दी। यह इस्पात संयंत्र यूक्रेनी प्रतिरोध का प्रतीक बन गया था।इस युद्ध में पश्चिमी देश यूक्रेन के साथ खड़े हैं और ऐसे में पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा अचानक यूक्रेन पहुंचे और वह रविवार को देश की संसद को संबोधित करेंगे। डूडा के कार्यालय ने यह जानकारी दी।

यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से पोलैंड में लाखों यूक्रेनी शरणार्थी गए हैं। पोलैंड यूरोपीय संघ में शामिल होने की यूक्रेन की इच्छा का बड़ा समर्थक है। रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों को बाधित कर दिया है, ऐसे में युद्धग्रस्त देश में पश्चिमी देशों की ओर से मानवीय मदद एवं हथियार पोलैंड के जरिए भेजे जा रहे है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि संयंत्र में छिपे कुल 2,439 यूक्रेनी लड़ाकों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। मंत्रालय ने यूक्रेनी सैनिकों को हिरासत में लिए जाने का एक वीडियो भी जारी किया। इन सैनिकों के परिवारों ने अपील की है कि उन्हें युद्धबंदियों के रूप में उनके अधिकार दिए जाएं और अंततः उन्हें यूक्रेन को लौटा दिया जाए। यूक्रेन की उपप्रधानमंत्री इरिना वेरेश्चुक ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन उनमें से 'हरेक की वापसी के लिए लड़ेगा।'

आत्मसमर्पण करने पर सैनिकों को रूस ने बंदी बना लिया और कुछ को दूरस्थ स्थानों पर ले जाया गया। रूसी प्राधिकारियों ने इस्पात संयंत्र में छिपे कुछ लड़ाकों को ह्यनाजीह्न तथा अपराधी बताते हुए उन पर युद्ध अपराध के लिए मुकदमा चलाने की धमकी दी है। मॉस्को समर्थित अलगाववादियों के नियंत्रण वाले पूर्वी यूक्रेन के एक क्षेत्र के प्रमुख डेनिश पुश्निन ने शनिवार को कहा कि अपने देश के नागरिकों द्वारा नायक समझे जाने वाले यूक्रेनी लड़ाकों को निश्चित तौर पर युद्ध अपराध के लिए मुकदमे का सामना करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

पुतिन द्वारा यूक्रेन की स्वतंत्रता को अनदेखा करने और हमले के पर छात्रा ने उठाए सवाल, तिलमिलाई क्रेमलिन प्रवक्ता

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन पर हमलावर रूस हर हालत में युद्ध को सही बता रहा है और दूसरे देशों के हस्तक्षेप के अनुचित बता रहा है। ऐसा ही एक नजारा रूस के येकेतेरिनबर्ग शहर स्थित यूराल फेडरल यूनिवर्सिटी में वार्ता के दौरान दिखा जब एक छात्रा ने रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा के सामने व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन की स्वतंत्रता की अनदेखा करने और फरवरी में उस पर आक्रमण करने के फैसले पर सवाल उठाए। छात्रा के सवालों को सुनकर जखारोवा भड़क गईं। ब्रिटिश अखबार के मुताबिक छात्रा ने जखारोवा से पूछा कि रूसी सरकार और विदेश मंत्रालय दशकों से देश की संप्रभुता और राष्ट्रों की स्वतंत्रता के अधिकारों को लेकर गर्व से बात करता है, लेकिन पुतिन ने अचानक यूक्रेन की स्वतंत्रता और उसकी संप्रभुता को नजरअंदाज करने का फैसला कर लिया। इस पर जखारोवा छात्रा को रोका और कहा कि हमने यूक्रेन की संप्रभुता की कभी अनदेखी नहीं की है। क्रेमलिन की प्रवक्ता ने कहा कि हम उन कुछ देशों में से एक हैं, जिन्होंने देशों की स्वतंत्रता और संप्रभुता को केवल कागज पर ही नहीं, बल्कि वास्तव में भी माना है। इसके बाद छात्रा ने क्रीमिया के विलय को लेकर आयोजित किए गए ह्यजनमत संग्रहह्न की वैधता पर भी सवाल उठाया और उसे अवैध बताया। इस पर प्रवक्ता भड़क उठीं और कहा कि आप जनमत संग्रह को अवैध क्यों मानते हैं? इस पर छात्रा ने जवाब दिया कि क्योंकि संग्रह में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं था। इस पर जखारोवा ने चीखते हुए पूछा कि तुमसे यह किसने कहा? तुम्हारा क्या मतलब है? संग्रह में बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक थे। इस बीच यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध पर रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने कई यूक्रेनी कमांड पोस्ट पर हमला किया है। रूस के 24 फरवरी के आक्रमण के बाद से पश्चिम ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति बढ़ा दी है और रूस की सेना उन्हें रोकने और नष्ट करने की कोशिश कर रही है। मॉस्को का कहना है कि कीव को हथियारों की डिलीवरी और रूसी अर्थव्यवस्था के खिलाफ कठोर प्रतिबंध लगाना, संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा प्रॉक्सी वॉर जैसा है। इससे पहले रूसी सेना ने शनिवार को कहा कि उसने यूक्रेन के जाइटॉमिर क्षेत्र में पश्चिमी हथियारों की एक बड़ी खेप को समुद्र से लॉन्च की गई क्रूज मिसाइलों का उपयोग करके नष्ट कर दिया।

यूएस राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- मंकीपॉक्स के मामलों को लेकर चिंता करने की जरूरत

प्योंगतेक, दक्षिण कोरिया, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूरोप तथा अमेरिका में हाल में सामने आए मंकीपॉक्स के मामलों को लेकर चिंता जताई है। इस बीमारी पर पहली बार सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते हुए बाइडेन ने कहा, ह्यचिंता की बात यह है कि अगर यह संक्रमण फैला तो इसके परिणाम भुगतने होंगे।ह्न बाइडेन दक्षिण कोरिया के ओसान हवाई अड्डे पर पत्रकारों द्वारा इस बीमारी के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। राष्ट्रपति के रूप में एशिया की अपनी पहली यात्रा के क्रम में बाइडेन ने जापान रवाना होने से पहले सैनिकों से मुलाकात की। बाइडेन ने कहा, ह्यअभी मुझे संक्रमण के प्रसार के बारे में नहीं बताया गया है लेकिन इसके बारे में हर किसी को चिंतित होना चाहिए।ह्न उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए काम चल रहा है कि कौन-सा टीका प्रभावी हो सकता है। मंकीपॉक्स के मामले अफ्रीका के बाहर विरले ही देखने को मिलते हैं लेकिन शुक्रवार तक दुनियाभर में इसके 80 मामलों की पुष्टि हुई। इनमें से कम से कम दो मामले अमेरिका में सामने आए। हालांकि, यह बीमारी चेचक जैसी है लेकिन इसके लक्षण हल्के होते हैं। मरीज आम तौर पर अस्पताल में भर्ती हुए बिना दो से चार हफ्तों में ठीक हो जाते हैं लेकिन कभी-कभी यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो जाती है।

श्रीलंका के संविधान में 21वें संशोधन की मंजूरी के लिए आज मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा प्रस्ताव

कोलंबो, एजेंसी। आर्थिक बदहाली से जूझ रहे श्रीलंका के न्याय मंत्री ने बताया कि देश के संविधान में 21वें संशोधन मंजूरी के लिए आज मंत्रिमंडल के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा। प्रस्ताव में संकट से घिरे राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की निरंकुश शक्तियों पर लगाम लगाने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। संविधान में 21वें संशोधन से 20 ए प्रावधान के रद्द होने की संभावना है जो 19वें संशोधन के निरस्त होने के बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को असीमित शक्तियां देता है। 19वें संशोधन में संसद को राष्ट्रपति से अधिक शक्तियां दी गई थीं। ह्यन्यूज फर्स्टह्न समाचार पोर्टल ने न्याय मंत्री डॉ. विजयदास राजपक्षे के हवाले से बताया कि इस संशोधन से दोहरी नागरिकता वाले सांसदों के लिए संसद में बने रहना असंभव हो जाएगा।

देश की अर्थव्यवस्था चरमराने के चलते इस्तीफे की मांग का सामना कर रहे राष्ट्रपति गोटबाया ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से पहले अप्रैल 2019 में अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी। खबर में कहा गया है कि मौजूदा स्वतंत्र आयोगों के अलावा राष्ट्रीय लेखा-जोखा आयोग और खरीद आयोग के संबंध में भी स्वतंत्र आयोग के तौर पर संशोधन किया जाएगा। विजयदास राजपक्षे ने कहा कि संविधान में 21वें संशोधन से मौजूदा आयोग की शक्तियां और मजबूत हो जाएंगी। मंत्री ने कहा कि नए संशोधन में केंद्रीय बैंक के गवर्नर की नियुक्ति संवैधानिक परिषद के तहत लाने का भी प्रस्ताव है।

गौरतलब है कि राजपक्षे परिवार ने अगस्त 2020 में आम चुनाव में भारी जीत के बाद सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। उसने राष्ट्रपति की शक्तियों को बहाल करने तथा अहम पदों पर परिवार के करीबी सदस्यों को नियुक्त करने के लिए संविधान में संशोधन किया था।

यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र मे रुसी हमले में धवस्त एक यूनिवर्सिटी कैंपस के करीब से निकलता हुआ एक व्यक्ति।

बिलावल भुट्टो चीन के साथ सुदृढ़ मित्रता और अमेरिका से बिगड़े रिश्ते सुधारने के पक्षधर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार में विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे बिलावल भुट्टो जरदारी और उनके चीनी समकक्ष वांग यी रविवार को चीनी शहर ग्वांगझू में दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत करने के लिए बातचीत करेंगे। इमरान खान सरकार के पतन के बाद विदेश मंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद बिलावल की यह पहली चीन यात्रा है। उनकी बैठक ग्वांगझू में होने वाली है क्योंकि बीजिंग वर्तमान में कोविड-19 के तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन संस्करण को शामिल करने के लिए अर्ध-लॉकडाउन के तहत है। बिलावल ट्वीट किया मेरी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर ग्वांगझू में उतरा। आज पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71 वीं वर्षगांठ भी है। पाकिस्तान-चीन संबंधों पर गहन चर्चा के लिए चीनी स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। 33 वर्षीय, जिनकी मां बेनजीर भुट्टो और दादा जुल्फिकार अली भुट्टो पूर्व प्रधान मंत्री थे, न्यूयॉर्क से अभी वापस आए हैं, जहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ बातचीत की और अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की, जो इस दौरान बिगड़े थे। पाकिस्तान के नवनियुक्त विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी चीन की यात्रा पर हैं, जहां वह चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात करेंगे तथा दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात गुआंगझोऊ में होने वाली है क्योंकि देश की राजधानी बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण आंशिक तौर पर लॉकडाउन लागू है। बिलावल ने ट्वीट किया, ह्यहपहली द्विपक्षीय यात्रा के तहत गुआंगझोऊ में उतरा। आज पाकिस्तान और चीनके बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ है। चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ पाकिस्तान और चीन के बीच गहरे संबंधों पर बातचीत करने को लेकर उत्सुक हूं।ह्न बिलावल जरदारी इससे पहले न्यूयॉर्क गए थे जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की थी और पाकिस्तान तथा अमेरिका के बीच संबंधों को गहरा करने पर चर्चा की थी। दोनों देशों के बीच संबंध पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासनकाल में काफी खराब हो गए थे। ब्लिंकन से मुलाकात के बाद बिलावल ने मीडिया से बातचीत में उन बातों को खारिज किया था कि अमेरिका के साथ संबंध बढ़ने से पाकिस्तान के चीन के साथ संबंध खराब हो सकते हैं।

पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी ने पहले अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि बिलावल के साथ विदेश मामलों की राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार और वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा पर हैं।

इंस्टा ने पॉप स्टार मडोना को लाइव जाने से किया बैन, लगातार पोस्ट कर रही थीं न्यूड तस्वीरें

लॉस एंजेल्स, एजेंसी। दुनियाभर में अपने पॉप म्यूजिक और गानों के लिए मशहूर स्टार मडोना को इंस्टाग्राम ने झटका दिया है। मडोना को इंस्टाग्राम लाइव जाने से बैन कर दिया है। इसके लिए फेसबुक के स्वामित्व वाले फोटो और वीडियो शेयरिंग ऐप ने कम्यूनिटी गाइडलाइंस के उल्लंघन का हवाला दिया है।

मडोना ने जब इंस्टाग्राम पर अपना लाइव करने की कोशिश की तब उन्हें पता चला कि उन्हें इस एप पर ऐसा करने से बैन कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इंस्टाग्राम ने ऐसा इसलिए किया है क्योंकि मडोना लगातार फोटो शेयरिंग एप पर अपनी न्यूड तस्वीरें शेयर कर रही थीं।

मडोना ने इसके बाद खुद को बैन किए जाने पर आश्चर्य प्रकट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि जिस समय वह लाइव करने जा रही थीं तब पूरी तरह कपड़ों से ढकी हुई थीं। पॉप स्टार ने कहा ताज्जुब है, मैंने कभी अपनी जिंदगी में इतने कपड़े नहीं पहने जितने उस समय पहने हुए थे। इंस्टाग्राम की तरफ से मडोना को मिले नोटिफिकेशन में कहा गया है कि उन्हें दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए और हमेशा कानून का पालन करना चाहिए।

इंस्टाग्राम ने मडोना को भेजे नोटिफिकेशन में कहा हम इंस्टाग्राम को एक प्रेरणा और अभिव्यक्ति के लिए एक प्रमाणिक और सुरक्षिए स्थान बनाए रखना चाहते हैं। केवल अपने खुद के फोटो और वीडियो पोस्ट करें और हमेशा कानून का पालन करें। इंस्टाग्राम पर सभी का सम्मान करें, लोगों को स्पैम न भेजें या नग्न फोटो वीडियो न डालें।

बता दें कि इससे पहले मडोना कई बार अपनी सेमी न्यूड, टॉपलेस और अश्लील तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर चुकी हैं। नवंबर 2021 में भी उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की थी जिसमें बिना कपड़ों के उनके ब्रेस्ट्स साथ ही निपल भी साफ नजर आ रहे थे। इंस्टाग्राम ने इन तस्वीरों तो डिलीट कर दिया था। तब मडोना ने लिखा था मैं अपनी तस्वीरें दोबारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर रही हूं क्योंकि बिना किसी वॉर्निंग या नोटिफिकेशंस के इन्हें हटा दिया गया। इसका कारण उन्होंने बताया कि मेरे निपल का थोड़ा सा भाग नजर आ रहा था। मेरे लिए अभी भी ताज्जुब की बात है कि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां किसी महिला का पूरा शरीर तो दिखाया जा सकता है, केवल निपल नहीं।

दावोस में 5 दिवसीय डब्ल्यूईएफ की बैठक आज से, भारत का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल करेंगे

दावोस, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की दावोस में 22 से 26 मई तक होने वाली 5 दिवसीय बैठक का आगाज आज से शुरू हो रहा है।बैठक में यूक्रेन संकट, जलवायु परिवर्तन, अर्थव्यवस्था, कोरोना महामारी जैसे पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाले कई बड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा होगी। करीब ढाई साल के अंतराल पर हो रही इस बैठक को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, यूरोपीय यूनियन की प्रेसिडेंट उर्सला वॉन डेर लेयेन और जर्मनी की चांसलर ओलाफ शोल्ज समेत कई दुनिया के शीर्ष नेता संबोधित करेंगे। समाचार के मुताबिक, इस सम्मेलन में दुनिया भर से 50 देशों और राज्यों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। करीब 2500 से ज्यादा नेता, अधिकारी और विशेषज्ञ विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रखेंगे। भारत की तरफ से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में बड़ी टीम वहां जा रही है। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख लाल मांडविया और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अलावा दो मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और जगनमोहन रेड्डी शामिल हैं। महाराष्ट्र से आदित्य ठाकरे, तेलंगाना से केटी रामाराव आदि कई बड़े नेता और सीईओ भी इस बैठक में भाग लेने के लिए भारत से जा रहे हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने कहा है कि इस सम्मेलन की थीम हिस्ट्री एट ए टर्निंग पॉइंट होगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब यूक्रेन युद्ध, कोरोना संकट और कई भू-राजनैतिक चुनौतियों ने दुनिया में अपने चंगुल में जकड़ रखा है। सम्मेलन का मकसद दुनिया में तरक्की की रफ्तार को तेज करना और चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर मंथन करना है। इस दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के उपाय सुझाना, चौथी औद्योगिक क्रांति को बढ़ावा देना और जलवायु परिवर्तन जैसी मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती का सामना करने के रास्ते खोजने पर फोकस रहेगा। खबरों के मुताबिक, ये सम्मेलन मुख्य रूप से छह मुद्दों पर केंद्रित रहेगा, जिनमें वैश्विक व क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना। भू-राजनीतिक संघर्ष व तनाव के नए युग के साथ-साथ व्यापार, समृद्धि एवं साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए स्थिरता बहाल करना, आर्थिक सुधार हासिल करना और विकास के एक नए युग को आकार देना शामिल है।

द्विपक्षीय मुद्दों पर पाक विदेश मंत्री बिलावल ने चीनी समकक्ष, वांग यी से की चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान के नवनियुक्त विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने चीन के गुआंगझोऊ में अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद बिलावल को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। यह विदेश मंत्री के तौर पर चीन की उनकी पहली यात्रा है।

बिलावल ने गुआंगझोऊ में चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात गुआंगझोऊ में इसलिए हुई, क्योंकि राजधानी बीजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण आंशिक तौर पर लॉकडाउन लागू है। इससे पहले, बिलावल ने चीन पहुंचकर ट्वीट किया, अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा के तहत गुआंगझोऊ में उतरा। आज पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ है। चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी के साथ पाकिस्तान और चीन के बीच मौजूद गहरे संबंधों पर बातचीत करने को लेकर उत्साहित हूं। बिलावल इससे पहले न्यूयॉर्क गए थे, जहां उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की थी और अमेरिका-पाकिस्तान के संबंधों को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की थी। दोनों देशों के बीच संबंध पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासनकाल में काफी खराब हो गए थे। ब्लिंकन से मुलाकात के बाद बिलावल ने उन अटकलों को खारिज किया था कि अमेरिका के साथ संबंध बढ़ने से पाकिस्तान के चीन के साथ रिश्ते बिगड़ सकते हैं। बिलावल के साथ पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार और वरिष्ठ अधिकारी भी चीन पहुंचे हैं। शनिवार को चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजिआन ने पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ पर दोनों देशों को बधाई दी थी। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया था बधाई, 21 मई को पाकिस्तान और चीन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 71वीं वर्षगांठ है।

बेहतर जीवन की तलाश में पत्नी और बच्चों को त्याग कुत्ते को साथ ले अमेरिका के लिए किया कूच

भीषण संकटों के झेल पार की 8 देशों की सीमा

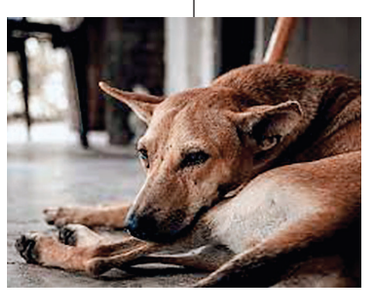

वॉशिंगटन, एजेंसी। सुखद जीवन की कल्पना हर शख्स का सपना होता है लेकिन वेनेजुएला के गिल्बर्टो रोड्रिगेज दो महीने पहले बेहतर जीवन गुजारने के सपने को पूरा करने के लिए अपने कुत्ते के साथ अमेरिका की यात्रा के लिए निकल पड़े। रोड्रिग्ज अपनी पत्नी और दो बच्चों को छोड़ कर इस सफर पर निकले हैं। उल्लेखनीय है कि स्पेनिश भाषा में नीग्रो का मतलब ब्लैक होता है। अपनी इस यात्रा के दौरान रोड्रिग्ज कई बार भूखे रहे, हिंसा का सामना किया और कई बार पुलिस को रिश्वत भी दी। खबरों के मुताबिक रोड्रिगेज ने बताया कि नीग्रो भी उनकी तरह हर परेशानी का सामना करता रहा, वह वही खाता, जो रोड्रिगेज खाते और उन्हीं की तरह एक प्रवासी है। रोड्रिगेज और नीग्रो को अब तक की अपनी यात्रा के दौरान करकास से लेकर कोलंबिया तक और खतरनाक डेरियन जंगल से पनामा तक आठ देशों की सीमा से गुजरना पड़ा है। इस सफर में रोड्रिगेज और नीग्रो ने उन आपराधिक गिरोहों का सामना किया, जो अपने देशों में गरीबी और राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से भाग रहे प्रवासियों को निशाना बनाते हैं। रोड्रिगेज ने कहा, ह्यहम कुछ महिलाओं के साथ थे, उन्होंने (आपराधिक गिरोह) उनके साथ बलात्कार किया, जहां तक हमारी बात है, उन्होंने मेरा फोन चोरी कर लिया।ह्न इस जोड़ी ने कोस्टा रिका, निकारागुआ और होंडुरास के माध्यम से ग्वाटेमाला के लिए अपना रास्ता बनाया, जहां वे सैकड़ों अन्य गैर-दस्तावेज वाले प्रवासियों की भीड़ में शामिल हो गए। रोड्रिगेज ने कहा कि फिलहाल ग्वाटेमाला नदी के किनारे पर कोई भीड़ नहीं है, जैसे कि कुछ महीने पहले थी। यहां प्रवासी कारवां को रोकने के लिए पुलिस बसों को रोक कर यात्रियों के दस्तावेजों को सत्यापित करती थी। गौरतलब है कि इस साल जनवरी से ग्वाटेमाला ने होंडुरास, अल सल्वाडोर, निकारागुआ, वेनेजुएला और क्यूबा के 500 से अधिक प्रवासियों को निष्कासित कर दिया है। रोड्रिग्ज ने कहा कि पुलिस से बचने के लिए प्रवासियों ने छोटे समूहों में जाना शुरू कर दिया है, ताकि वह मेक्सिको पहुंच सकें। इसके बाद उनके लिए अंतिम बाधा रियो ग्रांडे है, जो मेक्सिको को संयुक्त राज्य अमेरिका से अलग करता है। बता दें कि अमेरिकी प्रशासन टाइटल 42 के कार्यान्वयन को समाप्त करने की मांग कर रहा है। इसके तहत कोविड -19 संकट के दौरान प्रवासियों के निष्कासन की अनुमति दी गई थी। आदेश को समाप्त करने की मांग ने अमेरिका में हंगामा मचा दिया है। अमेरिकी लोगों का मानना है कि आदेश समाप्त करने से देश में प्रवासियों का आगमन कोरोना वायरस के प्रकोप से पहले के वर्षों की तुलना में पांच गुना तक बढ़ जाएगा। हालांकि रोड्रिगेज और उत्तर की ओर जाने वाले अधिकांश अन्य प्रवासियों का कहना है कि उन्होंने कभी भी टाइटल 42 के बारे में नहीं सुना।

रोड्रिगेज ने कहा, ह्यग्वाटेमाला में एक और गंभीर चिंता यह है कि प्रवासी बचने के लिए पुलिस को पैसा दे रहे हैं। रोड्रिगेज ने कहा कि अपनी लंबी यात्रा के दौरान उन्हें और उनके सबसे अच्छे दोस्त नीग्रो को अक्सर दान पर निर्भर रहना पड़ता है और कभी-कभी अपना भोजन साझा करना पड़ता है। जब आश्रयों में जानवरों को अनुमति नहीं मिलती, तो वे सड़क पर सो जाते।ह्न वेनेजुएला छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ह्यहमें भागना पड़ा, वहां हमें पर्याप्त वेतन नहीं मिलता, आप सब कुछ डॉलर में खरीदते हैं और वे आपको बोलिवर (वेनेजुएला की करेंसी) में भुगतान करते हैं, जो कुछ भी नहीं है।ह्न

अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव पर रोड्रिगेज पुराने टायरों और तख्तों से बनी एक नाव पर चढ़ जाते हैं। वह नीग्रो को अपनी बाहों में पकड़ लेते हैं और दस मिनट बाद वे नदी पार कर जाते हैं। नीग्रो, क्रॉसिंग के दौरान अपने मालिक के पैरों के बीच चुपचाप बैठ जाता है और जैसे ही नदी पार सूखी जमीन देखता है, जल्दी से कूदता है, वह अब मेक्सिको में है।ह्न मेक्सिको पहुंचे एक 25 वर्षीय निकारागुआ के प्रवासी मोइसेस आयर्डी ने कहा कि हमने पहाड़ों और नदियों, को पार कर लिया है। हम अब किसी भी चीज से नहीं डरते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना घर, पत्नी और तीन साल की बेटी को छोड़ कर आए हैं, क्योंकि उन्हें राष्ट्रपति डेनियल ओटेर्गा की सरकार द्वारा राजनीतिक उत्पीड़न का निशाना बनाया गया था।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

लैंड रोवर ने भारत में नई रेंजरोवर स्पोर्ट के लिए बुकिंग शुरू की

करनाल- जगुआर लैंड रोवर ने अपनी ऑल न्यू रेंज रोवर स्पोर्ट के लिए बुकिंग खोल दी है। इसकी कीमतें 164.29 लाख (एक्स-शोरूम प्राइस) से हो रही है। 6 सिलिंडर और 48वी के इंजेनियम डीजल इंजन और शुद्ध रूप से इलेक्ट्रिक इंजन का हल्का मिश्रित स्वरूप पेश किया गया है। यह 221 किलोवॉट की पावर और 650 एनएम का टॉर्क प्रदान करती है।यह डायनैमिक एचई, डायनैमिक एचएसई और ऑटोबायग्राफी की विशेषताओं में उपलब्ध है। एसयूवी के उत्पादन के प्रथम वर्ष में पहला संस्करण उपलब्ध होगा। इसमें खासतौर से उभारी गई विशेषताएं शामिल होंगी। जगुआर लैंड रोवर इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने कहा, ह्यनई रेंज रोवर ने स्पोर्टिंग लक्जरी को फिर से नई परिभाषादीहै।सड़कपरयह आत्मविश्वास से लबरेज सहज परफॉर्मेंस देती है। इसमें परंपरागत रूप से रेंज रोवर के डिजाइन को निखारा गया है। इसका डिजाइन काफी प्रगतिशील और सौम्य है और इससे लगातार कनेक्टिविटी की सुविधा सुनिश्चित होती है।ह्व एसयूवी के बेहतरीन और सौम्य तरीके से निखारे रूप से संवारे और डिजाइन में बिना किसी गलती के नाटकीयता से भरपूर कारीगरी को विभिन्न अनुपात में रखा गया है, जिससे गाड़ी का विशिष्ट चरित्र खासतौर पर उभरकर सामने आता है। व्हीलबेस के बाद गाड़ी का अगला और पिछला भाग कम रखा गया है। गाड़ी के अगले हिस्से को बेहद खूबसूरती और सहजता से बनाया जाता है, जिसे गाड़ी के अगले और पिछले हिस्से पर एक पादर्शी आभा नजर आती है। एसयूवी के ये पारंपरिक तत्व गाड़ी की सड़क पर एक प्रभावशाली और शानदार मौजूदगी दर्ज कराते हैं, जिससे ताकत और बेहतरीन प्रदर्शन की झलक मिलती है। गाड़ी के बाहरी भाग को बेहरीन कारीगरी से निखारा गया है। इसमें गाड़ी पर काफी सतर्कता से लगाई गई फ्रंट ग्रिल, डिजिटल एलईडी लाइटिंग यूनिट से बेहतरीन फिनिश दी गई, जो गाड़ी में विशेष रूप से डेटाइम रनिंग लाइट (डी आरएल) का प्रतीक बनती है।

तमिलनाडु के वित्त मंत्री बोले- जब केंद्र तेल के दाम बढ़ाते वक्त हमसे नहीं पूछता, तो घटाने के लिए क्यों कह रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल पर 8 रुपये और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर उत्पाद शुल्क कम किया है, जिससे पेट्रोल 9.50 रुपये और डीजल 7 रुपये प्रति लीटर सस्ता हो गया है। केंद्र के इस फैसले के बाद गैर बीजेपी शासित राज्यों की नाराजगी भरी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। रविवार को तमिलनाडु के वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार से सवाल पूछे तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने भी मोदी सरकार पर हमला किया है और इस राहत को नाकाफी बताया है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री डॉ पी थियाग राजन ने शनिवार देर रात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस ट्वीट को रिट्वीट किया, जिसमें निर्मला ने उन राज्य सरकारों से ये अपील की है कि जिन्होंने अब तक वैट में कटौती नहीं की है। राजन ने लिखा कि केंद्र सरकार ने तब किसी राज्य से नहीं पूछा, जब 2014 से पेट्रोल 23 रुपये प्रति लीटर (+250 फीसदी) और डीजल 29 रुपये प्रति लीटर (+ 900 फीसदी) पर केंद्रीय कर बढ़ाया। मंत्री राजन ने कहा कि अब केंद्र ने अपनी बढ़ोत्तरी का 50 फीसदी वापस लिया है तो राज्यों से कटौती किए जाने की अपील की जा रही है। क्या यही संघवाद है? वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उद्धव ने कहा कि पहले फ्यूल की कीमतें बढ़ाना और फिर मामूली रूप से कम करना सही नहीं है। ठाकरे ने केंद्र सरकार से एक्साइज ड्यूटी को और कम करने की मांग की।

उद्धव ने कहा कि केंद्र सरकार ने दो महीने पहले पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में 18.42 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी और आज इसे 8 रुपये कम कर दिया है। डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भी 18.24 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी और अब इसे 6 रुपये कम कर दिया गया है। पहले लगातार कीमतें बढ़ाई गईं और अब मामूली तौर पर कीमत कम करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों को वास्तव में राहत तभी मिलेगी जब बिना आंकड़ों के जाल में उलझे एक्साइज ड्यूटी को घटाकर छह या सात साल पहले जितना कर दिया जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्वीट किया था कि मैं सभी राज्य सरकारों, विशेषकर उन राज्यों से अपील करना चाहती हूं, जिन्होंने नवंबर 2021 में टैक्स कटौती नहीं की थी, वे भी अपने यहां इसी तरह की कटौती लागू करें और आम आदमी को राहत देने के लिए फैसला लें।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार पंजाब से समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने को तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पंजाब में मूंग की फसल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने पर सहमति जताई है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि पंजाब में रबी सत्र 2021-22 के लिए पीएसएस दिशानिदेर्शों, 2018 के अनुसार 4,585 टन ग्रीष्मकालीन ह्यमूंगह्ल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) को लागू करने की मंजूरी दी गई है। मूंग खरीद की तारीख राज्य सरकार द्वारा तय की जाएगी और खरीद की अवधि उस तारीख से 90 दिन की रहेगी। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र की विज्ञप्ति से पता चला है कि केंद्रीय नोडल एजेंसी को खरीद शुरू होने से पहले पीएसएस दिशानिदेर्शों के अनुसार वैज्ञानिक भंडारण स्थान की उपलब्धता की पुष्टि करनी चाहिए। पंजाब सरकार ने धान की खेती से पहले उगाए गए मूंग के लिए किसानों को एमएसपी प्रदान करने का फैसला किया है और इस सिलसिले में केंद्र से समर्थन मांगा है। ग्रीष्मकालीन मूंग 65 दिनों की फसल है जिसकी अनुमानित उपज लगभग पांच क्विंटल प्रति एकड़ होती है। बिना पॉलिश वाले मूंग का एमएसपी 7,275 रुपए प्रति क्विंटल है लेकिन आम तौर पर बाजार मूल्य इससे कहीं ज्यादा ही होता है। हालांकि, भारत घरेलू खपत के लिए हर साल पर्याप्त मात्रा में मूंग का आयात करता है। यदि राज्य के किसानों को इस तरह से प्रोत्साहित किया जाता है, तो पंजाब में ह्यमूंगह्ल का उत्पादन कई गुना बढ़ाया जा सकता है। पंजाब सरकार ने पहले ही केंद्र से अनुरोध किया था कि वह उच्च प्रोटीन सामग्री वाली दालों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ह्यमूंगह्ल की पूरी फसल खरीद लें।

सेंसेक्स की प्रमुख पांच में से तीन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.78 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख पांच कंपनियों में से तीन के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में 1,78,650.71 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण इजाफा हुआ। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,31,320.8 करोड़ रुपए बढ़कर 17,73,889.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 30,814.89 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,46,397.45 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 16,515.02 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,33,156.15 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसके विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 43,743.96 करोड़ रुपए घटकर 12,05,254.93 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 20,129.66 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 6,12,303.26 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष पांच कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा। एलआईसी शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में 5,22,602.94 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ छठे स्थान पर है। बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में आईसीआईसीआई बैंक 4,93,251.86 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ सातवें, भारतीय स्टेट बैंक 4,12,763.28 करोड़ रुपये के पूंजीकरण के साथ आठवें स्थान पर है। एचडीएफसी 3,99,512.68 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ नौवें और भारती एयरटेल 3,77,686.72 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ दसवें स्थान पर है।

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 2021-22 में एनएफओ से 1.08 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों में तेजी और खुदरा निवेशकों की रुचि बढ़ने के बीच परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) 2021-22 में 176 नई कोष पेशकश (एनएफओ) लेकर आई हैं, जिनके जरिये कुल 1.08 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। नकदी की सख्त स्थिति, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, शेयर बाजार में मजबूती, दफ्तर से काम फिर शुरू होने के बाद आगे चलकर एनएफओ में रुचि घट सकती है। वहीं निश्चित परिपक्वता वाली योजनाओं (एफएमपी) में उल्लेखनीय रूप से नई पेशकशें देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी एएमसी ने विभिन्न श्रेणियों में नई योजनाएं पेश की हैं और पहले मौजूद उत्पादों के अंतराल को पाटने का काम किया है। उन्होंने बताया कि निवेश के उद्देश्यों में अंतर, विशिष्ट योजनाओं में निवेशकों की रुचि, धन की उपलब्धता, कोष प्रबंधकों की विश्वसनीयता और शेयर बाजारों के प्रदर्शन के आधार पर नई पेशकशों की संख्या तय होगी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में 176 नई कोष पेशकशें आईं। इन एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कहीं ऊंचा आंकड़ा है। 2020-21 में 84 एनएफओ आए थे और इनके जरिये कुल 42,038 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

विदेशी निवेशकों ने मई में अब तक 35,000 करोड़ के शेयरों की बिकवाली की

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अधिक आक्रामक ढंग से ब्याज दर में वृद्धि किए जाने की आशंका तथा डॉलर की मजबूती की चिंताओं के कारण एफपीआई ने इस महीने अब तक 35,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि की निकासी की है। इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा शेयरों से शुद्ध धन निकासी वर्ष 2022 में अब तक 1.63 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। बाजार के जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, मुद्रास्फीति, सख्त मौद्रिक नीति एवं अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए आगे चलकर भारत में एफपीआई का प्रवाह निकट अवधि में अस्थिर बने रहने के आसार हैं। चूंकि अमेरिका का प्रमुख बाजार कमजोर है और डॉलर मजबूत हो रहा है जिससे एफपीआई द्वारा निकट भविष्य में बिकवाली जारी रहने की आशंका है। इक्विटी बाजार से विदेशी निवेशक अक्टूबर-अप्रैल के सात महीनों में कुल 1.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी राशि की निकासी कर चुके हैं। हालांकि अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई शुद्ध निवेशक बन गए और बाजारों में गिरावट आने के कारण शेयरों में 7,707 करोड़ रुपए का निवेश किया। हालांकि कुछ राहत की सांस के बाद एक बार फिर वे छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह यानी 11-13 अप्रैल के दौरान शुद्ध बिकवाल बन गए और बाद के हफ्तों में भी बिकवाली जारी रही। आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई प्रवाह मई के महीने में अब तक नकारात्मक बना हुआ है और 2-20 मई के दौरान 35,137 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की गई है। भारत के अलावा, ताइवान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस सहित अन्य उभरते बाजारों में मई में अब तक धन निकासी देखी गई है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 425 परियोजनाओं की लागत 4.83 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 425 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.83 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,579 परियोजनाओं में से 425 की लागत बढ़ी है, जबकि 664 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,579 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,95,196.72 करोड़ रुपये थी, जिसके बढ़कर 26,78,365.62 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.01 प्रतिशत या 4,83,168.90 करोड़ रुपये बढ़ी है। मार्च-2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,88,760.73 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 51.85 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 561 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 606 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 664 परियोजनाओं में 94 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 124 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 331 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 115 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 664 परियोजनाओं की देरी का औसत 42.41 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

चीन छोड़कर भारत आ सकता है ऐप्पल

निर्माण और व्यापार की संभावनाओं पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना काल के बाद जहां दुनियाभर के बाजार में कोहराम मचा हुआ है, ऐसे में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि तमाम वैश्विक दिग्गजों कंपनियों की नजर में भारत निवेश के लिए सुरक्षित बाजार बन रहा है। कई बड़ी कंपनियां अन्य देशों से अपना कारोबार समेट कर भारत में पैठ जमाने की कोशिश में लगी हैं। ताजा मामला टेक जगत की दिग्गज कंपनी ऐप्पल से जुड़ा है। जानकारी मिली है कि ऐप्पल चीन से अपने उत्पादन को दूसरे देश में ट्रांसफर करने पर विचार कर रही है और उसे भारत एक अच्छा ऑप्शन नजर आ रहा है। एप्पल ने अपने कई अनुबंध निमार्ताओं को निर्देश दिया है कि वह चीन के बाहर उत्पादन बढ़ाना चाहता है। भारत और वियतनाम में फिलहाल ऐप्पल के वैश्विक उत्पादन की बहुत ही कम हिस्सेदारी है। अनुमानों के अनुसार, स्वतंत्र निमार्ता चीन में 90 प्रतिशत से अधिक ऐप्पल उत्पादों जैसे आईफोन, आईपैड और मैकबुक कंप्यूटरों का निर्माण करते हैं। पिछले महीने ऐप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा था कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला वास्तव में वैश्विक है, और इसलिए उत्पाद हर जगह बनाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे अन्य देशों में संभावनाओं पर लगातार विचार कर रहे हैं।

जानकार बताते हैं कि पिछले कुछ समय में ऐप्पल के वरिष्ठ अधिकारी लगातार इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। चीन से अपना कारोबार समेटने के पीछे एक्सपर्ट बीजिंग के दमनकारी शासन और अमेरिका के साथ उसके बढ़ते विवाद को वजह बता रहे हैं। पर्यवेक्षकों के अनुसार, चीन पर ऐप्पल की निर्भरता एक बड़े जोखिम से भरी है। एप्पल की निर्माण योजनाओं से परिचित लोगों के अनुसार, कंपनी अपनी बड़ी आबादी और कम लागत के कारण भारत को अगले चीन के रूप में देखती है।

वैश्विक कारकों और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुझानों से तय होगी बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक कारकों और विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुझानों से तय होगी। इसके अलावा मासिक डेरिवेटिव निपटान की वजह से घरेलू बाजारों में उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले कुछ सत्रों में स्थानीय बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, निफ्टी में पांच सप्ताह की गिरावट के सिलसिले के बाद तीन फीसद की अच्छी साप्ताहिक बढ़त देखने को मिली है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और सुस्ती दुनियाभर के बाजारों के लिए प्रमुख चिंता का विषय है। इस वजह से विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बिकवाली कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू निवेशकों के समर्थन के कारण भारतीय बाजार बेहतर स्थिति में हैं। वैश्विक मोर्चे पर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक का ब्योरा 25 मई को जारी किया जाएगा, जो बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होगा। इसके अलावा डॉलर सूचकांक का रुख और जिंसों के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। वृहद आर्थिक आंकड़ों, मौजूदा तिमाही नतीजों के सीजन और डेरिवेटिव निपटान की वजह से यह सिलसिला इस सप्ताह भी जारी रह सकता है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा, अमेरिका के जीडीपी के अनुमान और बेरोजगारी के आंकड़े वैश्विक बाजारों की धारणा को प्रभावित करेंगे। कुल मिलाकर हमारा मानना है कि इस सप्ताह भी बाजारों में उतार-चढ़ाव रहेगा। वृहद स्तर पर कई चीजें मसलन ऊंची मुद्रास्फीति और आक्रामक तरीके से ब्याज दरों में बढ़ोतरी बाजार को प्रभावित करेगी। इस सप्ताह के दौरान सेल, जोमैटो, अडाणी पोर्ट्स, दीपक फर्टिलाइजर्स, इंटरग्लोब एविएशन, हिंडाल्को, एनएमडीसी, गेल और गोदरेज इंडस्ट्रीज के तिमाही नतीजे आएंगे। उनका कहना है कि आगे चलकर वैश्विक रुख तिमाही नतीजों का अंतिम चरण और रूस-यूक्रेन युद्ध बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा।

केंद्र सरकार पंजाब से समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने को तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पंजाब में मूंग की फसल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना लागू करने पर सहमति जताई है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार को एक पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि पंजाब में रबी सत्र 2021-22 के लिए पीएसएस दिशानिदेर्शों, 2018 के अनुसार 4,585 टन ग्रीष्मकालीन ह्यमूंगह्ल की खरीद के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) को लागू करने की मंजूरी दी गई है। मूंग खरीद की तारीख राज्य सरकार द्वारा तय की जाएगी और खरीद की अवधि उस तारीख से 90 दिन की रहेगी। प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र की विज्ञप्ति से पता चला है कि केंद्रीय नोडल एजेंसी को खरीद शुरू होने से पहले पीएसएस दिशानिदेर्शों के अनुसार वैज्ञानिक भंडारण स्थान की उपलब्धता की पुष्टि करनी चाहिए। पंजाब सरकार ने धान की खेती से पहले उगाए गए मूंग के लिए किसानों को एमएसपी प्रदान करने का फैसला किया है और इस सिलसिले में केंद्र से समर्थन मांगा है। ग्रीष्मकालीन मूंग 65 दिनों की फसल है जिसकी अनुमानित उपज लगभग पांच क्विंटल प्रति एकड़ होती है। बिना पॉलिश वाले मूंग का एमएसपी 7,275 रुपए प्रति क्विंटल है लेकिन आम तौर पर बाजार मूल्य इससे कहीं ज्यादा ही होता है। हालांकि, भारत घरेलू खपत के लिए हर साल पर्याप्त मात्रा में मूंग का आयात करता है। यदि राज्य के किसानों को इस तरह से प्रोत्साहित किया जाता है, तो पंजाब में ह्यमूंगह्ल का उत्पादन कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

हुंडई और टाटा पॉवर स्थापित करेगी फास्ट-चार्जिंग स्टेशन

दोनों जानी-मानी कंपनियों ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल सेक्टर की दो बडी कंपनियां हुंडई मोटर इंडिया और टाटा पॉवर ने फास्ट-चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया है। कंपनी हुंदै और टाटा पावर ईजेड चार्ज मोबाइल ऐप के जरिये ये सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों की जरूरत को पूरा करेंगे। इस सुविधा के जरिए ग्राहक नेविगेशन से चार्जिंग स्टेशन का पता लगा सकते हैं, चार्जिंग स्टेशनों के लिए प्री-बुक स्लॉट कर सकते हैं और आसानी से ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। इस पार्टनरशिप के जरिए 29 शहरों में कंपनी के 34 ईवी डीलरशिप पर 60केडब्ल्यू के डीसी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। ये डीलरशिप मौजूदा एसी 7.2केडब्ल्यू चार्जर्स की पेशकश जारी रखेंगे.हुंडई और टाटा पावर के बीच यह गठजोड़ ग्राहकों की चार्जिंग समास्याओं का समाधान करेगी।माना जा रहा है कि ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए हुंडई आयोनिक 5 और कोना अपडेट के लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।अपने ग्राहकों को होने वाली किसी भी चिंता की समस्या को दूर कर रही है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी और सीईओ उन्सू किम ने इस पार्टनरशिप पर कहा, ह्वकंपनी भारत के मजबूत ईवी इकोसिस्टम को सुविधाजनक बनाने, मजबूत करने और टिकाऊ परिवहन को बढ़ाने के लिए टाटा पावर के साथ अपनी साझेदारी से खुश है।ह्व उन्होंने आगे कहा कि भारत के कार्बन न्यूट्रैलिटी के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए और देश में इलेक्ट्रिक व्हीकलों को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की स्ट्रैटिजक पार्टनरशिप जरूरी हैं! ईवी चार्जिंग स्पेस में टाटा पावर की स्पेशलिटी, व्यापक चार्जिंग समाधान और हुंडई वाहनों के देशव्यापी स्वामित्व के साथ टिकाऊ गतिशीलता बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करेगी, तेजी से ईवी अपनाने को बढ़ावा देगी।

इंडोनेशिया के निर्यात खोलने से बीते सप्ताह तेल-तिलहनों की थोक कीमतें हुई कमजोर

विदेशों में सूरजमुखी को छोड़कर सोयाबीन, पामोलीन तेलों के दाम में लगभग 100 डॉलर की कमी आई

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में खाने के तेलों की कीमतें तेज होने के बावजूद इंडोनेशिया द्वारा निर्यात खोलने के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन के डीऑयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में सुधार आया, जबकि गिरावट के आम रुख के अनुरूप सोयाबीन तेलों की कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। विदेशों में सूरजमुखी को छोड़कर सोयाबीन, पामोलीन तेलों के दाम में लगभग 100 डॉलर की कमी हुई है। ऊंचे दाम पर देश में आयात घटा है और स्थानीय मांग की पूर्ति देशी तेल (सोयाबीन, मूंगफली, बिनौला और सरसों) से की जा रही है। इसमें सबसे अधिक दबाव सरसों पर है जो आयातित तेलों से कहीं सस्ता बैठता है। आयातित तेलों की मांग भी नहीं के बराबर है जिससे पिछले साल के मुकाबले इस बार अप्रैल में आयात लगभग 13 प्रतिशत घटा है। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में सरसों का भारी मात्रा में रिफाइंड बनाया जा रहा है। लेकिन आयातित तेलों की कमी को इन तेलों से पूरा करने की भी एक सीमा है। इसके कारण आने वाले दिनों में सरसों जैसे तिलहन की किल्लत पैदा हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 100 रुपये टूटकर 7,515-7,565 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 250 रुपये टूटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,050 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 40-40 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 2,365-2,445 रुपये और 2,405-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये लाभ के साथ क्रमशः 7,025-7,125 रुपये और 6,725-6,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। गिरावट के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतें नुकसान के साथ बंद हुईं। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 400 रुपये की हानि के साथ 16,650 रुपये, सोयाबीन इंदौर 500 रुपये की गिरावट 16,000 रुपये और सोयाबीन डीगम का भाव 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी हानि दशार्ते बंद हुए।

मूंगफली दाना 125 रुपये, मूंगफली तेल गुजरात 200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,710-6,845 रुपये और 15,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव भी 25 रुपये टूटकर 2,625-2,815 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी बाजारों में अधिक कीमत होने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 500 रुपये टूटकर 14,850 रुपये क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये टूटकर 16,350 रुपये और पामोलीन कांडला का भाव 520 रुपये टूटकर 15,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव 350 रुपये टूटकर 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

प्रधानमंत्री ने थॉमस कप विजेता टीम को बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार थॉमस और उबर कप जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की है। अपनी इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने टीम को बधाई देते हुए उनकी इस उपलब्धि को सराहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपकी इस जीत से लोगों का सपना पूरा हुआ है। इस दौरान खिलाड़ियों ने भी प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए। पीएम कहा कि किसी भी टूर्नामेंट में कोई भी निर्णायक मैच सांस रोकने वाला होता है। इसपर खिलाड़ियों ने कहा कि मैच चाहे पहला हो या अंतिम हमने हमेशा देश की जीत दिखी। मोदी ने कहा, ह्यएक समय था जब हमारी टीम थॉमस खिताब जीतने की सूची में काफी पीछे हुआ करती थी। भारतीयों ने कभी इस खिताब का नाम भी नहीं सुना होगा पर आज आपने इसे देश में लोकप्रिय कर दिया है। इस भारतीय टीम ने यह दिखाया है कि अगर मेहनत की जाए, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है। विश्व स्पर्धा का दबाव होना ठीक है

पर आपने उस दबाव से निकलकर इतिहास रचा है।' प्रधानमंत्र ने टीम के कप्तान किदांबी श्रीकांत, सात्विक साईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय से भी बात कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनको उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

श्रीकांत ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों को यह कहते हुए हमेशा गर्व होगा कि हमें अपने प्रधानमंत्री का समर्थन भी प्राप्त है। वहीं मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि प्रधानमत्री भी खिलाड़ियों और खेल का अनुसरण करते हैं, और उनके विचार खिलाड़ियों से जुड़ते हैं। वहीं भारतीय युगल टीम के कोच डेनमार्क के माथियास बो ने कहा, 'मैं एक खिलाड़ी रहा हूं और मैंने देश के लिए पदक जीते हैं पर हमारे प्रधानमंत्री ने मुझे कभी मिलने के लिए नहीं बुलाया।' मोदी ने कहा कि आज लक्ष्य सेन ने अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा था कि मिठाई खिलाऊंगा। आज वह मेरे लिए मिठाई लेकर आए हैं। वहीं लक्ष्य ने कहा कि पीएम ने अल्मोड़ा की बाल मिठाई मांगी थी। मैं उनके लिए मिठाई लेकर गया था। यह दिल को छू लेने वाला है कि उन्हें खिलाड़ियों की छोटी-छोटी बातें याद रहती हैं।

भारतीय टीम ने थॉमस कप के फाइनल मुकाबले में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर पहली बार यह खिताब जीता था। भारतीय टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। भारत को थॉमस कप जिताने में कप्तान किदांबी श्रीकांत, चिराग-सात्विक के साथ ही युवा शटलर लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने श्रीकांत से उनके अनुभव भी पूछे और खिलाड़ियों को प्रेरेत करने और खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने के लिए उनकी तारीफ भी की।

वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक ट्वीट में कहा, 'हमारे बैडमिंटन चैंपियनों के साथ बातचीत हुई, जिन्होंने थॉमस कप और उबर कप के अपने अनुभव साझा किए हैं। खिलाड़ियों ने अपने खेल के विभिन्न पहलुओं, बैडमिंटन से परे जीवन और बहुत कुछ के बारे में बात की। देश को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

रोहित को फार्म हासिल करने की उम्मीदें

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने माना है कि आईपीएल सत्र में वह अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं पर कहा कि थोड़े बदलाव से ही वह अपना फार्म हासिल कर लेंगे। राहित आईपीएल के इस 15 वें सत्र में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इसी कारण उनकी टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। इस सत्र में वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये और 14 मैचों में 19.14 के औसत और 120.17 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने केवल 248 रन ही बनाये हैं। रोहित ने कहा, 'बहुत सी चीजें जो मैं इस सत्र में करना चाहता था, उन्हें मैं नहीं कर पाया। मैं इस सत्र में अपने प्रदर्शन से बहुत निराश हूं हालांकि ऐसा मेरे साथ पहले भी हुआ है।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि क्रिकेट यहीं समाप्त नहीं होता, आगे हमें अभी काफी क्रिकेट खेलनी है। इसलिए मुझे खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान देना होगा। इससें मेरी लय वापस आ जाएगी। मुझे इस पर विचार करना है कि किस प्रकार फॉर्म में वापसी कर बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।'

रोहित ने कहा, 'इसके लिए थोड़े बदलाव करने होंगे और जब भी समय मिलेगा मैं इन पर काम करने की कोशिश करूंगा।' इस सत्र में टीम ने केवल चार मैच जीते हैं। रोहित ने कहा, 'यह सत्र हमारे लिए निराशाजनक रहा क्योंकि टूर्नामेंट की शुरूआत से ही हम अपनी रणनीति के अनुसार काम नहीं कर पाये जबकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको लय बनानी होती है।' उन्होंने कहा, 'शुरू में जब हम एक के बाद एक मैच हार रहे थे तो वह मुश्किल दौर था। हमारे लिये यह तय करना अहम था कि हमने जो भी रणनीति बनायी थी, हम उसके अनुसार चलें पर हम जैसा चाहते थे यह वैसा नहीं हुआ।' रोहित ने साथ ही कहा कि जब आपके पास एक नयी टीम होती है तो इस प्रकार के हालात बनते ही हैं।

संक्षिप्त समाचार

गामा पहलवान पर गूगल ने डूडल बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी महान पहलवान गाम पहलवान को उनके जन्मदिन पर सर्च इंजन गूगल ने डूडल बनाकर सम्मानित किया है। गामा का जन्म 22 मई, 1878 को अमृतसर के जब्बोवाल गांव में हुआ था। वो एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार से आते थे और उनके पिता मुहम्मद अजीज बक्श दतिया के तत्कालीन महाराजा भवानी सिंह के दरबार में कुश्ती लड़ा करते थे। गामा पहलवान अपने 5 दशक लंबे पहलवानी के करियर में अपराजित रहे। 10 साल की उम्र से उन्होंने अखाड़े में दांव-पेंच आजमाने शुरू किए और इसके बाद जिसके खिलाफ भी कुश्ती लड़ी, जीत ही हासिल की। उन्होंने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोगों को प्रेरित किया। इसमें ब्रूस ली जैसे दिग्गज शामिल हैं। 1910 में वो लंदन गए थे। तब गामा ने खुली चुनौती दी थी कि वो किसी भी वेट कैटेगरी के तीन पहलवानों को महज 30 मिनट में हरा देंगे। हालांकि, उनकी इस चुनौती को बाकी पहलवानों ने हल्के में लिया। काफी समय तक किसी ने गामा पहलवान की चुनौती स्वीकार नहीं की। ऐसे में गामा ने हैवीवेट पहलवानों को चुनौती दी। उन्होंने विश्व चैंपियन स्टैनिस्लॉस जैविस्को, फ्रैंक गॉच को चुनौती दी या तो वह उन्हें हरा देंगे या इनाम में जो राशि मिलेगी वो उन्हें देकर घर लौट जाएंगे। गामा की चुनौती लेने वाले पहले पहलवान अमेपिका के बेंजामिन रोलर थे। गामा ने पहली बार में रोलर को 1 मिनट 40 सेकेंड में हरा दिया। दिया और दूसरे को 9 मिनट 10 सेकेंड में। दूसरे दिन उन्होंने 12 और पहलवानों को हराया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत लौटे तो 5 फीट 8 इंच के कद वाले गामा पहलवान रुस्तम-ए-हिंद भी बने।

विराट ने रोहित की टीम को धन्यवाद दिया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियन्स की दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने मुम्बई टीम के प्रति आभार जताया है। विराट ने कहा, 'धन्यवाद मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।' मुंबई की जीत के साथ ही दिल्ली आईपीएल से बाहर हो गयी और आरसीबी को अंतिम चार में जगह मिली। कोहली ने कहा, 'यह अविश्वसनीय था। धन्यवाद, मुंबई, हम इसे याद रखेंगे।' इससे पहले आरसीबी ने अपने अंतिम लीग मैच में गुजरात टाइटन्स को हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें बनाये रखीं थीं पर उसे प्लेऑफ में पहुंचने दिल्ली की हार की जरुरत थी। वहीं आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने कहा कि पूरी टीम ने एक साथ मैच देखा और मुंबई की टीम के प्रत्येक अच्छे प्रदर्शन पर तालियां बजाई। डुप्लेसी ने कहा, 'यह बहुत अच्छा था। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि खेल की शुरूआत से ही हर कोई यहां था, इसलिए हमने इसे एक साथ देखा।' उन्होंने कहा, 'हम सभी मुंबई को मिले हर विकेट विकेट का और बाद में जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे थे तो उनके हर शॉट का जश्न मना रहे थे। सभी के लिये यह अच्छा था कि हम साथ में मैच देख रहे थे। वहीं मैच समाप्त होने पर जश्न का हिस्सा बनना शानदार था।' आरसीबी अब 25 मई को कोलकाता में एलिमिनेटर में तीसरे स्थान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेगी।

हज जाने के लिए वेस्टइंडीज दौरे से बाहर हुए मुशफिकुर रहीम

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मुशफिकुर रहीम को जुलाई में होने वाले बांग्लादेश के वेस्टइंडीज दौरे से छुट्टी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार रहीम को इस साल जुलाई में होने वाले हज के लिए सऊदी जाना है, इसके लिए वह 22 जून को रवाना होने वाले हैं। बीसीबी के क्रिकेट संचालन चेयरमैन जलाल यूनुस ने कहा, ह्यउन्होंने हमें श्रीलंका दौरे से पहले सूचित किया था कि वह इस साल हज पर जाना चाहते हैं। जब उनकी यात्रा की पुष्टि हो गई, तब उन्होंने हमें पत्र लिखकर कहा कि वह जाना चाहते हैं। हमने उन्हें छुट्टी दे दी है। पहले हमारा विचार था कि वह दौरे के कुछ हिस्से के लिए मौजूद रहे, लेकिन वह पूरे दौरे से बाहर रहने वाले हैं। बांग्लादेश पांच जून को वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। तस्कीन अहमद, मेहदी हसन मिराज, शोरिफुल इस्लाम और नईम हसन के रूप में बांग्लादेश के चार प्रमुख गेंदबाज पहले ही चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

आरसीबी ने पिछले सत्र में टिम को केवल एक सत्र में दिया था अवसर

मुम्बई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को प्लेऑफ में पहुंचाने वाले टिम डेविड की आज भले ही आरसीबी जमकर प्रशंसा कर रही है पर उसे यह नहीं भूलना चाहिये कि जब डेविड पिछले सत्र में उसके साथ थे तब इस खिलाड़ी को एक मैच में ही खेलने का अवसर मिला था। इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के टिम ने 11 गेंद पर 34 रन बनाकर उसे दिल्ली कैपिटल्स पर जीत दिलाई थी। इसी कारण आरसीबी को अंतिम चार में प्रवेश मिला है।

सिंगापुर के टिम डेविड को साल 2021 के दूसरे चरण में आरसीबी ने टीम में शामिल किया था। तब उन्हें केवल चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ खेलने का अवसर मिला था। टिम के रिकॉर्ड को देखते ही मुंबई ने उन्हें 8.25 करोड़ रुपए की बड़ी राशि में खरीदा था। इस खिलाड़ी ने आईपीएल के अलावा ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में भी खेला है। इस खिलाड़ी ने अबतक 97 मैच की 91 पारियों में 34 की औसत से 2151 रन बनाए हैं। जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 163 का है। मुंबई इंडियंस की ओर से हालांकि वह इस सत्र में केवल 8 ही मैच खेल पाये हैं जिसमें इस खिलाड़ी ने 37 की औसत से 186 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 46 रन की सबसे बड़ी पारी खेली।

लंदन में एफआईएच महिला प्रो लीग मैच में खेलती हुई चीन और इंग्लैंड की खिलाड़ी।

बीसीसीआई ने घोषित की भारतीय टीम , दक्षिण अफ्रीका सीरीज में राहुल , इंग्लैंड सीरीज में रोहित होंगे कप्तान

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। भारतीय टीम को इंग्लैंड से एक टेस्ट खेलना है जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसे पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलने है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए लोकेश राहुल को कप्तान बनाया गया है जबकि टीम में दिनेश कार्तिक के अलावा अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान और रवि बिश्नोई जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। उमरान ने आईपीएल में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण सबका ध्यान खींचा है। इसके अलावा आवेश ने भी अच्छी गेंदबाजी की जबकि कार्तिक ने अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया।

वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट सीरीज में रोहित शर्मा कप्तान रहेंगे। अनुभवी चेतेश्वर पुजारा को टीम में शामिल किया गया है। पुजारा ने हाल में काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा हनुमा विहारी और शुभमन गिल को भी टीम में जगह दी गयी है जबकि विकेटकीपिंग के तौर पर ऋषभ पंत के साथ ही केएस भारत को भी शामिल किया गया है। जडेजा, अश्विन, शार्दुल ठाकुर को भी टीम में रखा है। वहीं अनुभवी शिखर धवन को आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह युवा बल्लेबाज दीपक हुड्डा और रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गया है।

टेस्ट टीम :

रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उपकप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

टी20 टीम :

लोकेश राहुल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उपकप्तान) (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजी चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर, हर्षल पटेल, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

शिखर धवन ने कहा, टी20 प्रारूप में अभी तीन साल और खेल सकता हूं

मुंबई, एजेंसी। क्रिकेटर शिखर धवन भारत की एकदिवसीय टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास टी20 प्रारूप में अभी भी बहुत कुछ है, जहां उन्हें अगले तीन वर्षों तक अपने खेल को जारी रखने की उम्मीद है। आईपीएल 2022 में एक गेम शेष रहने के साथ 36 वर्षीय ने पंजाब किंग्स के लिए 421 रन बनाए हैं। धवन ने कहा कि हालांकि मैं टीम का अभिन्न अंग बना हुआ हूं, फिर भी मुझे लगता है कि मैं अपने अनुभव के कारण सबसे छोटे प्रारूप में योगदान दे सकता हूं। मैं टी*20 फॉर्मेट में काफी अच्छा कर रहा हूं। मुझे जो भी भूमिका दी गई है मैंने उसे बखूबी निभाया है। मैं जिस प्रारूप में खेल रहा हूं उसमें निरंतरता बनाए रखने में कामयाब रहा हूं, चाहे वह आईपीएल हो या घरेलू स्तर पर और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। निरंतरता न केवल अर्धशतक या शतक बनाने के बारे में है, बल्कि स्कोर के बीच भी अंतर बनाए रखने के बारे में है।

राहुल द्रविड़ को टीम के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी दिए जाने से पहले उन्हें शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया था, जो श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे में खेली थी। भारत ने टी20 श्रृंखला 2-1 से जीती जबकि वनडे श्रृंखला हार गए थे। लेकिन उन्होंने कहा कि वह भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं और चयनकताओं के निर्णय का इंतजार करूंगा। भारतीय ओपनर ने कहा, मैं बहुत सकारात्मक व्यक्ति हूं। पिछले साल टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। टी20 विश्व कप के लिए उन्हें लगा कि (चुने गए) खिलाड़ी मुझसे बेहतर और निष्पक्ष हैं। चयनकर्ता जो भी निर्णय लेते हैं, मैं उसका सम्मान करता हूं। जीवन में ऐसा होता है। आप इसे स्वीकार करें और अपना काम करते रहें।

बांग्लादेश को लगा झटका, नईम हसन के दूसरा टेस्ट खेलने पर सस्पेंस

ढाका, एजेंसी। ढाका में बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले मेजबान टीम की गेंदबाजी क्रम को नईम हसन की उंगलियों में चोट लगने से एक और झटका लगा है। शुक्रवार को जब टीम चटगांव के हवाई अड्डे से ढाका जा रही थी, तो उनका हाथ स्लिंग (हाथ को संभालने के लिए कंधे से जुड़ा कपड़ा) में था। दूसरा टेस्ट सोमवार से शुरू होगा। नईम अगर दूसरा टेस्ट नहीं खेलते हैं, तो वह इस सीरीज से बाहर होने वाले चौथे बांग्लादेशी विशेषज्ञ गेंदबाज होंगे। शरीफुल इस्लाम, मेहदी हसन और तास्किन अहमद चोट के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं और इनमें मेंहदी और तास्किन पहले ही पूरी सीरीज से बाहर थे। बीसीबी के चिकित्सक मंजूर हुसैन चौधरी ने कहा नईम को उनकी बोलिंग करने वाले हाथ की बीच की उंगली में फ्रैक्चर हुआ है और उन्हें ठीक होने में करीब तीन हफ़्ते तो लगेंगे। फिर भी हम उनका मूल्यांकन दोबारा करेंगे ताकि हम दूसरे टेस्ट के लिए उनकी उपलब्धता पर स्पष्टता हासिल कर सकें।

टेस्ट टीम में 15 महीनों के बाद वापसी करते हुए चटगांव की पहली पारी में नईम ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 105 रन देकर छह विकेट लिए थे। यह चोट उन्हें चौथे दिन के खेल में तब लगी थी जब वह नईम दिमुथ करुणारत्ना का एक रिटर्न कैच नहीं पकड़ पाए थे और उनकी उंगलियां पिच पर अटकती दिखी थी। उन्होंने इस चोट के बावजूद श्रीलंका की दूसरी पारी में 23 ओवर डाले थे। चौथे दिन के खेल में ही कंकशन सब के रूप में खेल रहे विश्वा फर्नांडो की गेंद शरीफुल के हाथ में लगी थी और वह पहले टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं ले पाए थे। शरीफुल पहले ही ढाका टेस्ट से बाहर हो चुके हैं और शायद तास्किन की भांति अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज से भी बाहर रहेंगे।

रोहित को मिल सकता है ब्रेक

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को देखते हुए तरोताजा होने के लिए ब्रेक मिल सकता है। आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित की टीम प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। इस पूरे सत्र में रोहित लय में नहीं दिखे ओर अर्धशतक तक नहीं लगा पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं भारतीय टीम को अगले माह 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है।

ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित ने बीसीसीआई से आईपीएल के बाद ब्रेक मांगा है। बीसीसीआई के एक अधिकार ने भी माना है कि रोहित ने ब्रेक मांगा है। इस अधिकारी के अनुसार रोहित ने मुंबई की ओर से सभी लीग मुकाबले खेले हैं ऐसे में उनका थके होना लाजिमी है। इसी लिए वह इंग्लैंड दौरे से पहले तरोताजा होना चाहते हैं। बीसीसीआई शीघ्र ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का चयन करने वाली है।

गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के मुकाबले 9 से 19 जून तक खेले जाने हैं। इस सीरीज के लिए शिखर धवन को कप्तान बनाया जा सकता है और सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवा खिलाड़ियों को उतारा जा सकता है। सीनियर टीम 15 जून के आस-पास इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम को 1 जुलाई से वहां एक टेस्ट खेलना है। यह मैच पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण नहीं खेला जा सका था। तब सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही थी। भारतीय टीम को अपने इस दौरे में इंग्लैंड में 3 टी20 और 3 एकदिवसीय मैच भी खेलने हैं। इसके अलावा वह 26 और 28 जून को आयरलैंड से 2 टी20 मैच भी खेलेगी।

आईपीएल के सितारे उमरान और मोहसिन खान को टीम में मिल सकती हैं जगह

द.अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए आज होगा टीम का चयन

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए रविवार को भारतीय टीम का चयन होगा, तब उभरते हुए स्टार उमरान मलिक और मोहसिन खान को उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है, जबकि अनुभवी शिखर धवन और दिनेश कार्तिक के टी20 टीम में वापसी की संभावना है। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी आईपीएल में अच्छा करके अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है, जिससे नौ जून से शुरू हो रही पांच मैचों की श्रृंखला के लिए उनका भी टीम में शामिल होना तय है। वह पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से भारत के लिए नहीं खेले हैं। पांड्या आखिरकार नियमित रूप से गेंदबाजी कर रहे हैं, जो राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी की कोशिश के लिए अहम था। दो महीने लंबे आईपीएल और टेस्ट टीम के 15 जून को रवानगी के कारण सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को घरेलू श्रृंखला के लिए आराम मिल सकता है, जिसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। जून के अंत में आयरलैंड में होने वाले दो टी-20 के लिए भी ऐसी ही टीम चुने जाने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है, तब कप्तानी की जिम्मेदारी या धवन या हार्दिक के कंधों पर आ सकती है। धवन ने पिछले साल श्रीलंका में टीम की अगुआई की थी, जबकि पंड्या ने गुजरात टाइटन्स के लिए पदार्पण सत्र में कप्तान के तौर प्रभावित किया है।

आईपीएल से भविष्य के स्टार खिलाड़ियों का मिलना जारी है और यह सत्र भी अलग नहीं रहा। उमरान ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपनी रफ्तार से, तब मोहसिन खान ने अपनी रफ्तार और सटीक गेंदबाजी से प्रभावित किया। जैसा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के उनके कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज की शीर्ष स्तर के क्रिकेट में हमेशा मांग रहेगी, तब मोहसिन को रविवार को बड़ा ब्रेक मिल सकता है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में एक और अर्शदीप सिंह भी दौड़ में हैं, जिन्होंने फिर से पंजाब के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। डेथ ओवरों में उनका इकोनोमी रेट सर्वश्रेष्ठ में से एक रहा और उन्होंने इच्छानुसार यार्कर फेंकने की भी क्षमता दिखाई हैं, जो टी20 प्रारूप के लिए बेहद अच्छी है। बल्लेबाजी विभाग में तिलक वर्मा ने अपने पहले ही आईपीएल सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए उन पर भी विचार हो सकता हैं, क्योंकि उनके मुंबई इंडियंस कप्तान रोहित शर्मा (जो भारतीय टीम के कप्तान भी हैं) ने इस बाएं हाथ के बल्लेबाज की काफी प्रशंसा की है।

कोच पोंटिंग ने ऋषभ का बचाव किया

मुंबई, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत का बचाव करते हुए कहा कि अभी वह युवा हैं ओर समय के साथ ही बेहतर होते जाएंगे। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ कप्तानी के तरीके सीख रहा है और आगे जाकर एक सफल कप्तान बनेगा। वहीं इससे पहले टीम की मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हार के बाद इस विकेटकीपर बल्लेबाज की कप्तानी पर सवाल उठे थे। मुंबई इंडियंस की टीम ने एक समय सौ रनों के अंदर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे पर कप्तान ने टिम डेविड के मामले में डीआरएस नहीं लिया जो टीम को भारी पड़ गया। टिम ने इसके बाद केवल 11 गेंद में 4 छक्के और 2 चौके लगाकर 34 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस पर कोच ने कहा, 'निश्चित रूप से मेरे दिमाग में कोई संशय नहीं है कि ऋषभ कप्तानी के लिए सही पसंद हैं। यहां तक कि पिछले सत्र में भी कोई संदेह नहीं था। ऋषभ ने पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर के चोटिल होने के बाद कप्तानी संभालने के बाद टीम को शानदार सफलता दिलायी थी।' पोंटिंग ने कहा कि वह मैच को हाथों से निकलते हुए देखकर काफी निराश थे पर कप्तान को इसके लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता क्योंकि वह एक युवा खिलाड़ी है और कप्तानी की बारीकियां सीख रहे है। साथ ही कहा कि टी20 टीम की कप्तानी आसान नहीं होती। विशेष रुप से आईपीएल में काफी दबाव रहता है। यहां हर बात पर नजर रखी जाती है। उन्होंने कहा कि हार का कारण टीम की बल्लेबाजी ठीम नहीं होना रही। टीम ने अपने शुरूआती विकेट 40 रनों पर ही खो दिये थे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

कान साफ करने के लिए अपनाएं घरेलू नुस्खे

बेकिंग सोडा

इसके लिए आप आधा चम्मच बेकिंग सोडा को 60 मि.ली पानी में मिला लें। फिर इस घोल को ड्रॉपर में डालें। इसके बाद 5-10 इसकी बूंदे कान में डालें। कान को एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। सिर को आप नीचे की तरफ ही झुका कर रखें। फिर कॉटन के कपड़े से मैल और पानी दोनों साफ कर दें।

बेबी ऑयल

ड्रॉपर में आप बेबी ऑयल डालें। फिर इसकी 3-4 बूंद कान में डालकर कॉटन से कान बंद कर दें। 5 मिनट के बाद कॉटन को निकाल दें। ऐसा आप दिन में दो बार भी कर सकते हैं। ऐसा करने से वैक्स बाहर आ जाता है।

लहसुन

इसके लिए आप लहसुन की 3-4 कलियां लें। फिर गैस पर एक पैन में नारियल तेल गरम करें। फिर इसमें कुटा लहसुन डाल दें। लहसुन के हल्का भूरा होने के बाद गैस बंद कर दें। इसके बाद तेल के गुनगुना होने पर इसकी कुछ बूंद कान में डालें और कॉटन से कान बंद कर दें।

बादाम तेल

कान साफ करने के लिए बादाम तेल अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप बादाम तेल गुनगुना करें। फिर ड्रॉपर में तेल डालें और इसकी 3-4 बूंद का में डाल दें। कुछ देर बाद वैक्स नरम होकर बाहर निकल आएगा।

कहीं ये फैशन आपको बीमार तो नहीं बना रहा?

ऐसी हिदायतें दी जाती रही हैं कि फैशनेबल पहनावा आपके उठने-बैठने और चलने पर असर डालने के साथ-साथ पीठ और गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है। ब्रिटिश काइरोप्रैक्टिक एसोसिएशन (बीसीए) के अनुसार, बेहद टाइट यानी स्किनी जींस, हाई हील्स और हैंड बैग हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। हालांकि चार्टर्ड सोसाइटी ऑफ फिजियोथेरेपी और अन्य विशेषज्ञों द्वारा इस आशंका को खारिज भी किया जाता रहा है। यहां उन पांच पहनावों के बारे में बात हो रही है, जो बीसीए के अनुसार हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्किनी जींस :

बीसीए का दावा है कि स्किनी जींस हमारी कार्यशीलता को कम कर देती है। इसके अनुसार, 'ऐसे पहनावे आपके जोड़ों पर दबाव पैदा करते हैं और इससे छलांग लगाने की क्षमता और चहलकदमी के दौरान झटके सहन करने की प्राकृतिक शक्ति कम हो सकती है।'

बड़े बैग :

बीसीए का दावा है कि भारी बैग, महिलाओं में पीठ के दर्द का सबसे मुख्य कारण है। इसके अनुसार, हमें कोहनी में फंसा कर बैग लेकर चलने से बचना चाहिए क्योंकि इसके भार से उस कंधे पर अधिक जोर पड़ता है और वो दूसरे की तुलना में झुक जाता है।

बड़े हुड वाले कोट :

बीसीए का दावा है कि सिर पर बड़े आकार के फर वाले गरम कोट पहनने से बचना चाहिए क्योंकि आस-पास देखने के दौरान इससे गर्दन पर जोर पड़ता है।

हाई हील्स :

बीसीए का दावा है कि हाई हील्स हमें शरीर को एक खास स्थिति में रखने को मजबूर करता है जिससे रीढ़ की हड्डी में तनाव पैदा होता है।

बैकलेस जूते :

बीसीए का दावा है कि ऐसी चप्पलें जिनके पीछे का हिस्सा खुला होता है यानी एड़ी की ओर सपोर्ट नहीं होता है, उनसे पैरों और गर्दन के नीचे तनाव पैदा होता है। बीसीए की हिदायत है कि जरूरत से ज्यादा बड़ी बांह, भारी भरकम ज्वैलरी और टेढ़े-मेढ़े किनारे वाले वस्त्र भी पहनने वालों के लिए समस्या पैदा कर सकते हैं।

क्या आप गुड़हल फूल की चाय के बारे में जानते हैं?

आजतक आपने कई तरह के फ्लेवर की चाय पी होगी, लेकिन चाय की दुनिया में बीमारियों से लड़ने वाली गुड़हल फूल की चाय को शायद ही कभी ट्राय की होगी. लाल रंग के उस फूल को हम अक्सर पूजा-पाठ और घर की सजावट के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आप इसे अपनी डायट का भी हिस्सा बना सकते हैं, क्योंकि यह चाय आपकी सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद है.

इस चाय के कई फ़ायदे हैं

गुड़हल फूल की चाय यानी हिबिस्कस टी में कैलोरी प्राकृतिक रूप से कम होती है और यह पूरी तरह से कैफीन मुक्त है. गुड़हल के फूल में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, सोडियम और ज़िंक सहित कई और मिनरल्स के साथ विटामिन्स और फ़ाइबर पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर, मानसिक तनाव, कोलेस्टेरॉल संतुलित करने और कैंसर, लिवर की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं.

ब्लडप्रेशर संतुलित रखने में मदद

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट की मानें तो, इस चाय के सेवन से हाई और लो, दोनों तरह के ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करने और संतुलित रखने में मदद मिलती है. जरनल ऑफ़ एथनोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार गुड़हल में ऐंटी-हाइपरटेंसिव और कॉर्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और हृदय संबंधित बीमारियों से परेशान मरीजों के लिए फ़ायदेमंद सबित होता है.

वज़न कम करने में सहायक

गुड़हल की चाय वज़न कम करने में काफ़ी मददगार साबित होती है. गुड़हल में भरपूर मात्रा में ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने का काम करता है. इसके साथ ही इसमें फ़ाइबर की मात्रा भी पाई जाती है, जो पाचन क्रिया को ठीक रखकर वज़न कम करने में मदद करता है.

कम करता है तनाव

विटामिन, मिनरल्स और ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स गुणों से भरपूर गुड़हल की चाय तनावमुक्त रखने और मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार साबित होती है.

पीरियड के दर्द से राहत

गुड़हल चाय पीरियड के दौरान पेट में होने वाली ऐंठन और दर्द से राहत दिलाती है. इसके साथ ही यह हॉर्मोन्स को संतुलित करने में भी मदद करती है, जिससे मूड स्विंग्स और डिप्रेशन में आराम मिलता है.

प्यास बुझाने का भी काम करती है

गुड़हल फूल की चाय का इस्तेमाल स्पोर्ट्स ड्रिंक के रूप किया जाता है. खेल के दौरान इसे कोल्ड टी के रूप में सर्व किया जाता है. इस चाय को लोग अपनी डायट में इसलिए शामिल करते हैं, क्योंकि यह शरीर को बहुत जल्दी ठंडक पहुंचाने में सक्षम है.

कैसे बनाएं गुड़हल की चाय?

गुड़हल की चाय आपकी सेहत के लिए काफ़ी फ़ायदेमंद है, लेकिन इसके लिए काफ़ी ध्यान देने की ज़रूरत है. गुड़हल के सूखे फूल आप किसी भी नज़दीकी स्टोर या ऑनलाइन पोर्टल से ख़रीद सकते हैं, लेकिन अगर यह पूरी तरह से नैचुरल हो, तो ज़्यादा फ़ायदेमंद साबित हो सकती है. चाय बनाते समय इसमें गुड़हल फूल के साथ लौंग, दालचीनी और अदरक भी डाल सकते हैं.

पहली बार क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो सावधान!

क्रेडिट कार्ड होता क्या है? क्या यह डेबिट कार्ड से अलग होता है? ऐसे ही कई सवाल पहली बार क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करनेवालों के मन में आता है. असल में क्रेडिट कार्ड का मतलब होता है, अभी ख़रीदें, बाद में भुगतान करें. जबकि डेबिट कार्ड से आप अपने अकाउंट में वर्तमान समय में मौजूद पैसों का ही इस्तेमाल कर सकते हैं. क्रेडिट कार्ड आपको 2 से 6 सप्ताह तक बिना ब्याज के कर्ज़ देता है.

➤ क्रेडिट कार्ड्स का इस्तेमाल आकर्षक ऑफ़र्स, कैश बैक्स, स्कीम्स और ईएमआई पर चीज़ें लेने के लिए खासतौर पर किया जाता है. क्रेडिट कार्ड से खरीददारी करने पर आपको कुछ रिवॉर्ड पॉइंट्स भी मिलते हैं, जिनका इस्तेमाल आप आगे चलकर कुछ खरीदते समय इस्तेमाल कर सकते हैं. निरंजन उपाध्ये, जनरल मैनेजर, फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट, वर्ल्डलाइन इंडिया हमें क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने की शुरुआत करने पर कुछ बातों को समझने और कुछ बातों को ध्यान में रखने की सलाह दे रहे हैं.

➤ कार्ड को कैश की तरह ही इस्तेमाल करें. क्रेडिट कार्ड आपको आज शॉपिंग कर कल भुगतान करने का विकल्प देता है, जिससे बहुत मुमकिन है कि आप जरूरत से ज़्यादा खर्च कर दें. अपने खर्चों को संयमित रखने के लिए क्रेडिट कार्ड के हर बिल को ध्यान से समझें.

➤ आपको अपने कार्ड की सुरक्षा को लेकर हमेशा ही सतर्क रहना चाहिए. किसी और को अपना कार्ड कभी न दें. कार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी कभी भी फोन या इंटरनेट के माध्यम से शेयर न करें.

➤ कार्ड नंबर और कस्टमर केयर का नंबर हमेशा फ़ोन में सेव रखें. ताकि किसी भी गड़बड़ी का पता लगते ही, आप तुरंत ही संबंधित अथॉरिटी को सूचित कर सकें और कार्ड ब्लॉक करवा सकें.

➤ अपने डेबिट, क्रेडिट, इत्यादि कार्ड्स का पिन एक जैसा न रखें. हर कार्ड के लिए अलग-अलग पिन रखें. इसके अलावा आसानी से गेस कर सकने योग्य पिन नंबर न रखें. बर्थडे, एनवर्सरी, कार का नंबर प्लेट इत्यादि को अपना पिन नंबर भूलकर भी न बनाएं.

➤ जब भी कार्ड इस्तेमाल कर रहे हों, ध्यान रखें कि आपका पिन कोई देख न रहा हो. पिन एंटर करते वक़्त हमेशा अपने एक हाथ से नंबर पैड को ढके रखें.

➤ यदि आपको लगता है कि कोई आपके पिन को देख रहा है या फिर किसी तरह की गड़बड़ी का एहसास हो, तो तुरंत पिन बदल लें.

➤ हर महीने मेल पर या घर पर आनेवाले स्टेटमेंट्स को ध्यान से पढ़ें. यदि आपको लगे कि कोई ट्रैन्जैक्शन आपने नहीं किया है, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क कर उन्हें इसकी जानकारी दें. छोटे-मोटे चार्जेस को भी समझें और अपने बैंक से जानें कि इसे क्यों काटा गया है. फिर भले ही बात कुछ रुपयों की ही क्यों न हो.

तो सात दिन में बढ़ जाएगी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता...

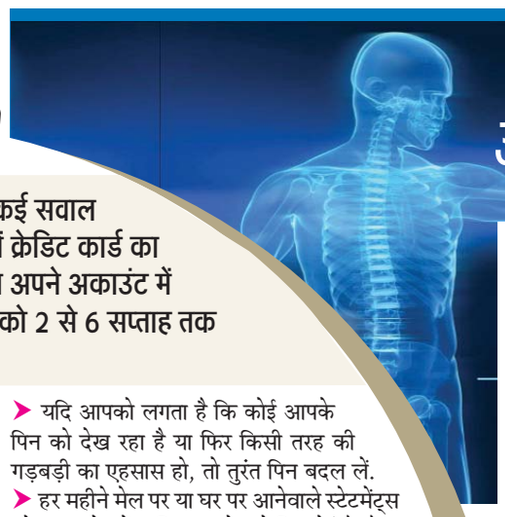

रोग प्रतिरोधक क्षमता हमें कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है. छोटी-मोटी ऐसी कई बीमारियां होती हैं जिनसे हमारा शरीर खुद ही निपट लेता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने पर बीमारियों का असर जल्दी होता है. ऐसे में शरीर कमजोर हो जाता है और हम जल्दी-जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं. हमारा इम्यून सिस्टम हमें कई तरह की बीमारियों से सुरक्षति रखता है. रोग प्रतिरोधक क्षमता कई तरह के बैक्टीरियल संक्रमण, फंगस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है. इन बातों से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि इम्यून पावर के कमजोर होने पर बीमार होने की आशंका बढ़ जाती है.

⏩ ग्रीन टी और ब्लैक टी, दोनों ही इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होती हैं लेकिन एक दिन में इनके एक से दो कप ही पिएं. ज्यादा मात्रा में इसके सेवन से नुकसान हो सकते है।

⏩ कच्चा लहसुन खाना भी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में सहायक होता है. इसमें पर्याप्त मात्रा में एलिसिन, जिंक, सल्फर, सेलेनियम और विटामिन ए व ई पाएं जाते है।

⏩ दही के सेवन से भी इम्यून पावर बढ़ती है. इसके साथ ही यह पाचन तंत्र को भी बेहतर रखने में मददगार होती है.

⏩ ओट्स में पर्याप्त मात्रा में फाइबर्स पाए जाते हैं. साथ ही इसमें एंटी-माइक्राबियल गुण भी होता है. हर रोज ओट्स का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है।

⏩ विटामिन डी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है. इससे कई रोगों से लड़ने की ताकत मिलती है. साथ ही हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए और दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखने के लिए भी विटामिन डी लेना बहुत जरूरी है।

⏩ संक्रामक रोगों से सुरक्षा के लिए विटामिन सी का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है. नींबू और आंवले में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुरुस्त रखने में मददगार होता है.

शरीर के तरल पदार्थों में असंतुलन, रक्त संचार, व्यायाम न करना और तनाव जैसे विभिन्न कारणों से भी त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके असंख्य स्वास्थ्य लाभों के अलावा, योग त्वचा को सुंदर बनाने में भी मदद करता है। रोजाना योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है और पसीना, सांस-कसरत के माध्यम से आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने में मदद करता है।

बेडरूम सजाने के टिप्स

दिनभर की भागदौड़ के बाद एक अच्छा और सजा हुआ बेडरूम आपकी थकान को अनायास ही कम कर देता है. ऐसे में बेडरूम को सही तरीके से सजाना बहुत जरुरी है. मुंबई जैसे शहर में बड़ा घर खरीदना एक सपना होता है. घर चाहे बड़ा हो या छोटा उसे सही तरीके से सजाना बहुत आवश्यक है, क्योंकि खुद से सजाया गया बेडरूम एक अलग एहसास करवाता है. इतना ही नहीं अगर आपने एक नया घर लिया है और आपको समझ नहीं आ रहा है कि बेडरूम को कैसे सजाएं, तो ये जानकारी आपके लिए कारगर सिद्ध होगी.

➤ बेड को बेडरूम में सही तरह से सजाना एक कला है, इसके लिए सही आकार के बेड को चुने, जो कमरे में रखने के बाद थोड़ी जगह बचे.

➤ किसी भी सामान को बाहर न रखना पड़े इसके लिए बेड में बॉक्स का प्रोविजन रखें.

➤ दीवारों के रंग के आधार पर बेड लें, क्योंकि इससे कमरा साफ सुथरा और आराम दायक लगेगा, अपनी पसंद के आकार का बेड खरीदने के लिए आप औनलाइन का सहारा ले सकती हैं.

➤ आरामदायक गद्दे का चयन बेड के लिए करें, जो न तो अधिक मुलायम हो और न ही अधिक सख्त, ताकि आपके पीठ को आराम मिले और सुकून की नींद आयें.

➤ बेड को सजाने के लिए डेकोरेटिव तकिये, अच्छी क्वालिटी के चद्दर, चिक और शम्स का प्रयोग करें, तकिये का आकार भी बेड के अनुसार चुनें, आजकल तकिये अलग-अलग आकार के मिलते हैं, अपनी पसंद के अनुसार दो या तीन आकार के चुनें.

➤ बेड के चद्दर हमेशा हल्के रंग के दीवारों से मेल खाते हुए लें, अगर आपका कमरा छोटा है, तो बड़े प्रिंट और गहरे रंग वाले चद्दर कभी न लें, थोड़ी सी कढ़ाई या मोटिफ्स इसे आकर्षक बनाती है.

➤ पांव के नीचे चद्दर से मेल खाते हुए ब्लैंकेट रखे, जो आपके बेड को अलग तरह की खूबसूरती प्रदान करते हैं, ये बाजार में अलग-अलग फेब्रिक्स में मिलते हैं, इसके अलावा नींद से उठने के बाद बेड को कवर करने के लिए बेड स्प्रेड अवश्य रखें.

➤ बेडरूम में बेड ही पूरी जगह को घेर लेता है, ऐसे में आस-पास के बचे हुए स्थान में साइड टेबल, थोड़ी सी हल्की फर्नीचर रख सकती हैं, जिसपर बैठकर आप किताब पढ़ कर मूड को फ्रेश कर सकती हैं, इसके अलावा साइड टेबल पर कुछ डेकोरेटिव आइटम या फ्लावर पौट रखकर उसकी शोभा और बढ़ा सकती हैं.

➤ लाइट का सही प्रयोग बेडरूम में करना बहुत जरुरी है, अधिक भड़कीली लाइट का प्रयोग बेडरूम में कभी न करें, येलो लाइट या डिम लाइट का प्रयोग बेडरूम में सही रहता है, मध्यम रौशनी में बेडरूम रोमांटिक हो जाता है.

➤ अधिक सामानों से बेडरूम को कभी भरे नहीं, बल्कि कम से कम सामान रखकर बेडरूम को हमेशा साफ सुथरा रखें. इसके अलावा बेडरूम की सजावट में मौसम भी मुख्य भूमिका निभाता है. गर्मियों में सौ प्रतिशत सूती, लिनेन, टेंसल फेब्रिक के चद्दर का प्रयोग करें, ये चद्दर धोने और बिछाने के लिए काफी अच्छे होते हैं. मानसून में नमी युक्त मौसम होने की वजह से ऐसी चद्दर की जरुरत पड़ती है जो जल्दी सूख जाये, ऐसे में कौटन और पौलिएस्टर मिश्रित चद्दर लेना फायदेमंद होता है. जाड़े में जब पारा नीचे गिरता है, तब गर्म और आरामदायक बिस्तर सबको आकर्षित करता है. फलालैन के चद्दर इस मौसम में काफी गर्मी प्रदान करते हैं जो एक अच्छी और सुकून की नींद देते हैं.

खोई हुई चमक योग से प्राप्त करें!

चेहरे के रक्त के प्रवाह को बढ़ाएं

आगे की ओर झुकें और हाथों को मुक्त छोड़ दें। ये पोज़ रक्त को आपके सिर तक पहुँचाने में मदद करते हैं, उम्र बढ़ने के प्रभाव को उलट देते हैं, और आपकी कोशिकाओं को ऑक्सीजन का कायाकल्प बढ़ावा देते हैं।

झुर्रियों को खत्म करें

योग आपकी त्वचा को भी हल्का और चिकना बनाता है, जैसा कि आप माथे की मांसपेशियों और अपनी आँखों के आसपास काम करते हैं जो आपके प्रदर्शन पर प्रभाव को मिटाने में मदद करता है। जब आप लयों, वी, और मुस्कुराते चेहरों की तरह चेहरे के योग का अभ्यास करते हैं, तो यह परिसंचरण, आराम की मांसपेशियों और तनाव को कम करके आपके माथे की झुर्रियों को कम करने में मदद करता है।

दमकती त्वचा

मारीचसाना, धनुरासन, और हलासन जैसे अधोमुखी मुद्राएं मंदता को कम करती हैं और मुँहासे को साफ करती हैं, जो उस अद्भुत युवा दिखने वाली चमक को फैलाती हैं और आपके रंग में काफी सुधार करती हैं।

चेहरे की चर्बी कम करें

एक समय में, आप अपने गाल और चेहरे की चर्बी को कम करना पसंद करेंगे। गाल, होंठ और जबड़े के लिए योग मुद्रा आपकी त्वचा को कसने और चेहरे की चर्बी को कम करने में आपकी मदद कर सकती है। गाल वर्कआउट सबसे आसान वर्कआउट है जिसे आप अपने चेहरे की मांसपेशियों, गालों और होंठों को टोन और मजबूती देने के लिए कहीं भी कर सकते हैं। उनमें से कुछ वी, मुस्कुराते हुए आदि हैं।

काले घेरे दूर करें

उन काले घेरों को दूर करने का प्राकृतिक तरीका है हस्तपादासन, सम्भवी मुद्रा, और सूर्य नमस्कार।

बालों का बढ़ना

योग सभी प्रकार के बालों और खोपड़ी की समस्याओं के इलाज में भी अत्यधिक सक्षम है। यदि आप बालों के झड़ने की समस्या से पीड़ित हैं, तो आप वास्तविक परिणामों के लिए विभिन्न योग बन सकते हैं।

आज की रेसिपी

टेस्टी अमचूरी करेला

बहुत कम लोगों को करेला पसंद होता है। ऐसे में आज हम आपको करेला की टेस्टी रेसिपी बताएंगे। यह डिश हर किसी को पसंद आएगी। यह खाने में काफी टेस्टी होती है। इसके साथ ही यह बनाने में भी काफी आसान होती है।

सामग्री :

- करेला - 1/2 किलो
- प्याज (बारीक कटा हुआ) - 1
- राई - 1/2 चम्मच
- सौंफ - 1 चम्मच
- हल्दी - 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 1/2 चम्मच
- अमचूर पाउडर - 2 बड़े चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- पानी - जरूरत के अनुसार
- तेल - जरूरत के अनुसार

विधि :

⏩ इसे बनाने के लिए आप सबसे पहले करेले को हल्का-सा छीलकर छोटे टुकोड़ों में काटें।

⏩ फिर करेले के टुकड़ों को एक बड़े कटोरे में रखें और इसमें 1 बड़ा चम्मच नमक और तीन कप पानी डालकर आधा घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

⏩ अब करेले को पानी से निकालें और निचोड़कर अलग बर्तन में रखें।

⏩ इसके बाद मीडियम आंच पर एक पैन में तेल गर्म करके इसमें सौंफ और राई डालकर तड़काएं।

⏩ फिर अब इसमें प्याज को अच्छे से फ्राई कर लें।

⏩ इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर का पेस्ट तैयार कर लें।

⏩ फिर अब मसाले में करेले और नमक डालकर 10-15 मिनट के लिए ढक दें।

⏩ तय समय के बाद करेले में अमचूर पाउडर डालें और इसे अच्छे से मिलाएं।